THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 336 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन अमावस्या 2081 गुरुवार, 27 फरवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राजौरी में सेना की गाड़ी पर आतंकी हमला

जम्मू, 26 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में एलओसी के पास बुधवार दोपहर सेना की गाड़ी पर आतंकियों ने फायरिंग की। हमला सुंदरबनी इलाके के फाल गांव में हुआ। अधिकारियों ने बताया कि सेना का वाहन आतंकियों के इलाके से गुजर रहा था, इसी दौरान जंगल में छिपे आतंकियों ने कुछ राउंड फायर किए। उन्होंने बताया कि हमले में किसी जवान के घायल होने की खबर नहीं है। पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। एक्स्ट्रा फोर्स को मौके पर भेजा गया है। आतंकियों के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। अधिकारियों के मुताबिक जिस जगह पर हमला हुआ, वह इलाका आतंकियों की घुसपैठ का पारंपरिक रास्ता माना जाता है।

शशि थरूर की सफाई

कहा- पॉडकास्ट में राजनीतिक विवाद जैसा कुछ खास नहीं

तिरुवनंतपुरम , 26 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस से नाराजगी की कथित अटकलों के बीच सांसद शशि थरूर ने बुधवार को सफाई दी। उन्होंने कहा कि 45 मिनट के पॉडकास्ट में जीवन और खुशी की खोज पर बातचीत है, इसमें किसी राजनीतिक विवाद के बारे में कुछ खास नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने शुक्रवार को एक बैठक बुलाई है। मैं बैठक में बाकी सभी के साथ उपस्थित रहूंगा।

कांग्रेस सांसद थरूर ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आप सभी ने मलयालम भाषा का पॉडकास्ट सुना है। उन्होंने पूछा कि विवाद किस बारे में था?, क्योंकि मैं अभी भी विवाद को समझ नहीं पाया हूं। थरूर ने कहा कि अब जब आपने पूरा पॉडकास्ट सुन लिया है, तो क्या आप मुझे बता सकते हैं कि आपका सवाल क्या है? मुझे जवाब देने में खुशी होगी।

बिहार में चुनाव से 7 महीने पहले मंत्रिमंडल विस्तार

बीजेपी के 7 विधायक मंत्री बने, इनमें 6 मिथिलांचल से, एनडीए के 307 विधायक इसी इलाके से

पटना, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव से 7 महीने पहले बुधवार को नीतीश मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ। 7 विधायकों को शपथ दिलाई गई। सभी भाजपा के हैं। इनमें 3 पिछडी, 2 अति पिछडी और 2 सवर्ण समुदाय से हैं। राज्य में एनडीए सरकार का 13 महीने में यह तीसरा विस्तार है। नीतीश सरकार में अब 36 मंत्री होंगे। इनमें भाजपा के 21, जेडीयू के 13 बाकी एक हम और एक निर्दलीय से हैं।

दरभंगा से बीजेपी विधायक संजय सरावगी ने सबसे पहले शपथ ली। इसके बाद सुनील कुमार (बिहार शरीफ), जीवेश मिश्रा (जाले), राजू सिंह (साहेबगंज) , मोतिलाल प्रसाद (रीगा), कृष्ण कुमार उर्फ मंटू (अमनौर), विजय मंडल (सिकटी) मंत्री बने।

मिथिलांचल एनडीए का गढ़

बिहार में कुल 243 सीटें हैं। एनडीए के पास 131 सीटें हैं। इनमें से 40 सीटें मिथिलांचल से हैं।

इसलिए मिथिलांचल को एनडीए का गढ़ कहा जाता है। मिथिलांचल के 6 जिलों (सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, वैशाली) में 60 सीटें आती हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में यहां से एनडीए को 40 सीटें मिली थीं।

हैदराबाद की अवैध इंटरनेट फार्मेसी की करोड़ों की संपत्ति कुर्क

ड्रग्स तस्करी से जुड़े मामले में कार्रवाई

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हैदराबाद की एक अवैध इंटरनेट फार्मेसी के खिलाफ ड्रग्स तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की है। ईडी ने बुधवार को बताया कि जांच के तहत उसने मध्य प्रदेश में जमीन और करीब 8 करोड़ रुपये की बैंक जमा राशि कुर्क की है।

ईडी ने बताया कि जेआर इनफिनिटी प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई की गई है। ईडी के अनुसार, हैदराबाद कार्यालय द्वारा धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत फार्मेसी, उसके प्रमोटर आशीष जैन और परिवार के सदस्यों की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क करने का आदेश जारी किया है।

एनसीबी ने दर्ज की थी शिकायत

बता दें कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने जेआर इनफिनिटी प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ मई 2022 में शिकायत दर्ज की थी। फर्म पर अवैध इंटरनेट फार्मेसी चलाने का आरोप लगाया गया था। जिसके बाद मामले की ईडी ने जांच शुरू की। जांच के दौरान संघीय एजेंसी को अवैध इंटरनेट फार्मेसी चलाने की शिकायत सही मिली।

इन साइकोट्रोपिक पदार्थों का किया निर्यात

ईडी ने बताया जेआर इनफिनिटी द्वारा अल्प्राजोलम, जोलपिडेम, लोराजेपम, क्लोनाजेपम, हाइड्रोकोडोन और ऑक्सीकोडोन जैसे साइकोट्रोपिक पदार्थों को टैबलेट के रूप में निर्यात किया जा रहा था।

>14

मुश्किल कामों के दौरान हादसे हो जाते हैं'

तेलंगाना सुरंग हादसे पर जेपी ग्रुप के संस्थापक का बयान

हैदराबाद , 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जेपी ग्रुप के संस्थापक जयप्रकाश गौड़ ने तेलंगाना टनल हादसे पर कहा है कि 'मुश्किल कामों के दौरान हादसे हो जाते हैं'। जेपी ग्रुप की कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड को ही तेलंगाना के श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कनाल प्रोजेक्ट का ठेका मिला है। इस प्रोजेक्ट के तहत सुरंग की खुदाई के दौरान हुए हादसे में ही आठ लोग फंस गए हैं। जिन्हें निकालने के लिए बीते कई दिनों से ऑपरेशन चल रहा है।

'मैंने अपने पेशेवर करियर में ऐसी कई दुर्घटनाएं देखी हैं'

तेलंगाना सरकार के मंत्री कोमाटीरेड्डी वेंकट रेड्डी से मुलाकात के बाद दुर्घटनास्थल पर पत्रकारों से बात करते हुए 90 वर्षीय जयप्रकाश गौड़ ने कहा कि उन्होंने अपने पेशेवर करियर में छह से सात दुर्घटनाएं देखी हैं। उन्होंने कहा, 'इन मुश्किल कामों के दौरान ऐसी चीजें होती हैं। मेरे जीवन में, मुझे लगता है कि टिहरी परियोजना, भूटान, जम्मू-कश्मीर समेत छह या सात दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। आपको इन सबका सामना करना पड़ता है।' गौड़ ने आगे कहा कि टीमें यह सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश कर रही हैं कि फंसे हुए लोग बाहर आ सकें।

>14

महाकुंभ- दुनिया के सबसे बड़े आयोजन का आखिरी दिन

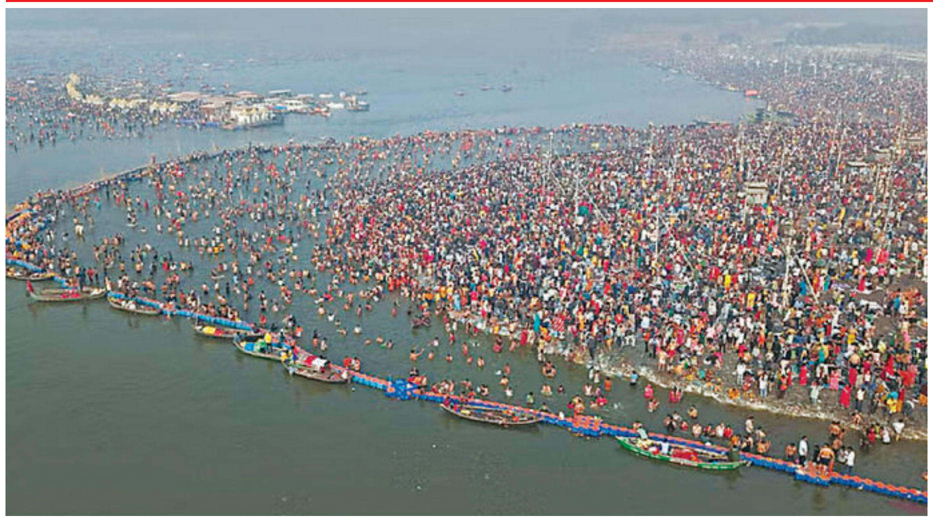

44 दिन में 65 करोड ने डुबकी लगाई

प्रयागराज, 26 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ का आज आखिरी दिन था। पिछले 44 दिन में 65 करोड़ श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। ये आंकड़ा अमेरिका की आबादी (करीब 34 करोड़) से दोगुना है। महाशिवरात्रि पर्व स्नान के साथ ही 45 दिनों तक चले महाकुंभ का समापन हो जाएगा।

एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने भी महाकुंभ जाने का वीडियो शेयर किया। लिखा- जो अनुभव हुआ, उसे बता नहीं सकती। आज शाम 4 बजे तक 1.32 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। महाशिवरात्रि पर 3 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। यानी, कुल आंकड़ा 66 से 67 करोड़ तक पहुंच जाएगा।

वहीं, महाकुंभ में ड्यूटी कर रहे एक सफाई कर्मचारी ने अपना गला काट लिया। ड्यूटी के दौरान ही वह शौचालय में गया और चाकू अपने गले में मार लिया। उसे अस्पताल ले जाया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर है।

संगम में डुबकी लगाने वालों की यह संख्या 193 देशों की जनसंख्या से ज्यादा है। सिर्फ भारत और चीन की आबादी महाकुंभ आए श्रद्धालुओं से ज्यादा है। योगी सरकार ने दावा किया कि दुनिया में हिंदुओं की आधी आबादी के बराबर लोग यहां आए हैं। महाकुंभ में आखिरी स्नान को देखते हुए प्रयागराज शहर में 25 फरवरी की शाम से वाहनों की नो-एंट्री कर दी गई थी। मेले के अंदर भी वाहन नहीं चल रहे हैं। रात से ही संगम जाने वाले रास्तों पर भारी भीड़ थी। संगम घाट पर स्नान के बाद श्रद्धालुओं से घाट खाली कराए गए, ताकि वहां भीड़ न उमड़े।

दोषी नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाना कठोर होगा

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से साफ-साफ कहा

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दोषी सांसदों-विधायकों के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका का विरोध किया है। सरकार का कहना है कि सजा की अवधि सीमित रखना संवैधानिक है। इससे कठोरता से बचते हुए अपराध रोकने में मदद मिलती है। यह मामला अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका से जुड़ा है। इस याचिका में जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 8 और 9 को चुनौती दी गई है। सरकार ने कहा कि संसद को सजा की अवधि तय करने का अधिकार है। अदालत इस मामले में 4 मार्च को सुनवाई करेगी।

केंद्र सरकार ने क्या दलीलें दीं

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया है। इस हलफनामे में सरकार ने कहा है कि दोषी सांसदों-विधायकों की अयोग्यता की अवधि 6 साल तक सीमित रखने का प्रावधान 'आनुपातिकता और तर्कसंगतता' के सिद्धांतों पर आधारित है। सरकार का तर्क है कि संसद को सजा की अवधि तय करने का विशेषाधिकार है। कानून मंत्रालय की ओर से मंगलवार को दायर हलफनामे में कहा गया, 'विवादित धाराओं के तहत अयोग्यता संसदीय नीति के अनुसार समयबद्ध है। याचिकाकर्ता की समझ के आधार पर आजीवन प्रतिबंध लगाना उचित नहीं होगा।'

क्या है याचिकाकर्ता की मांग?

यह हलफनामा अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका के जवाब में दायर किया गया है। उपाध्याय ने अपनी याचिका में जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 8 और 9 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। याचिका में दोषी सांसदों-विधायकों पर चुनाव लड़ने के लिए आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। हलफनामे में कहा गया है, 'याचिकाकर्ता जो राहत चाहता है, वह जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 8 के सभी उप-धाराओं में '6 साल' के बजाय 'आजीवन' पढ़ने की मांग करता है। यह प्रावधान को फिर से लिखने जैसा है।'

यह हलफनामा सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ की ओर से 10 फरवरी को दिए गए आदेश के जवाब में दायर किया गया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की अध्यक्षता वाली पीठ ने अयोग्यता की अवधि 6 साल तक सीमित रखने के औचित्य पर सवाल उठाया था। पीठ ने कहा था कि एक कानून तोड़ने वाले को कानून बनाने की अनुमति देने में 'हितों का टकराव' है। अदालत 2016 में उपाध्याय की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

धारा 8 और 9 में क्या प्रावधान?

धारा 8 के तहत, दोषी सांसद-विधायक अपनी सजा पूरी करने के बाद 6 साल तक चुनाव नहीं लड़ सकते। यह कई अपराधों पर लागू होता है, जिनमें दो या दो साल से अधिक की सजा शामिल है। धारा 9 के तहत, भ्रष्टाचार या राज्य के प्रति निष्ठाहीनता के लिए सरकारी सेवा से बर्खास्त किए गए व्यक्ति बर्खास्तगी की तारीख से 5 साल तक चुनाव नहीं लड़ सकते। धारा 8, 1951 के कानून के लागू होने के समय से ही इसका हिस्सा रही है।

केंद्र ने दिया इन मामलों का हवाला

केंद्र के हलफनामे में कहा गया है कि न्यायपालिका के पास असंवैधानिक कानून को रद्द करने की शक्ति है। लेकिन अदालतें संसद को किसी विशेष तरीके से कानून बनाने या संशोधित करने का निर्देश नहीं दे सकतीं। हलफनामे में मद्रास बार असोसिएशन बनाम भारत संघ (2021) में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया गया है। इस फैसले में कहा गया था कि 'अदालतें विधायिका को किसी विशेष तरीके से कानून बनाने या लागू करने का निर्देश नहीं दे सकतीं।'

'तमिलनाडु में एनडीए सरकार बनाने के लिए कस लें कमर'

कोयंबटूर में सत्ताधारी डीएमके पर जमकर बरसे अमित शाह

कोयंबटूर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडू के कोयंबटूर, तिरुवन्नामलाई और रामनाथपुरम में भाजपा जिला कार्यालयों के उद्घाटन के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, '2025 की शुरुआत दिल्ली की विजय से हुई है और 2026 तमिलनाडु में एनडीए की सरकार के साथ समाप्त करेंगे... समय आ गया है कि तमिलनाडु में डीएमके की देशविरोधी सरकार को समाप्त कर दिया जाए... सभी लोग तमिलनाडु में एनडीए की सरकार बनाने के लिए अपनी कमर कस लें... तमिलनाडु में बनने वाली सरकार एक नए युग की शुरुआत करेगी। यहां भाई-भतीजावाद की दुकान समाप्त होगी और यहां हमेशा के लिए भ्रष्टाचार समाप्त हो जाएगा'।

गृह मंत्री अमित शाह ने आगे कहा कि, उनके नेताओं में से एक नकदी-के-लिए-नौकरी मामले में उलझा हुआ है, दूसरा मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध रेत खनन में शामिल है, और तीसरा आय से अधिक संपत्ति से संबंधित आरोपों का सामना कर रहा है।' तमिलनाडु को केंद्रीय निधि से वंचित किए जाने के सीएम एमके स्टालिन के आरोपों को खारिज करते हुए अमित शाह ने कहा, 'एमके स्टालिन के बयान में कोई सच्चाई नहीं है।

पठानकोट सीमा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम

श्रीनगर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने पठानकोट सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। बीएसएफ की इस कार्रवाई में एक घुसपैठिया ढेर हो गया। जानकारी के मुताबिक बीएसएफ के जवानों ने पठानकोट सीमा क्षेत्र के ताशपतन में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर संदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद बीएसएफ की टीम एक्शन में आ गई। इस बीच एक घुसपैठिया अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारत की सीमा में दाखिल हो रहा था। बीएसएफ के जवानों ने घुसपैठिए को चुनौती दी।

वाइस चांसलर से 14 लाख रुपए की ठगी

ईडी अधिकारी बनकर ठगों ने अरेस्ट की धमकी दी, परिवार के हर सदस्य को जानते थे

भुवनेश्वर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के ब्रह्मपुर यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर गीतांजलि दास के साथ साइबर धोखाधड़ी का मामला सामने आया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि एक व्यक्ति ने खुद को ईडी का अधिकारी बताकर 14 लाख रुपए ठग लिए। उन्हें डिजीटल अरेस्ट करने की धमकी भी दी। दास को 12 फरवरी को एक कॉल आया। ठग ने दास से कहा कि आपके नाम पर बैंक खातों में करोड़ों रुपए जमा किए गए हैं। हमें कुछ सवाल करने हैं। पूछताछ के लिए आप ऑनलाइन जुड़ जाइए या फिर 14 लाख रुपए सरेंडर करें। इसके बाद दास ने खुद को बचाने के लिए ठगों को 14 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए।

ब्रह्मपुर के एसपी सरवन विवेक ने बताया कि कुलपति ने 24 फरवरी को शिकायत दर्ज कराई है। साइबर पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। एसपी ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है, इसमें शामिल सभी साइबर ठगों का पता लगा रही है। अपराधियों की पहचान जल्द की जाएगी।

वाइस चांसलर गीतांजलि दास ने पुलिस को बताया कि ठग अंग्रेजी में बात कर रहा था और उनके परिवार के सभी लोगों के बारे में भी जानता था, इसलिए मैं उसकी बातों में आ गई। उन्होंने विश्वास जीतने के लिए पहले 80 हजार रुपए वापस भी किए थे।

दास ने बताया- ठग ने कहा था कि बाकी की रकम धीरे-धीरे वापस कर देगा, लेकिन बाद में जब फोन बंद आने लगा तो मुझे एहसास हुआ कि मेरे साथ ठगी हुई है। इसके बाद पुलिस में मामला दर्ज कराया।

काशी में 10 हजार नागा गदा-तलवार लहराते निकले

बाबा विश्वनाथ का दूल्हे जैसा श्रृंगार, 2 लाख दर्शनार्थियों की 3 किमी लंबी कतार

वाराणसी, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

हाथ में गदा-त्रिशूल। हाथी-घोड़े की सवारी। शरीर पर भस्म और फूलों की माला। हर-हर महादेव का उद्घोष। काशी में कुछ इस अंदाज में 7 शैव अखाड़ों के करीब 10 हजार से ज्यादा नागा साधु बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। नागा साधुओं के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर के रास्ते की बैरिकेडिंग की गई है। लाखों की संख्या में भक्त नागा संतों का आशीर्वाद लेने के लिए रात से ही सड़क किनारे खड़े हुए हैं। सबसे पहले जूना अखाड़े के नागा संन्यासी मंदिर पहुंचे। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि भी उनके साथ रहे। नागा साधुओं की पेशवाई में गाड़ियां, ढोल-नगाड़े और अस्त्र-शस्त्र के साथ करतब दिखाते हुए साधु शामिल रहे। आधी रात से ही करीब 2 लाख भक्त 3 किमी लंबी कतार में लगे हैं। सुबह से अब तक 2.37 लाख भक्त दर्शन कर चुके हैं। तड़के 2:15 बजे बाबा विश्वनाथ की मंगला आरती हुई। उनका दूल्हे की तरह श्रृंगार किया गया। मंगला आरती के दौरान प्रवेश रोकने पर श्रद्धालुओं ने हंगामा कर दिया। उनकी पुलिसकर्मियों से नोकझोंक हो गई। श्रद्धालुओं को समझाकर शांत कराया गया। इसके बाद मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए।

सुप्रीम कोर्ट बोला- गवाही की कोई उम्र सीमा नहीं

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गवाह की कोई उम्र सीमा तय नहीं है। अगर कोई बच्चा गवाह देने में सक्षम है तो उसकी गवाही भी उतनी ही मान्य होगी, जितनी किसी और गवाह की। सुप्रीम कोर्ट ने सात साल की बच्ची के गवाह के आधार पर हत्यारे पति को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। बच्ची ने अपने पिता को मां की हत्या करते देखी थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मध्य प्रदेश के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें आरोपी को बरी कर दिया था। साथ ही 7 साल की बेटी के बयान को खारिज कर दिया था। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने बच्ची की गवाही की ट्रस्ट और जांच की खामियों पर संदेह जताते हुए आरोपी को बरी कर दिया था।

7 साल की बच्ची ने मां के हत्यारे अपने पिता को उम्रकैद की सजा दिलाई

2003 में पति ने अपनी पत्नी की हत्या की थी

यह मामला 15 जुलाई 2003 का है। मध्य प्रदेश के सिंघराई गांव में पति बलवीर सिंह ने अपनी पत्नी बीरेंद्र कुमारी की हत्या की थी। बलवीर सिंह पर आरोप था कि उसने अपनी को गला घोंटकर कर मार दिया और अपनी बहन की मदद से आधी रात में उसका अंतिम संस्कार कर दिया। अंतिम संस्कार की जानकारी मृतक महिला के रिश्तेदार भूरा सिंह को लग गई, जिसके बाद घटना की शिकायत पुलिस में की। इस घटना की सबसे बड़ी गवाह मृतक की बेटी रानी थी। उसने कोर्ट को बताया कि उसके पिता ने मां को गला घोंटकर मारा था। सुप्रीम कोर्ट बोला- बच्चों पर भरोसा करना केवल सावधानी और विवेक उपाय है सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसा कोई नियम नहीं है कि बच्चे के बयान पर भरोसा करने से पहले उसकी कनफरमेशन की जाए। उन पर भरोसा करना केवल सावधानी और विवेक उपाय है। इस तरह के गवाहों का प्रयोग अदालत मामले के खास तथ्यों और परिस्थितियों में जरूरत होने पर कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बच्चों को गवाह के तौर पर खतरनाक माना जाता है, क्योंकि वे आसानी से किसी के बहकावे (ट्यूटरिंग) में आ सकते हैं। अदालतों को इस तरह के संभावनाओं का खारिज करना चाहिए। अगर कोर्ट जांच के बाद पाता है कि बच्चे के साथ न तो ट्यूटरिंग की गई और न ही प्रॉसिक्यूशन द्वारा बच्चे के गवाही के लिए इस्तेमाल की कोशिश की गई है तो कोर्ट फैसला देते समय बच्चों की गवाही पर भरोसा कर सकता है।

डिप्टी कलेक्टर अंकिता ओझा रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

काम के एवज में लिए थे 3 लाख रुपये

बनासकांठा, 26 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के पालनपुर में स्टाम्प ड्यूटी मूल्यांकन कार्यालय की डिप्टी कलेक्टर अंकिता ओझा को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गांधीनगर से एसीबी की एक टीम एक क्लास वन अधिकारी को ट्रैप करने के लिए पालनपुर पहुंची थी। डिप्टी कलेक्टर अंकिता ओझा के खिलाफ जमीन और मकान के लेन-देन में सरकारी चालान देने के बाद भी प्रमाण पत्र जारी करने में उत्पीड़न की शिकायतें मिली थीं।

गांधीनगर एसीबी ने खुलासा किया है कि बनासकांठा में अंकिता ओझा और योजना सहायक इमरान नागौरी को 3 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। एसीबी ने स्टाम्प ड्यूटी कार्यालय और विभिन्न अन्य स्थानों पर जांच शुरू कर दी है। डिप्टी कलेक्टर अंकिता ओझा पिछले एक साल से स्टाम्प ड्यूटी के लेन-देन को लेकर विवादों में रही हैं।

तमिलनाडु के कुलीथलाई में बस-कार की टक्कर, पांच लोगों की मौत

तिरुचिरापल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के करूर जिले में कुलीथलाई के पास बुधवार तड़के एक कार और राज्य परिवहन निगम की बस के बीच हुई टक्कर में दो महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि टक्कर के कारण पांचों लोगों की तत्काल मौत हो गई। कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। मौके पर पहुंचे अग्निशमन और बचाव सेवा कर्मियों को शवों को निकालने के लिए क्षतिग्रस्त कार को काटना पड़ा। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना कुलीथलाई के पास करूर-तिरुचिरापल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। करूर जा रही कार और अरनथांगी से तिरुपुर जा रही सरकारी बस के बीच आमने-सामने टक्कर हुई। पुलिस ने बताया कि मृतक कोयंबटूर के कुनियामुथुर इलाके के रहने वाले थे।

'क्या राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण होना विवेकपूर्ण है?'

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जनता के लिए मुकदमेबाजी की लागत और याचिकाओं की बहुलता के कारण निपटान में देरी पर चिंता व्यक्त की और केंद्र से पूछा कि क्या राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण बनाना विवेकपूर्ण है। कर्नाटक राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण (एसएटी) में रिक्तियों को भरने से संबंधित याचिका पर सुनवाई कर रहे जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि इन न्यायाधिकरणों में रिक्तियों को भरने के लिए याचिकाएं आती रहती हैं। पीठ ने केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहीं अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, 'जब हमारे पास प्रबंधन के लिए जनशक्ति नहीं है, तो इन संस्थानों का क्या मतलब है।' कोर्ट ने कहा कि इस स्थिति ने सिर्फ याचिकाओं और याचिका की लागत को बढ़ाया है।

बेंच ने कहा, 'लोग हर आदेश को उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती देते हैं और फिर मामला वापस न्यायाधिकरण के समक्ष चला जाता है। इससे केवल मामलों के निपटान में देरी होती है।' एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि ये नीतिगत निर्णय थे, जो उच्चतम स्तर पर लिए गए थे। पीठ ने सहमति जताई कि प्रत्येक राज्य में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण और एसएटी होना एक वैधानिक आवश्यकता है, लेकिन उसने पूछा कि क्या यह वास्तव में उद्देश्य पूरा करता है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'इन न्यायाधिकरणों के समक्ष दायर याचिकाओं का हाईकोर्ट में निपटारा किया जा सकता है और यदि हम हाईकोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या में वृद्धि करते हैं, तो यह उद्देश्य पूरा करेगा और सेवा मामलों से संबंधित मामलों की सुनवाई में तेजी लाएगा।' उन्होंने हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में अपने अनुभव को याद किया जब न्यायाधिकरण में रिक्तियों को भरने के लिए एक ऐसी याचिका मिली और उन्होंने इसके बजाय सरकार से हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, 'अब, मुझे पता चला है कि हाईकोर्ट में स्वीकृत संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।'

आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को दिया लुधियाना पश्चिम से टिकट

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट से राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को टिकट दिया है। पार्टी के इस फैसले से यह माना जा रहा है कि संजीव अरोड़ा की सीट से अरविंद केजरीवाल राज्यसभा जा सकते हैं। हालांकि पार्टी सूत्रों ने इस बात से इनकार किया कि अरविंद केजरीवाल राज्यसभा जाएंगे। संजीव अरोड़ा का राज्यसभा कार्यकाल 2028 तक है। दरअसल, लुधियाना पश्चिम से आम आदमी पार्टी विधायक रहे गुरप्रीत सिंह गोगी की मौत हो गई थी जिसके चलते इस सीट पर उपचुनाव कराए जा रहे हैं। पिछले महीने 10 जनवरी की रात को अचानक पिस्टल चलने से गोली लगने से गोगी की मौत हो गई थी। संजीव अरोड़ा को लुधियाना पश्चिम से टिकट देने के बाद इस बात के कयास तेज हो गए थे कि केजरीवाल उन्हें विधानसभा भेजकर राज्यसभा के सदस्य बना सकते हैं। हालांकि पार्टी सूत्रों का कहना है कि केजरीवाल राज्यसभा नहीं जाएंगे।

'शंभू बॉर्डर खोलें', पंजाब के उद्योगपतियों ने भगवंत मान से की मांग; मुख्यमंत्री ने क्या दिया जवाब?

चंडीगढ़/जालंधर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। विधानसभा में कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा द्वारा शंभू बॉर्डर खोलने का मुद्दा उठाने के बाद शाम को जालंधर के उद्योगपतियों ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के समक्ष यह मुद्दा उठाया। मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर हुई बैठक में उद्योगपतियों ने शंभू बॉर्डर बंद होने की वजह से उद्योग व व्यापार पर होने वाले असर का मुद्दा उठाया। इस दौरान उद्योगपतियों ने मुख्यमंत्री को मांगपत्र सौंपा। उद्योगपतियों ने कहा कि पंजाब भौगोलिक रूप से जमीनी सीमाओं से जुड़ा राज्य है और किसान आंदोलन के कारण शंभू बॉर्डर पर यातायात ठप्प होने से व्यापरिक गतिविधियां बहुत प्रभावित हो रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने इस मार्ग से यातायात खोलने के लिए मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप की मांग की ताकि व्यापार सुचारू रूप से चल सके। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उद्योगपतियों को पेश आ रही सभी समस्याओं का समाधान करके उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

बीजेपी ने बागियों पर लिया बड़ा एक्शन, चुनाव से पहले 78 नेताओं को पार्टी से निकाला

गुरुग्राम, 26 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में निकाय चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने बड़ा एक्शन लेते हुए 78 नेताओं को पार्टी से निकाल दिया है। पार्टी ने जिन नेताओं के खिलाफ एक्शन लिया है उनमें गुरुग्राम के पूर्व मेयर विमल यादव और पूर्व डिप्टी मेयर परमिंदर कटारिया भी शामिल हैं। बता दें कि हरियाणा निकाय चुनाव के लिए पहले चरण की वोटिंग 2 मार्च को होगी। भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा निकाय चुनाव से पहले ही बागी नेताओं पर नकेल कसनी शुरू कर दी है। पार्टी ने 78 कार्यकर्ताओं को 6 साल के लिए पार्टी से निकाल दिया है। जो नेता और कार्यकर्ता पार्टी से निकाले गए हैं, उनमें गुरुग्राम नगर निगम के 44, मानेसर नगर निगर के 33 और पटौदी का एक नेता शामिल है। इन नेताओं ने से कुछ तो पार्टी की ओर से टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। काफी विचार और विमर्श के बाद इन नेताओं को 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित करने का फैसला लिया गया। पार्टी की ओर से यह बताया गया कि पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते निष्कासन की यह कार्रवाई की गई है। इन नेताओं की प्राथमिक सदस्यता को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है। इस कार्रवाई का उद्देश्य संगठन में अनुशासन बनाए रखना और चुनाव से पहले एकता का संदेश देना है।

नेपाली छात्रा आत्महत्या मामले में केआईआईटी के चार और अधिकारी तलब

पूछताछ के लिए 27 फरवरी को बुलाया

भुवनेश्वर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बीटेक की 20 वर्षीय नेपाली छात्रा प्रकृति लम्साल की कथित आत्महत्या और उसके बाद परिसर में हुई अशांति की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। ओडिशा सरकार ने मामले की जांच कर रही उच्च स्तरीय समिति के समक्ष गवाही देने के लिए कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान (केआईआईटी) के चार और अधिकारियों को तलब किया है। उच्च शिक्षा विभाग ने केआईआईटी के चीफ प्रॉक्टर पीके पटनायक, निदेशक संहिता मिश्रा, आंतरिक समिति की प्रमुख इप्सिता सत्पथी और सहायक निदेशक स्मारिका पति को तलब किया है। अलग-अलग अधिसूचनाओं में कहा गया कि उन्हें 27 फरवरी को अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) सत्यब्रत साहू की अध्यक्षता वाली समिति के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है। इससे पहले 21 फरवरी को केआईआईटी के संस्थापक अच्युत सामंत और विश्वविद्यालय के सात अन्य शीर्ष अधिकारी समिति के सामने पेश हुए थे। उन्होंने अपने बयान दर्ज कराए थे। राज्य सरकार ने 18 फरवरी को यह उच्च स्तरीय समिति गठित की थी।

दरअसल, विश्वविद्यालय में 16 फरवरी को छात्रा का शव छात्रावास के कमरे में लटका मिलने के बाद से अशांति का माहौल है। इस घटना को लेकर जब नेपाल के छात्रों ने विरोध किया, तो कथित तौर पर उनकी पिटाई की गई और उन्हें जबरन छात्रावास से बाहर निकाल दिया गया। केआईआईटी में अशांति रविवार दोपहर को नेपाल की 20 वर्षीय छात्रा प्रकृति लामसाल की कथित आत्महत्या के बाद शुरू हुई थी। इसके बाद नेपाली छात्रों ने घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और न्याय की मांग की थी।

इंश्योरेंस के नाम पर बड़ा स्कैम, सीबीआई की अदालत ने पांच लोगों को भेजा जेल, 5 करोड़ का जुर्माना

अहमदाबाद, 26 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने अहमदाबाद में एक बड़े इंश्योरेंस घोटाले में पांच आरोपियों को दोषी करार देते हुए 5 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा, अदालत ने इन पर कुल 5.91 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया है, जिसमें से 5.52 करोड़ रुपये दो निजी कंपनियों पर लगाए गए हैं।

क्या था घोटाला?

सीबीआई ने 6 फरवरी 2012 को इस मामले में केस दर्ज किया था। जांच में पता चला कि मधुसूदन बी पटेल ने मार्च 2007 से नवंबर 2010 के बीच अहमदाबाद स्थित यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी (यूआईआईसीएल) के डिविजनल ऑफिस-06 में रहते हुए, गुजरात सरकार के गुजरात इंश्योरेंस फंड (जीआईएफ) के लिए गुप्त तरीके से ग्रुप जनता पर्सनल एक्सीडेंट पॉलिसी जारी की थी।

यूजर-आईडी और पासवर्ड का गलत इस्तेमाल किया है

इन पॉलिसी को जारी करते समय पटेल ने अपने यूजर-आईडी और पासवर्ड का गलत इस्तेमाल किया और दो निजी ब्रोकर्स- आइवरी इंश्योरेंस ब्रोकर्स और सेफवे इंश्योरेंस ब्रोकर्स के नाम पर पॉलिसी रजिस्टर कर दी, जबकि गुजरात इंश्योरेंस फंड (जीआईएफ) ने इन ब्रोकर्स को कोई अधिकृत आदेश (मैंडेट) नहीं दिया था। इस धांधली की वजह से 2.69 करोड़ रुपये की गलत तरीके से ब्रोकरेज भुगतान हुआ, जिससे सरकारी इंश्योरेंस कंपनी यूआईआईसीएल को भारी नुकसान हुआ और निजी कंपनियों को अनुचित लाभ मिला।

सीबीआई की कार्रवाई और कोर्ट का फैसला

सीबीआई ने 7 दिसंबर 2012 को आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान 20 गवाहों के बयान दर्ज किए गए और 61 दस्तावेजों को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने सभी सबूतों को देखने के बाद आरोपियों को दोषी माना और 5 साल की कठोर सजा सुनाई। साथ ही 5.91 करोड़ रुपये का कुल जुर्माना भी लगाया।

क्या है यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी?

यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी (यूआईआईसीएल) एक सरकारी बीमा कंपनी है, जो 1972 में राष्ट्रीयकरण के बाद बनी थी। यह कंपनी भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अधीन काम करती है और देशभर में लाखों पॉलिसीधारकों को बीमा सेवाएं देती है। सरकारी कंपनियों में घोटालों से जनता की गाढ़ी कमाई का नुकसान होता है, इसलिए सीबीआई और अन्य एजेंसियां ऐसे मामलों की जांच करके दोषियों को सजा दिलाने का काम करती हैं।

कैलाश विजयवर्गीय कहां जा रहे हैं?

अमित शाह के फोन मिलाते ही दौड़े आए मंत्री; एमपी में हलचल

भोपाल, 26 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में दो दिनों तक चले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के समापन समारोह में शामिल होने पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कार्यक्रम खत्म होने के बाद इंदौर के लिए रवाना हुए। सूत्रों के मुताबिक इस दौरान उन्होंने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बारे में पूछा, तब उन्हें बताया गया कैलाश विजयवर्गीय इंदौर निकल चुके हैं। इसके बाद अमित शाह का कॉल कैलाश विजयवर्गीय के पास पहुंचा तब तक कैलाश भोपाल से काफी दूर निकल चुके थे। लेकिन अमित शाह का कॉल आने के तत्काल बाद वह वापस स्टेट हैंगर लौटे। इस दौरान उनकी अमित शाह से शॉर्ट मीटिंग भी हुई। बताया जा रहा है अमित शाह ने केंद्रीय राजनीति में उनसे मुलाकात कर नाराजगी की तमाम अटकलों को भी खारिज किया है और संदेश देने की कोशिश भी की है।

20 मिनट तक बंद कमरे में हुई बैठक

बताया जा रहा है कि जब अमित शाह ने फोन किया तो उस समय विजयवर्गीय पार्टी कार्यकर्ताओं की शादी में शामिल होने और महाकाल मंदिर में महाशिवरात्रि उत्सव में भाग लेने के लिए उज्जैन की तरफ जा रहे थे। वह भोपाल के आउटर इलाके में पहुंच चुके थे लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री का फोन आने पर उन्होंने अपने ड्राइवर को वापस स्टेट हैंगर की ओर जाने का आदेश दिया। सूत्रों के मुताबिक, यहां पहुंचने के बाद दोनों नेताओं के बीच करीब 20 मिनट तक बंद कमरे में बैठक हुई।

अमित शाह के फोन से राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा

बता दें कि अमित शाह की एक कॉल और अचानक से हुई इस मुलाकात ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा शुरू कर दी है। सूत्र बता रहे हैं कि शाह ने खुद विजयवर्गीय को स्पेशली फोन कॉल किया, जिसके बाद उन्होंने अपनी कार वापसी दिशा में दौड़ा दी और यह मीटिंग हुई। इसके बाद चर्चा शुरू हो गई कि जीआईएस खत्म होने के बाद मध्य प्रदेश में क्या कोई अगला बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम होने वाला है।

मणिपुर में 7 जिलों के लोगों ने हथियार सरेंडर किए

87 तरह के बंदूक और गोला-बारूद पुलिस को सौंपे; मैतेई ग्रुप से मिले राज्यपाल भल्ला

इंफाल, 26 फरवरी (एजेंसियां)। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद से ही हथियारों का सरेंडर जारी है। बुधवार को पुलिस ने बताया कि 87 तरह के हथियार, गोला-बारूद और अलग-अलग सामान लोग स्वेच्छा से सरेंडर कर रहे हैं। इंफाल ईस्ट, विष्णुपुर, थौबल, कांगपोकपी, जिरीबाम, चुराचांदपुर और इंफाल वेस्ट जिलों में हथियार सरेंडर किए गए हैं। इधर, राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने मैतेई सशस्त्र समूह अरामबाई तेंगोल के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की है। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने कहा- राज्यपाल ने उन्हें राज्य में शांति और स्थिति को सामान्य करने के लिए मदद को कहा है। हथियारों के सरेंडर को लेकर कुछ शर्तों पर चर्चा हुई है। मणिपुर में 13 फरवरी को केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति शासन लगाया।

यह फैसला मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के 4 दिन बाद लिया गया। सिंह ने 9 फरवरी को गवर्नर को इस्तीफा सौंपा था। राज्य में 21 महीने (3 मई 2023) से जारी जातीय हिंसा के चलते 300 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं।

9 फरवरी को सीएम एन बीरेन ने इस्तीफा दिया था

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को अपना इस्तीफा गवर्नर को सौंपा था। गवर्नर अजय कुमार भल्ला ने इस्तीफा स्वीकार किया। बीरेन सिंह पर राज्य में 21 महीने से जारी हिंसा के चलते काफी दबाव था। विपक्षी पार्टियां भी लगातार एनडीए से इस मुद्दे पर सवाल पूछ रही थीं। इस्तीफे का फैसला लेने से पहले बीरेन सिंह ने रविवार सुबह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की थी।

लीक ऑडियो क्लिप में सीएम पर हिंसा भड़काने का आरोप लगा था 3 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा पर सुनवाई की थी। कुकी ऑर्गेनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट (कोहूर) की तरफ से कोर्ट में याचिका दाखिल करके कुछ ऑडियो क्लिप्स की जांच की मांग की थी।

दावा किया गया था कि ऑडियो में सीएम कथित तौर पर कह रहे हैं कि उन्होंने मैतियों को हिंसा भड़काने की अनुमति दी और उन्हें बचाया। याचिकाकर्ताओं के वकील प्रशांत भूषण ने कहा- जो टेप सामने आए हैं, वे बहुत गंभीर हैं। इस पर सीजेआई संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार की बेंच ने मणिपुर सरकार से कहा कि सुनिश्चित करिए कि ये एक और मुद्दा न बने। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लैब (सीएफएसएल) से सीलबंद लिफाफे में 6 हफ्ते में रिपोर्ट मांगी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र
"कठिन परिश्रम करना बहुत जरुरी है, लेकिन उससे भी, अधिक महत्वपूर्ण है खुद पर विश्वास करना!"

बायोएशिया 2025: एक ऐतिहासिक सफलता : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एचआईसीसी , हैदराबाद में बायोएशिया 2025 समापन हो गया। इस समारोह और स्टार्टअप अवॉर्ड्स में आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि बायोएशिया 2025: एक ऐतिहासिक सफलता है। बायोएशिया 2025 ने हमारी सभी उम्मीदों को पार कर दिया है, यह सम्मेलन अब तक के इतिहास में एक नया मील का पत्थर साबित हुआ है। इस जबरदस्त प्रतिक्रिया ने वैश्विक जीवन विज्ञान और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में तेलंगाना की बढ़ती भूमिका को और मजबूत किया है। इस वर्ष के शिखर सम्मेलन में दुनिया भर से 4,000 से अधिक प्रमुख नेता शामिल हुए, जिनमें शीर्ष फार्मा और हेल्थकेयर उद्योग के दिग्गज, नीति निर्माता और नवप्रवर्तक शामिल थे।इस सम्मेलन में 100 से अधिक अग्रणी विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य और फार्मा क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा की और समाधान प्रस्तुत किए। 200+ बी2बी (बिजनेस-टू-बिजनेस) मीटिंग्स के साथ, इस वर्ष के आयोजन ने रिकॉर्ड निवेश आकर्षित किया।

विशेष रूप से, अमेरिकी बायोटेक कंपनी एमजेन ने तेलंगाना में एक महत्वपूर्ण निवेश किया है, जिससे 3,000 नए रोजगार सृजित होंगे। यह राज्य को जीवन विज्ञान के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस वर्ष, युवा नवप्रवर्तकों की अभूतपूर्व भागीदारी देखने को मिली, जिन्होंने अपने विचारों के माध्यम से हेल्थकेयर और बायोटेक क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता दिखाई। कुल 84 स्टार्टअप्स ने अपने नवाचारों का प्रदर्शन किया, जो वैश्विक चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का लक्ष्य विश्व स्तरीय प्रतिभा केंद्र बनना है। इसके लिए हम स्किलिंग, अपस्किलिंग और री-स्किलिंग पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। इसी दिशा में, हमने "सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट्री" में एक विशेष कोर्स शुरू किया है, जिसे चार प्रमुख उद्योगों के सहयोग से विकसित किया गया है।पहले बैच के 140 छात्रों ने सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, जिनमें 82 छात्राएं शामिल हैं।

28 को होने वाले बीसी गोलमेज सम्मेलन को सफल बनाएं - धनंजय

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पिछड़ा वर्ग अधिकार साधना समिति के राज्य महासचिव धुलिपला धनंजय नायडू ने आज पिछड़े वर्ग के लोगों से 28 फरवरी को होने वाले बीसी गोलमेज सम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया। हैदराबाद में सीपीआई के राज्य पार्टी मुख्यालय मकदूम भवन में राज्य सहायक सचिव चिंताकिंडी कुमारस्वामी और कडियाला सुरेश के साथ मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि शहर के हिमायतनगर स्थित राज बहादुर गौड़ हॉल में जाति जनगणना के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए गोलमेज बैठक बुलाई गई है। साथ ही देश की आगामी जनगणना, विधानसभाओं में विभिन्न समुदायों को उनकी आबादी के अनुपात में दिए जाने वाले हिस्से और शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में हिस्सेदारी पर भी चर्चा की जाएगी। उन्होंने रेवंत रेड्डी सरकार द्वारा की गई जाति जनगणना में हिस्सा न लेने वाले 3.17 लोगों से इसमें हिस्सा लेने का आग्रह किया और कहा कि सर्वेक्षण की अंतिम तिथि 28 फरवरी है, साथ ही उन्होंने कहा कि इससे उन्हें स्थानीय निकायों में आरक्षण और शैक्षणिक नौकरियों के अवसरों की मांग करने में मदद मिलेगी, जैसा कि रेवंत रेड्डी सरकार ने कहा है। उन्होंने मांग की कि अगर केंद्र को प्रस्ताव भेजा जाता है तो केंद्र सरकार को तुरंत मंजूरी देनी चाहिए और केंद्र सरकार को आम जनगणना के साथ-साथ जाति जनगणना भी तुरंत करनी चाहिए।

टीपीसीसी की बैठक कल

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी की वृहद स्तरीय कार्यकारिणी बैठक 28 फरवरी को होगी। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने आदेश दिया है कि नई एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन की पहली तेलंगाना यात्रा के दौरान शांतिपूर्ण बैठक होगी। कार्यकर्ताओं से कहा गया है कि मीनाक्षी नटराजन के लिए स्वागत मेहराब, फ्लेक्सी, गुलदस्ते, शॉल की व्यवस्था कोई न करे। सिर्फ नियमित बैठक होगी।

रियूज़ेबल स्मार्ट एआई-बेस्ड नोटबुक बनी रही चर्चा का विषय

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। क्वाड्रिक आईटी ने बायोएशिया 2025 में एआई-संचालित सतत नवाचारों का अनावरण किया। क्वाड्रिक आईटी, एआई-आधारित और सतत तकनीकी समाधानों में अग्रणी, बायोएशिया में अपनी क्रांतिकारी नवाचारों की श्रृंखला के साथ सुर्खियां बटोर रहा है। इनमें से सबसे खास है रियूज़ेबल स्मार्ट एआई-बेस्ड नोटबुक, जिसे सुमन बालाबोम्मु, केसरी सबनीवेसु और रघु राम थटावरती ने सह-आविष्कृत किया है। इस अवसर पर आईटी मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि यह नोटबुक हमारे नोट्स लेने के तरीके को बदलने के साथ-साथ पर्यावरण की भी सुरक्षा करेगी। यह एआई-संचालित पुनः उपयोग योग्य नोटबुक पारंपरिक नोटबुक की तरह काम करती है लेकिन प्रत्येक पृष्ठ को 100 बार पुनः उपयोग किया जा सकता है। हस्तलिखित सामग्री को ऐप के माध्यम से डिजिटल स्वरूप में बदला जा सकता है, जो क्लाउड स्टोरेज और एआई-जनित त्वरित ज्ञान पुनर्प्राप्ति जैसी सुविधाएँ प्रदान

करता है। उपयोगकर्ता बस एक गीले कपड़े या टिशू से पृष्ठों को पोंछकर फिर से उपयोग कर सकते हैं, जिससे कागज की खपत में भारी कमी आएगी। क्वाड्रिक आईटी के सह-संस्थापक केसरी सबनीवेसु ने कहा कि "हमारा लक्ष्य स्थिरता को एआई-संचालित दक्षता के साथ जोड़ना है, ताकि व्यवसायों और व्यक्तियों को अपशिष्ट कम करने और उत्पादकता बढ़ाने में सहायता मिले," रियूज़ेबल स्मार्ट नोटबुक के अलावा, क्वाड्रिक आईटी बायो और फार्मा उद्योगों के लिए एआई और डेटा-आधारित समाधान प्रस्तुत कर रहा है। ये नवाचार संचालन को सुव्यवस्थित करने, निर्णय लेने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने और हरित भविष्य में योगदान देने के उद्देश्य से विकसित किए गए हैं। क्वाड्रिक आईटी के इन नवाचारों ने बायोएशिया में महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया है। टीएस आरटीसी एमडी वीसी सज्जनार और तेलंगाना पर्यटन के एमडी प्रकाश रेड्डी ने क्वाड्रिक आईटी के स्टॉल का दौरा किया, इन नवाचारों की सराहना की और अपनी टीमों को इनके संभावित कार्यान्वयन का मूल्यांकन करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने भी इन समाधानों में रुचि दिखाई है और इन्हें अपने मंत्रालय में अपनाने पर विचार कर रहे हैं।

बाल तस्करी जांच के मामले में राचकोंडा पुलिस गुजरात में

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस की एक विशेष टीम बाल तस्करी मामले की जांच के सिलसिले में गुजरात गई है। पुलिस मुख्य आरोपी वंदना और उसके गिरोह का पता लगा रही है, जो कथित तौर पर गुजरात से नवजात शिशुओं की तस्करी करके उन्हें हैदराबाद में बेचने में शामिल थे।

अधिकारियों के अनुसार, राचकोंडा पुलिस ने इस मामले के सिलसिले में पहले ही 11 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिन लोगों पर आरोप लगे हैं, उनमें चार जोड़े भी शामिल हैं, जिन्होंने गिरोह से बच्चे खरीदे थे। जांचकर्ता अब गुजरात में अपनी जांच तेज कर रहे हैं ताकि और सबूत जुटाए जा सकें और अन्य संदिग्धों को पकड़ा जा सके।

शिव मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भगवान शिव की पूजा करने और शिवरात्रि मनाने के लिए बुधवार की सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। भोर से ही, अपने पारंपरिक परिधानों में सजे परिवार अपने नजदीकी मंदिरों में जाने की तैयारी करने लगे, जो इस अवसर पर सजे हुए थे। हैदराबाद और आसपास के प्रमुख मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ने लगे हैं। केसरगुट्टा में स्थित प्रसिद्ध रामलिंगेश्वर मंदिर में व्यापक व्यवस्था की गई है , जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। इस बीच, विक्रेताओं ने फल, बेल के पत्ते, फूल आदि की जमकर बिक्री की। विभिन्न आवासीय कल्याण संघों, कॉलोनी कल्याण संगठनों और युवा क्लबों ने जागरण के दौरान रात भर धार्मिक प्रवचन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की योजना बनाई।

पूर्व विशेष अधिकारी लक्ष्मैया को किया गया सम्मानित

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुद्धवनम के पूर्व विशेष अधिकारी मल्लेपल्ली लक्ष्मैया को 24 और 25 फरवरी को नागपुर के डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन 2025 में सम्मानित किया गया। उन्हें तेलंगाना में नागार्जुन सागर के पास 273 एकड़ के बौद्ध विरासत स्थल बुद्धवनम के विकास में उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

उन्हें बौद्ध विरासत और पर्यटन विकास में उनके योगदान के लिए भी सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार भंते मोक्खाचारा (इंडोनेशिया) और अमन कांबले द्वारा प्रदान किया गया। दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन नागपुर बौद्ध संघ द्वारा किया गया था, जो बौद्ध पर्यटन, संस्कृति, कला और साहित्य पर केंद्रित है। भिक्खुनी अय्या सिट्टा (ऑस्ट्रेलिया), भिक्खुनी शाक्य धम्मदीना और आईआरएस अनिल रामटेके सहित प्रमुख वक्ताओं ने बौद्ध शिक्षाओं और करियर विकास पर अंतर्दृष्टि साझा की।

श्री धर्मसाई गौशाला
धर्मगिरी, शमशाबाद, आरआर डिस्ट्रीक तेलंगाना-501218
सस्नेह निमंत्रण
दर्श अमावस्या
आज गुरुवार, 27 फरवरी 2025 को फाल्गुन अमावस्या है।
गौ माता पूजन : सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर गौ सेवा, दान पुण्य के भागीधार बने
C/o Sree Dharmasai Temple, Dharmagiri, Shashabad
SRI DHARMASAI GOW RAKSHA TRUST
A/c no-922020006836112
AXIS BANK, Shamshabad branch
IFSC code-UTIB0000867
Paytm,GOOGLE PAY, Phone pe:-
9440828585
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा

आज गुरुवार, 27 फरवरी 2025 को
फाल्गुन अमावस्या
के अवसर पर गौशाला अवश्य पधारें
नारायणी गो सेवा सदन
रोड नं. 17, शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, हैदराबाद
सम्पर्क सूत्र : 9581348889, 9246522435, 9490929321
आज पितृ मोक्ष अमावस्याहै अपने पितरो के मोक्ष के लिए गौशाला अवश्य पधारे।
गो ग्रास का अनुदान कर पुण्य के भागीदार बने। अनुदान भेजने हेतु गौशाला एकाउंट विवरण Bank account detail:
NARAYANI GOW SEVA SADAN,
A/C No. 50200065063209,
for RTGS/ NEFT IFSC CODE HDFC 0001996,
TYPE OF ACCOUNT: CURRENT ACCOUNT, HYDERGUDA BRANCH, HYD. Gpay and Phonepe No. 9581348889
JAI GOMATA Address: Narayani gow seva sadan, street No 17, shalivahana nagar, dilsukh nagar Hyd.
गौ माता के दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण कर पुण्य के भागीदार बनें।
सभी गौभक्त सपरिवार पधारकर, दान-पुण्यकर गौसेवा का लाभ लेवें।
निवेदक : नारायणी गो सेवा सदन
शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, मलकपेट, हैदराबाद
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

निवेदक : कार्य समिति
ॐ शिव मंदिर गौशाला
पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP URBAN BANK LTD.
Shamsherguni Branch
C/A No. 003103000000072
IFSC CODE: HDFC0CMCUBL
शिव मंदिर गौशाला
शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP URBAN BANK LTD.
Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617
IFSC CODE: APMC00002
गौमाता को हरी घास की सेवा कर पुण्य के भागी बने।
आज गुरुवार, 27 फरवरी 2025 को फाल्गुन अमावस्या है।
जो पुरुष गौओं की सेवा करता है और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौएँ उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गौओंके साथ मन से भी कभी द्वेष न करें, उन्हें सदा सुख पहुँचाये, उनका यथोचित सत्कार करें और नमस्कार आदि के द्वारा उनका पूजन करते रहे। जो मनुष्य जितेन्द्रिय और प्रसन्नचित होकर नित्य गौओंकी सेवा करता है, वह समृद्धि का भागी होता है।
Digital Donation are accepted on G Pay Google Pay/ PhonePe Phone Pay 9959271866
FOR MORE DETAILS CONTACTS 9848710223, 9848097776, 9247888983, 7989734546
गाय का दूध गौशाला में उपलब्ध है। Home Delivery Available
गाय के गोबर से निर्मित उपली गौशाला में उपलब्ध है।
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

।। जय गौ माता।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग, जियागुडा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
समर्थ नारायण महाराज
आज गुरुवार, 27 फरवरी 2025 को फाल्गुन अमावस्या है।
"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
Online गौ सेवा के लिये
(For Income Tax Exemptions u/s 80g)
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST
SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
आज गुरुवार 27 फरवरी 2025 प्रातः 11 बजे से
फाल्गुन (दर्श) अमावस्या
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद
गौ-माता पूजन * भजन * भोजन प्रसादी
सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रेमियों, गौ-भक्तों से विनती है कि वे दान-पुण्य का कार्य गूगल-पे/फोन-पे द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पधारें।
दूरभाष : 6305431734, 9346917593
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429
HDFC Bank, Kanajiguda Branch

आज गुरूवार दि. 27 फरवरी 2025 अमावस्या है
चलिये : सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास गगनपहाड
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौसेवा केन्द्र, बुर्जुगड्डा, शमशाबाद
एक ही प्रांगण में अनेक नस्ल जैसे
गिर, साहीवाल, ऑंगोल, हालीकर, पोंगनूर, कांकरेज, लालसिंधी तथा महाराष्ट्रा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु एवं मध्यप्रदेश की प्यारी-प्यारी गौवंश के दर्शन कर सेवा का लाभ लीजिये।
सत्यम् शिवम् सुंदरम् गौ निवास
SATYAM SHIVAM SUNDARAM GAUNIVAS
Gagan Pahad, Rajiv Gandhi International Airport Road, R.R. Dist, Hyderabad - 500 052,
Cell : 99853 85399, 99894 03635, 94404 37618, 99121 42260 , 92465 22435, 93472 11966, 94412 10591, 94414 22085
Estd. 2001 Regd. 664/2010
BANKERS
BANK OF BARODA, NALLAKUNTA BRANCH, HYD.
A/C. : 75450200001071 IFSC CODE : BARB0VJNAKU
TO AVAIL 80G KINDLY DONATE IN
AKSHYA PASHU PAKSHI TRUST CANARA BANK
Basheerbagh Branch, A/c: 0878132000033
IFSC CODE : CNRB0000878
Scan & Pay

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज गुरुवार, 27 फरवरी 2025 को फाल्गुन अमावस्या है।
प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा हेतु 21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवे।
अन्य सेवा : एक कट्टा घास का प्रति दिन एक माह तक 500/-
एक गाय की मासिक सेवा 1100/-
गुड़ - दलिया या चुन्नि भूसा एक दिन की सेवा 3100/-
एक DCM गाडी घास या एक समय की संपूर्ण गौवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH,
S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राकुराम सेवटा - 8019106318, रमेश कावरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण

फिरोजाबाद में नशे की हालत में परीक्षा देने पहुंची 12वीं की छात्राएं विद्यालय प्रशासन हैरान

फिरोजाबाद, 26 फरवरी (एजेंसियां)। 24 फरवरी से उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो गई है। इन परीक्षाओं में फिरोजाबाद जनपद के 74000 से ज्यादा परीक्षार्थी परीक्षाएं दे रहे हैं। सोमवार से शुरू हुई परीक्षाओं में इंटरमीडिएट की द्वितीय पाली की परीक्षा में फिरोजाबाद के डीएवी इंटर कॉलेज में परीक्षा देने पहुंची 2 छात्राओं को देखकर कॉलेज के बाहर चेकिंग कर रहे पुलिस स्टाफ और विद्यालय प्रबंधन के होश उड़ गए। फिरोजाबाद के डीएवी इंटर कॉलेज कि यह दोनों छात्राएं शराब के नशे में परीक्षाएं देने पहुंची थी। कॉलेज के गेट पर परीक्षार्थियों की तलाशी कर रही महिला पुलिसकर्मियों ने जब छात्राओं की तलाशी ली तो उनके मुंह से शराब की दुर्गंध महसूस हुई। उसके बाद वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को छोड़ने आए युवकों और छात्राओं से पूछताछ शुरू कर दी।

पुलिस ने क्या बोला?

पुलिस के मुताबिक नशे की हालत में पहुंची छात्रों से जब पूछताछ की गई तो उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने दोस्तों के साथ पार्टी की है, किसी पार्टी में उन्होंने शराब का सेवन किया है। डीएवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य उपेन्द्रनाथ शर्मा ने बताया कि 24 फरवरी को द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट की हिंदी की परीक्षा थी, इसी परीक्षा को देने यह छात्राएं आई थी। दोनों ही छात्राएं नशे में थी

मोदी के 300 दिन मखाना खाने पर लालू ने ली चुटकी

बोले अगली बार आएंगे तो बिहारी भूंजा खाएंगे पीएम

पटना, 26 फरवरी (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भागलपुर दौरे और उनके मखाना खाने वाले बयान पर चुटकी ली है। पीएम मोदी ने सोमवार को भागलपुर में किसान सम्मान जनसभा को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने बताया था कि वे साल में कम से कम 300 दिन मखाना खाते हैं। लालू ने इसी बात पर तंज कसते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और पूछा कि अगली बार पीएम बिहार से जुड़ी और किन बातों का जिक्र करेंगे।

300 दिन खाते हैं मखाना

प्रधानमंत्री मोदी ने भागलपुर में किसानों को संबोधित करते हुए मखाना की खूब तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि मखाना उनके रोज के खाने का हिस्सा है और वे साल में 300 दिन तो मखाना जरूर खाते हैं। पीएम ने मखाना को सुपरफूड बताया और इसके वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की बात कही। प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद मखाना उत्पादकों में खुशी की लहर है। उन्हें उम्मीद है कि मखाना के व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

लालू यादव ने ली चुटकी

लालू यादव ने पीएम के इसी बयान पर चुटकी लेते हुए फेसबुक पर लिखा कि अबकी बार तो हमारे सवालों पर पीएम ने साल में 300 दिन ही मखाना खाने की बात कही उन्होंने आगे लिखा कि अगली बार 350 दिन 'बिहारी भूंजा' खाएंगे। 100 दिन भागलपुरी सिल्क पहनेंगे। छठ मैया का व्रत करेंगे। गंगा मैया में डुबकी लगायेंगे। जानकी मैया के मंदिर जाएंगे। बिहार से बचपन का रिश्ता स्थापित करेंगे। मधुबनी पेंटिंग्स का गमछा या कुर्ता पहनेंगे। भोजपुरी, मगही, अंगिका, बज्जिका, सुरजापुरी और मैथिली भाषा की 2-4 उधारी लाइनों से संबोधन की शुरुआत करेंगे। जननायक कर्पूरी ठाकुर, लोकनायक जयप्रकाश और अन्य महापुरुषों से संबंध बताएंगे।

उधार की ली गई लाइन

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में भागलपुर की स्थानीय भाषा अंगिका में भी कुछ शब्द कहे थे। लालू यादव ने इस पर भी निशाना साधा और इसे 'उधार की ली गई लाइन' कहा। उन्होंने इशारों-इशारों में कहा कि पीएम स्थानीय भाषा और संस्कृति से जुड़ने का दिखावा कर रहे हैं। पीएम मोदी ने अपने भाषण में 'जंगलराज' का भी जिक्र किया था, हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया था। माना जा रहा है कि यह इशारा लालू-राबड़ी के शासनकाल की ओर था। भागलपुर में पीएम के इस दौरे और उनके भाषण के बाद बिहार की राजनीति गरमा गई है। लालू यादव के इस तंज ने इस आग में घी डालने का काम किया है। अब देखना होगा कि इस पर बीजेपी की ओर से क्या प्रतिक्रिया आती है।

बिहार में नशा तस्करों की संपत्ति ईओयू से खंगलवाने की तैयारी, भागलपुर में गांजा के धंधे में मां-बेटियां भी शामिल

भागलपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के भागलपुर में नशे के सौदागर पुलिस की रडार पर हैं। शराब, गांजा, ब्राउन शुगर व अन्य मादक पदार्थों की तस्करी करके अकूत संपत्ति बनाने वाले तस्करों की संपत्ति की अब जांच की जाएगी। यह मामला अब इओयू के पास जा सकता है और उसके बाद भागलपुर में सक्रिय रहे इन तस्करों की मुश्किलें और बढ़ सकती है। पिछले दिनों भारी मात्रा में गांजा के खेप के साथ पकड़ायी महिला की भी संपत्ति की जांच होगी। जोगसर थाना क्षेत्र के दीपगर चौक स्थित विषहरी स्थान के समीप रहने वाली मीरा देवी को 8 फरवरी को भारी मात्रा में गांजा, कैश और बैंक खातों के पासबुक और अन्य दस्तावेजों के साथ गिरफ्तार किया गया था। 57 वर्षीय मीरा देवी की अपराध से अर्जित संपत्ति की जांच की जायेगी। जांच में यह खुलासा हुआ है

'बीजेपी को हराने का दम सिर्फ कांग्रेस में'

पप्पू यादव का बड़ा दावा, भाजपा छोटे दलों को निगल जाएगी

पूर्णिया, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने सासाराम के चितौली गांव में बीजेपी और उनके सहयोगी दलों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश में सिर्फ कांग्रेस ही बीजेपी को हरा सकती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक कांग्रेस की मौजूदगी है, और यही पार्टी बीजेपी की नीतियों को चुनौती देने में सक्षम है। चितौली गांव में एक दंगल प्रतियोगिता में शामिल होने पहुंचे पप्पू यादव ने कहा, कुछ राज्यों में नफरत फैलाकर बीजेपी ने सरकार बनाई है। कांग्रेस को अलग कर देने से देश की सुरक्षा कमजोर हो जाएगी। आज जो भी बीजेपी के साथ गया, वह खत्म हो गया। नवीन पटनायक, जगनमोहन रेड्डी, एकनाथ शिंदे, महबूबा मुफ्ती को बीजेपी ने राजनीतिक रूप से खत्म कर दिया। अब नीतीश कुमार की बारी है।

'जिनके मोदी पैर छूते हैं खत्म हो जाता है'

पप्पू यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भागलपुर की रैली में एक बार भी यह नहीं कहा कि बिहार में बीजेपी नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी, न ही उन्होंने नीतीश को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बताया। इससे साफ होता है कि बीजेपी ने नीतीश कुमार को भी राजनीतिक रूप से कमजोर करने की योजना बनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए पप्पू यादव ने कहा, जिसका भी पैर नरेंद्र मोदी छूते हैं, वह खत्म हो जाता है। इस संदर्भ में पप्पू यादव ने दिवंगत नेता बाला साहेब ठाकरे और बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी का उदाहरण दिया।

'छोटे दलों को निगल जाएगी'

इसके साथ ही पप्पू यादव ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि बीजेपी को बिहार और देश से कांग्रेस ही विलुप्त कर सकती है। इसलिए सबको कांग्रेस का साथ देना चाहिए। सहयोगी दलों को भी पूरे सम्मान के साथ कांग्रेस का सहयोग करना चाहिए। अन्यथा बीजेपी काम, क्रोध, मद, लोभ, साम, दाम, दंड, भेद के जरिए छोटे दलों को निगल जाएगी।

डीएम का कड़ा एक्शन: घरौनी में अनियमितता पर लेखपाल सस्पेंड

गोंडा, 26 फरवरी (एजेंसियां)। गोंडा डीएम नेहा शर्मा ने सदर तहसील के लेखपाल संतोष शर्मा को गंभीर अनियमितताओं के आरोप सिद्ध होने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। दरअसल सदर तहसील के गांव बादोपुर दिखलौल में घरौनी प्रपत्र तैयार करने में की गई गड़बड़ी की पुष्टि के बाद यह कार्रवाई की गई है। इस गांव के रहने वाले राम सुहावन और अनिल कुमार ने शिकायत दर्ज कराई कि घरौनी प्रपत्र के सर्वेक्षण में लेखपाल द्वारा गंभीर अनियमितता बरती गई है। उनके अनुसार, भूखंड संख्या 81/2 पर उनका वास्तविक कब्जा है। लेकिन लेखपाल ने इस भूमि को किसी अन्य व्यक्ति के नाम दर्ज कर दिया। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने उप जिलाधिकारी (न्यायिक) अशोक कुमार गुप्ता को जांच का जिम्मा सौंपते हुए तीन दिन के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि निर्मित बाउंड्री वॉल के भीतर स्थित भूखंड 81/2 आवेदकों के स्वामित्व में है। और उन्हीं का कब्जा है। लेकिन लेखपाल संतोष शर्मा ने इस भूखंड को गलत तरीके से विपक्षी कुसुमा (पत्नी रामयज्ञ) के नाम दर्ज कर दिया। जिससे प्रशासनिक दस्तावेजों में भू-संबंधी अनियमितता उत्पन्न हो गई। रिपोर्ट में लेखपाल की गलती प्रमाणित होने के बाद, अपर उप जिलाधिकारी ने तत्काल प्रभाव से निलंबन का आदेश जारी किया। इस मामले की विस्तृत जांच के लिए नायब तहसीलदार धानेपुर को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

लॉरेंस के गुर्गा जीतू का एनकाउंटर

पैरोल पर बाहर आकर किया था व्यवसायी का मर्डर

मेरठ, 26 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट की लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे जीतू उर्फ जितेंद्र के साथ मुठभेड़ हुई। इस दौरान एसटीएफ ने बदमाश को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। जितेंद्र पर एक लाख का इनाम घोषित किया गया था। जितेंद्र को आजीवन कारावास की सजा मिली हुई थी। वह पैरोल पर जेल से बाहर आया था और फिर फरार हो गया था। पुलिस तब से ही उसकी तलाश कर रही थी। अब बुधवार, 26 फरवरी को यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट की बदमाशों के साथ थाना मुंडाली मेरठ क्षेत्र में मुठभेड़ हुई। इसमें एक बदमाश को गोली लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान जीतू की मौत हो गई। इसके बाद उसकी पहचान लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे जीतू उर्फ जितेंद्र के रूप में हुई, जो हरियाणा के झज्जर का रहने वाला था। जितेंद्र ने साल 2016 में झज्जर में डबल मर्डर की वारदात को अंजाम दिया था, जिसके बाद उसे आजीवन कारावास हो गई थी। इसी मुकदमे में वह 2023 में पैरोल पर जेल से बाहर आया था, लेकिन फिर जेल वापस जाने की बजाय फरार हो गया था। इसके बाद जितेंद्र ने साल 2023 में ही सुपारी लेकर गाजियाबाद के थाना टीला मोड़ में एक व्यवसायी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसी केस में उस पर एक लाख का इनाम घोषित किया गया था।

जीतू पर 8 आपराधिक मामले थे दर्ज

जेल में रहने के दौरान ही वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग के संपर्क में आया और फरार होने के बाद गैंग के सदस्यों के साथ काम करने लगा। जीतू पर एक दो नहीं बल्कि पूरे 8 आपराधिक मामले दर्ज थे। किसी मामले में उसे 5 साल तो किसी मामले में उसे 10 साल की सजा सुनाई गई थी। वहीं एक केस में उसे आजीवन कारावास की सजा मिली थी। इसके अलावा कई मामलों में वह वांछित भी था, लेकिन अब पुलिस से मुठभेड़ में मारा गया।

गड़ा धन मिलेगा, मां की तबीयत ठीक होगी तांत्रिक के कहने पर चेले ने दी 10 साल के बच्चे की बलि

रायबरेली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में 18 फरवरी को एक 10 साल के बच्चे की हत्या की खबर सामने आई। बच्चे का शव तालाब में मिला था, जिसके बाद बच्चे के पिता ने पुलिस में केस दर्ज कराया। बच्चे की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुष्टि की गई कि बच्चे की हत्या ही की गई है। अब पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने बच्चे की हत्या की। सलोन कोतवाली क्षेत्र के राजा का पुरवा मजरे समसपुर खालसा के रहने वाले राकेश कुमार ने अपने 10 साल के बच्चे सुधीर गौतम की हत्या की जानकारी पुलिस को दी थी। इसके बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुटी। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि बच्चे की हत्या एक गुरु-चेले ने की थी। युवक ने गड़े हुए धन को हासिल करने और अपनी मां की तबीयत ठीक करने के लालच में 10 साल के मासूम की बलि दे दी, जो बच्चे का दूर का रिश्तेदार है और सलोन कोतवाली क्षेत्र के मोहम्मदाबाद में रहने वाला है। अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा ने मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस मामले की छानबीन में जुटी और मोहम्मदाबाद के रहने वाले सुधीर के दूर के रिश्तेदार दिलबाग गौतम तक पहुंची और उसके साथ एक गुड्डू बाबा को भी गिरफ्तार किया। दोनों ने मिलकर बच्चे की बलि दी थी, जिनके पास से वारदात में इस्तेमाल हथियार भी बरामद किया गया।

जिले में चल रहे ईंट-भट्ठों पर हो सकती है बड़ी कार्रवाई, डीएम ने दिए जांच के निर्देश

बिजनौर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में संचालित ईंट भट्ठों की जांच के निर्देश डीएम जसजीत कौर ने जारी किए हैं। सभी ईंट भट्ठों की जांच के लिए कई विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही एक दिन में ही रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है। बिना शुल्क जमा कराए ही ईंट भट्ठों पर कार्रवाई के लिए भी निर्देश दिए हैं। डीएम के आदेश के बाद जनपद में संचालित ईंट भट्ठों की जांच शुरू कर दी गई है। जनपद में कुल 294 ईंट भट्ठे संचालित हैं। इस बाद ईंट भट्ठा सत्र 2024-25 (एक अक्टूबर 2024 से 30 सितंबर 2025 तक) शुरू हो गया है। नियमानुसार ईंट भट्ठों के संचालकों का शासन से प्राप्त रायल्टी समाधान योजना के तहत विनियमन शुल्क की धनराशि जमा करानी होती है। ईंट भट्ठा सत्र 2024-25 के विनियमन शुल्क की धनराशि जमा किए जाने के लिए भट्ठा स्वामियों द्वारा कार्यालय में संपर्क किया जा रहा है, लेकिन अभी भी लगभग 108 ईंट भट्ठा स्वामियों द्वारा विनियमन शुल्क राजकीय कोष में जमा नहीं किया है। इस संबंध में कई लोगों ने डीएम से शिकायत भी की है। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि जनपद के ईंट भट्ठा स्वामियों द्वारा विनियमन शुल्क की धनराशि जमा किए बिना ईंट भट्ठों का संचालन (ईंट पथेर व फुकाई) का कार्य किया जा रहा है। ऐसे में डीएम ने सभी ईंट भट्ठों की जांच कराने के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निर्देश जारी किए हैं। जांच की जिम्मेदारी संबंधित एसडीएम, समस्त असिस्टेंट कमिश्नर वाणिज्य कर, जिला पंचायत अधिकारी, खान अधिकारी व खान निरीक्षक को दी गई है।

बिना शुल्क जमा कराए संचालित हो रहे ईंट भट्ठों पर होगी कार्रवाई

संबंधित अधिकारी अपने में स्थापित ईंट भट्ठों का स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। साथ ही बिना शुल्क जमा कराए संचालित हो रहे ईंट भट्ठों को बंद कराने के लिए भी निर्देशित किया। इसके अलावा ईंट भट्ठा संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए आख्या संस्तुति सहित डीएम कार्यालय को उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देशित किया है।

जिला परिषद के घर पर ताबड़तोड फायरिंग, बाल-बाल बचे पति

मुजफ्फरपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के हथौड़ी थाना क्षेत्र में अहले सुबह जिला परिषद क्षेत्र संख्या 38 के जिला परिषद संजू देवी के घर पर दो बाइक सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इसमें जिप के पति अनीश शाही बाल बाल बच गए। इसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच की।

घटना को लेकर अनीश शाही ने पुलिस को बताया कि अहले सुबह करीब चार बजे उनके घर का कॉल बेल बजा। इसके बाद वह बालकोनी में निकले। वहां मुख्य गेट पर एक युवक हेलमेट लगाए खड़ा था और कुछ बात करने के लिए बुला रहा था। वह वहीं से बोलने को कहे तो बदमाश पास आने के लिए दवाब देने लगा। इस पर शक हुआ तो वह अंदर कमरे में जाने लगे। इसी बीच उसका एक अन्य साथी जो घात लगाकर दीवार के पीछे थे उसने बालकोनी की ओर उन्हें निशाना बनाकर गोली चला दी।

लाइसेंसी हथियार निकालने गए तो भाग निकला अपराधी

जिस पर वह चिल्लाते हुए घर के अंदर अपना लाइसेंसी हथियार निकालने गए तब तक दोनों भाग निकला। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस आई खोखा ढूंढा गया, लेकिन नहीं मिला। गोली चलने के कुछ साक्ष्य पुलिस को मिले हैं।

'जैसे आदमखोर होता है न, वैसे ही बीजेपी आरक्षण चोर है'

तेजस्वी यादव का विवादास्पद बयान

पटना, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव (2025) से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बीजेपी पर जमकर बोल रहे हैं। नौकरी और आरक्षण के मुद्दों पर वे भारतीय जनता पार्टी को घेरने में जुट गए हैं। तेजस्वी यादव ने बुधवार (26 फरवरी) को एक्स पर अपने एक कार्यक्रम का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि जैसे आदमखोर लोग होता है न वैसे ही बीजेपी आरक्षण चोर है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने एक्स पर लिखा कि, 17 महीनों के अल्प कार्यकाल में हमारे द्वारा जातिगत गणना के उपरांत दलितों-आदिवासियों और पिछड़ों-अतिपिछड़ों के लिए बढ़ाए गए 65% आरक्षण को बीजेपी-एनडीए की केंद्र सरकार ने संविधान की नौवीं अनुसूची में नहीं डाला और केस में फंसा दिया। आगे लिखा कि, हमारे द्वारा बिहार में की गई 35,000 से अधिक प्रक्रियाधीन नौकरियों में 65% आरक्षण के लागू नहीं होने से अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा-अतिपिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 16% आरक्षण का सीधा नुकसान हो रहा है, जिससे इन वर्गों के 50,000 से अधिक युवाओं को नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। सबको एकजुट होकर आरक्षण चोर बीजेपी -एनडीए को सबक सिखाना है।

चुनाव से पहले फुल एक्शन में तेजस्वी यादव

इस साल (2025) बिहार में विधानसभा का चुनाव होना है। इसको देखते हुए सभी पार्टियां एक्टिव मोड में उतर गईं हैं। इसी क्रम में तेजस्वी यादव भी फुल एक्शन में दिख रहे हैं। वे भी कई जिलों में जाकर कार्यकर्ताओं और लोगों से मिल रहे हैं। यह तय माना जा रहा है कि नौकरी, रोजगार और आरक्षण जैसे मुद्दों पर आरजेडी चुनाव में घेरने की तैयारी में जुट गई है। देखना होगा कि इस बार के चुनाव में आरजेडी का कैसा प्रदर्शन रहता है।

प्रतापगढ़: अयोध्या प्रयागराज नेशनल हाईवे पर हादसा, 4 लोगों की मौत, 3 घायल

प्रतापगढ़, 26 फरवरी (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ जिले में आज एक सड़क हादसे में 4 श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि 3 घायल हो गए। यह हादसा अयोध्या-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। हादसे में हताहत सभी श्रद्धालु बिहार, झारखंड और कोलकता से ताल्लुक रखते थे और सभी अयोध्या रामलला का दर्शन करने के बाद महाकुंभ प्रयागराज गंगा स्नान करने जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक यह हादसा देहात कोतवाली इलाके के राजगढ़ गांव के पास हुआ है। पुलिस ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घायलों को जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया जबकि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया और घटना की सूचना मृतक के परिजनों को भी पुलिस ने दिया है।

महिला कांग्रेसी नेता को ससुराल में मिली प्रताड़ना

बोलीं- बेटी के जन्म के बाद टॉर्चर कर रहे, वे कहते हैं हमें बेटा चाहिए, जेठ रखते हैं गलत नियत

कानपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। कानपुर में कांग्रेस पार्टी की एक युवा महिला नेता के साथ ससुराल में प्रताड़ना का मामला सामने आया है। महिला नेता का कहना है कि बेटी होने के बाद से ससुराल वाले लगातार टॉर्चर कर रहे हैं। वे कहते हैं हमे बेटी नहीं बेटा चाहिए। ऐतराज जताने पर उन्होंने हमारे साथ मारपीट की, जेठ ने बदनीयती से टच किया है। ससुराल वाले स्कॉर्पियो कार और अतिरिक्त दहेज की मांग करते हैं। इस मामले को लेकर दो दिन पूर्व कांग्रेसी नेता पुलिस कमिश्नर से मिली थी। जिसके बाद रेलबाजार थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस के मुताबिक मामले में जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह महिला नेता कानपुर विधानसभा का चुनाव भी लड़ी थीं। कानपुर ईस्ट जोन के थाना रेलबाजार निवासी युवा महिला कांग्रेसी नेता के मुताबिक 26 फरवरी 2019 में उनकी शादी जौनपुर में हुई थी। नेता के मुताबिक एनगेजमेंट, तिलक और शादी में 50 लाख रुपए खर्च हुए। इसके बाद ससुराल वालों ने 21 लाख रुपए की मांग की थी। वो भी पूरी कर दी गई थी। कांग्रेसी नेता के मुताबिक मामले में शादी के बाद कुछ समय तक सब ठीक चला उसके बाद ससुराल वालों ने अतिरिक्त दहेज में एक स्कॉर्पियो गाड़ी और नगद की मांग करना शुरू कर दिया। इसके लिए कांग्रेसी नेता को मानसिक और शारीरिक तौर पर यातनायें दी गई।

कांग्रेसी नेता के मुताबिक इसी दौरान उन्होंने एक बेटी को जन्म दिया। बेटी को जन्म देने पर भी उन्हें ताने मिले। सास-ससुर उस बच्ची को घंटों कमरे में बंद कर देते थे। नेता को ताना दिया गया कि पुत्री को क्यों जन्म दिया। पुत्री हमारे यहां औलाद नहीं होती पुत्र होता है। हमारा वंश कैसे आगे बढ़ेगा। कांग्रेसी नेता के मुताबिक इसी तरह ससुराल वालों ने सन 2019 में उन्हें विधानसभा चुनाव लड़वा दिया और वो हार गई। इसके बाद से ससुराल वाले और चिढ़ गए और उन्हें प्रताड़ित करने लगे। कांग्रेसी नेता के मुताबिक जेठ ने पहले दो बार शादी की थी दोनों बार उनका तलाक हो गया। दूसरी पत्नी ने जौनपुर के लाइन बाजार थाने में ससुराल वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कांग्रेसी नेता के मुताबिक जेठ शराब और गांजे के लती है। नेता ने कहा कि जब वह घर में अकेले रहती थी तो जेठ ने बदनीयती से कमरे में आने का प्रयास किया था। नेता को गंदी दृष्टि से देखते थे। नेता के मुताबिक जब उन्होंने पति से शिकायत की तो उसने व अन्य लोगों ने नेता के चरित्र पर ही सवाल उठा दिया।

कांग्रेसी नेता के मुताबिक अभी भी पति के साथ रहना चाहती हैं मगर पति उन्हें रखना नहीं चाहता। उन्होंने बताया कि पति ने जौनपुर फैमिली कोर्ट में तलाक का मुकदमा दायर कर दिया है। दो बार पति ने कांग्रेसी नेता को लखनऊ के होटलों में बुलाकर जबरन तलाक के कागजात पर हस्ताक्षर कराने का भी प्रयास किया था। रेलबाजार इंस्पेक्टर बहादुर सिंह के मुताबिक मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फ्रांस की कंपनी ने एमएमआरडीए पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने दिए जांच के आदेश

मुंबई, 26 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शहरी विकास विभाग के एक शीर्ष अधिकारी से मुंबई में मेट्रो परियोजनाओं के संबंध में फ्रांसीसी कंपनी सिस्ट्रा के रिश्वतखोरी के आरोपों की जांच करने को कहा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कंपनी के अधिकारियों और मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के अधिकारियों का पक्ष सुनने के बाद अतिरिक्त मुख्य सचिव (यूडी-1) असीम कुमार गुप्ता को मामले की जांच करने को कहा गया है। सूत्रों के अनुसार, वरिष्ठ अधिकारी को 15 दिन में रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया गया है। एकनाथ शिंदे शहरी विकास विभाग का प्रभार देखते हैं। यही विभाग राज्य सरकार के स्वामित्व वाली योजना और विकास एजेंसी एमएमआरडीए का कामकाज देखता है। सिस्ट्रा मुंबई में एमएमआरडीए की अनेक मेट्रो परियोजनाओं के लिए सामान्य परामर्शदाता के रूप में काम करती है। फ्रांसीसी कंपनी ने आरोप लगाया है कि एमएमआरडीए अधिकारियों ने अनुचित लाभ की मांग की। भुगतान में देरी की और ठेकेदारों को देने वाले ऑर्डर बढ़ाने के लिए कंपनी पर दबाव डाला और मनमाने जुर्माने लगाए। एमएमआरडीए ने आरोपों का पुरजोर खंडन किया है।

सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड में उज्ज्वल निकम विशेष लोक अभियोजक नियुक्त, सरकार का फैसला

मुंबई, 26 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में उज्ज्वल निकम को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया है। इस संबंध में आधिकारिक आदेश भी जारी किया गया है। देशमुख के परिवार के सदस्यों ने भी ऐसी ही मांग की थी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य सरकार ने संतोष देशमुख हत्याकांड में वरिष्ठ वकील उज्ज्वल निकम को विशेष लोक अभियोजक और अधिवक्ता बालासाहेब कोल्हे को सहायक विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया है। निकम ने 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट और 26/11 आतंकी हमले जैसे कुछ हाई-प्रोफाइल मामलों में विशेष लोक अभियोजक के रूप में काम किया था। दरअसल, 9 दिसंबर 2024 को संतोष देशमुख का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी गई थी। उन्होंने बीड में एक ऊर्जा कंपनी से की जा रही जबरन वसूली को रोकने की कोशिश की थी, जिसके कारण उनकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस हत्याकांड में अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी कृष्णा अंधाले अब भी फरार है।

खुलेआम घूम रहे वाल्मीक कराड के सहयोगीः धनंजय देशमुख

मामले में संतोष के भाई धनंजय देशमुख ने आरोप लगाया कि वाल्मीक कराड और अन्य आरोपियों की मदद करने वाले लोग बेखौफ घूम रहे हैं। धनंजय देशमुख का कहना है कि महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी कराड की एक 'बी टीम' बीड़ में अब भी सक्रिय है और उनकी मदद कर रही है। वाल्मीक कराड को जबरन वसूली के एक अन्य मामले में गिरफ्तार किया गया था और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। मामले में धनंजय देशमुख ने आरोप लगाया कि बालाजी तांडले, संजय केदार और वैबसे ने कराड और अन्य आरोपियों की मदद की थी। उन्होंने कहा, 'जब भी मेरे भाई की हत्या के आरोपियों को कोर्ट में लाया जाता है, ये लोग वहां मौजूद रहते हैं। ये कराड की 'बी टीम' है।'

'पुलिस और जांच एजेंसियों को दिए लिखित आवेदन'

उन्होंने यह भी दावा किया कि हत्या के बाद ये तीनों 10-15 दिनों तक गायब रहे और बाद में पूछताछ के लिए बुलाए गए, लेकिन उन्हें छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा, 'हमने पुलिस को कराड की बी टीम के बारे में जानकारी दी थी और जांच एजेंसियों को लिखित आवेदन भी दिया था। लेकिन उसके बाद क्या हुआ, हमें नहीं पता। हमें जवाब चाहिए।'

तस्करों ने तानी सब-इंस्पेक्टर पर पिस्टल कार में ले जा रहे थे 200 किलो डोडाचूरा

मंदसौर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। मंदसौर जिले के दलौदा में पुलिस ने फिल्मी अंदाज में एक फॉर्च्यूनर कार को पकड़ा, जिसमें बैठे तस्करों ने भागने का पूरा प्रयास किया। पुलिस ने जब चारों ओर से घेराबंदी कर तस्करों को पकड़ने की कोशिश की, तो उनमें से एक ने सब-इंस्पेक्टर पर पिस्टल तान दी। इस स्थिति से पुलिसकर्मी कुछ क्षण के लिए सहम गए, लेकिन सूझबूझ दिखाते हुए लाठियों से कार के कांच तोड़कर तस्करों का ध्यान भटकाया और उन्हें काबू में कर लिया। कार से 200 किलो डोडाचूरा बरामद किया गया।

पुलिस को सूचना मिली थी कि डोडाचूरा से भरी एक कार सिंदपन से रतलाम की ओर जा रही है। शाम को पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर नाकाबंदी कर दी। दलौदा में स्थित एक पेट्रोल पंप के सामने सब-इंस्पेक्टर कपिल सौराष्ट्री और रीतेश नागर ने संदिग्ध फॉर्च्यूनर कार को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने कार को डिवाइडर पर चढ़ाते हुए दूसरी लेन में ले जाने की कोशिश की। पुलिस ने तुरंत आगे-पीछे वाहन लगाकर कार की घेराबंदी कर ली। जैसे ही सब-इंस्पेक्टर रीतेश नागर और कपिल सौराष्ट्री तस्करों को पकड़ने पहुंचे, उनमें से एक ने उन पर पिस्टल तान दी। कुछ क्षण के लिए अधिकारी हतप्रभ रह गए, लेकिन अन्य पुलिसकर्मियों ने तुरंत लाठियों से कार के शीशे तोड़ दिए, जिससे तस्करों का ध्यान भटक गया और इसी दौरान उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान भागीरथ पिता कालूराम विष्णोई निवासी बाड़मेर, राजस्थान और सुरेश पिता बाबूलाल विश्नोई निवासी जालौर, राजस्थान के रूप में हुई। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें कट्टों में भरा 200 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समर्थन में संजय राउत, फिक्सर को हटाने पर खुशी जाहिर की

मुंबई, 26 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पिछले दिनों अपने ही मंत्रियों के स्टाफ की छुट्टी और जांच के आदेश दिए। आदेश के बाद कृषि मंत्री ने इसको लेकर नाराजगी जाहिर की थी, जिसके बाद सीएम ने मंत्रियों को नसीहत दे डाली। अब ये मामला महाराष्ट्र की राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तारीफ की है। राउत ने कहा कि मैं सीएम देवेंद्र फडणवीस के फैसले का स्वागत करता हूं। जब उन्होंने कहा था कि मंत्रियों के कुछ ओएसडी और पीए भ्रष्टाचार में शामिल हैं और इसके लिए उन्होंने 'फिक्सर' शब्द का इस्तेमाल किया था। अगर उन्होंने ऐसा कुछ देखा और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कुछ कार्रवाई की, तो सभी को इसका स्वागत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने आने वाले समय में सीएम को ऐसे मंत्रियों के नाम भी सामने रखने चाहिए, जिन्होंने इस तरीके के कर्मचारियों को अपने स्टाफ में रखा है।

क्या बोले मुख्यमंत्री फडणवीस?

मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया कि उन्होंने कैबिनेट मंत्रियों द्वारा सुझाए गए 125 नामों में से 109 को मंजूरी दी है, लेकिन 16 नामों को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने बताया कि इन नामों को अस्वीकार करने का कारण यह था कि या तो इन अधिकारियों पर जांच चल रही है या फिर वे प्रशासनिक गलियारों में "फिक्सर" के रूप में बदनाम हैं। इस घटनाक्रम के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल तेज है।

बेलागवी सीमा पर क्या बोले राउत?

संजय राउत ने कहा कि बेलागवी सीमा जिले में भाषा को लेकर चल रहे विवाद पर राउत ने कहा कि कर्नाटक और महाराष्ट्र सरकारों के बीच बातचीत होनी चाहिए। बेलागवी सीमा विवाद सर्वोच्च न्यायालय में है, लेकिन कर्नाटक में चाहे कांग्रेस की सरकार हो या बीजेपी की, उनका व्यवहार बेलागवी में मराठी भाषी लोगों के लिए समस्याएं पैदा करना है। वे मराठी स्कूल और पुस्तकालय बंद कर देते हैं। क्या वे बेलागवी में मणिपुर जैसी स्थिति पैदा करना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को लोगों से बात करनी चाहिए। और महाराष्ट्र सरकार क्या कर रही है? एक मंत्री को वहां भेजा जाना चाहिए और कर्नाटक सरकार से बात करनी चाहिए।

अनियंत्रित होकर एंबुलेंस मिट्टी के ढेर पर चढ़ी, मरीज की मौत

मुरैना, 26 फरवरी (एजेंसियां)। मुरैना जिले के कैलारस से मरीज को लेकर जिला अस्पताल आ रही 108 एंबुलेंस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे रखे मिट्टी के ढेर पर चढ़ गई, जिससे एंबुलेंस में सवार मरीज की मौत हो गई और उसकी पत्नी घायल हो गई। जानकारी के अनुसार, 108 एंबुलेंस का चालक कैलारस से एक बीमार मरीज और उसके परिजनों को लेकर मुरैना जिला अस्पताल की ओर जा रहा था। तभी मुंगावली के पास एंबुलेंस अनियंत्रित होकर सड़क पर रखे मिट्टी के ढेर पर चढ़ गई। हादसे में एंबुलेंस में सवार अशोक कुशवाहा और उनकी पत्नी कल्पना कुशवाहा घायल हो गए। दोनों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद अशोक कुशवाहा को मृत घोषित कर दिया।

हिरासत में आरोपी की मौत मामले में

पुलिसकर्मियों को मिली राहत, मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट पर लगाई गई रोक

मुंबई, 26 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल में दो नाबालिग बच्चियों के यौन शोषण मामले में आरोपी की हिरासत में मौत के मामले में पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोर्ट ने कुछ राहत दी है। एक सेशन कोर्ट ने 21 फरवरी को एक आदेश में मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट को रोक दिया है, जिसमें आरोपियों के कथित मुठभेड़ को लेकर संदेह जताया गया था। सेशन कोर्ट के जज डीआर देशपांडे ने कहा कि राज्य के क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) की तरफ से आरोपी की हिरासत में मौत की जांच स्वतंत्र रूप से जारी रहेगी।

क्या है पूरा मामला?

बता दें कि, आरोपी अक्षय शिंदे को अगस्त 2024 में बदलापुर स्कूल में दो नाबालिग लड़कियों के साथ यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। 23 सितंबर 2024 को उसे पुलिस ने कथित मुठभेड़ में मार दिया, जबकि उसे तलोजा जेल से कलीमांन पूछताछ के लिए लाया गया था। इस मुठभेड़ को लेकर पुलिस ने दावा किया कि आरोपी अक्षय शिंदे ने एक पुलिसकर्मी का बंदूक छीनकर फायर किया था, जिसके बाद पुलिस ने जवाबी गोलीबारी की। बता दें कि, स्कूल में दो बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न की घटना से पूरे इलाके में आक्रोश देखा गया था।

जानकारी के मुताबिक चार और छह साल की बच्चियों के साथ यह घटना 12 और 13 अगस्त को घटी थी। दरअसल, आरोपी अक्षय शिंदे को 1 अगस्त को टॉयलेट साफ करने के लिए अनुबंध के आधार पर स्कूल में भर्ती किया गया था।

5 मार्च को होगी मामले की अगली सुनवाई

मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय शिंदे और अन्य पुलिसकर्मियों को आरोपी की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था और उनकी तरफ से की गई गोलीबारी को अनावश्यक बताया गया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि यह मुठभेड़ फर्जी हो सकती है, जैसा आरोपित के परिवार ने दावा किया था। सत्र न्यायालय ने आदेश दिया कि मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट के निष्कर्षों को अगले आदेश तक रोक दिया जाए। हालांकि, सीआईडी की जांच जारी रहेगी। इसके साथ ही अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 5 मार्च को तय की है।

महाकुंभ की सुंदर साध्वी हर्षा रिछारिया ने दी सुसाइड की धमकी

बोलीं- मेरे कुछ फर्जी वीडियो भी शेयर किए जा रहे हैं

प्रयागराज, 26 फरवरी (एजेंसियां)। संगम नगरी में महाकुंभ के दौरान वायरल हुईं सुंदर साध्वी हर्षा रिछारिया को लेकर एक खबर सामने आई है। हर्षा ने आत्महत्या की धमकी दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो डालकर इसके पीछे की वजह बताई है। वीडियो में हर्षा रोते-रोते अपना दर्द बयां कर रही हैं। हर्षा रिछारिया ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर कहा- मेरी पहचान के लोग मेरे कुछ फर्जी वीडियो भी शेयर किए जा रहे हैं। इन फर्जी वीडियो से मेरी बदनामी हो रही है। जो लोग ये वीडियो वायरल कर रहे है उनके नाम मेरे पास आ गए हैं। साध्वी हर्षा रिछारिया ने वीडियो में आगे कहा- मैं इतना तंग आ गई हूं कि मन कर रहा है सुसाइड कर लूं। अगर मैंने आत्महत्या कर ली तो उन सबका नाम सुसाइड नोट में नाम लिखकर जाऊंगी। बताऊंगी किसने मेरे साथ क्या किया है? वीडियो की शुरुआत में हर्षा रिछारिया ने कहा- मैंने महाकुंभ से प्रतिज्ञा ली थी हिंदुत्व सनातन का काम करने का संकल्प लिया था। धार्मिक संस्कृति के प्रति युवाओं को जागरूक करने का काम करूंगी, लेकिन कुछ धर्म विरोधी लोग मुझे आगे बढ़ने से रोक रहे हैं। मेरे पुराने वीडियो जारी किए जा रहे हैं। पूछ रहे है कि ये कैसे साध्वी हो सकती है? मैंने कभी नहीं कहा कि मैं साध्वी हूं।

वीरेंद्र सचदेवा का बड़ा हमला, कहा- 'खुद आप के विधायक अपने अधिकारों से अनजान थे'

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में नई सरकार के गठन के बाद पहली विधानसभा सत्र का 27 फरवरी को आखिरी दिन होगा। 3 दिवसीय इस सत्र के दो दिन काफी हंगामेदार रहे। अंतिम दिन को लेकर बीजेपी ने विपक्षी आम आदमी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि आज तक आप के विधायकों को केवल सियासत के लिए इस्तेमाल किया गया है। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी के विधायकों से अपील की है कि वे संवैधानिक व्यवस्थाओं को समझें और दिल्ली विधानसभा की कार्यप्रणाली को सही तरीके से चलाने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में आप सरकार और तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष ने नियमों को तोड़-मरोड़कर विधानसभा को मात्र एक राजनीतिक मंच बना दिया था। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पिछले दो दिनों में दिल्ली विधानसभा में प्रश्नकाल से लेकर प्राइवेट मेंबर डे तक की वापसी पर चर्चा हुई, जो स्वागत योग्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार में विधानसभा की कार्यवाही पारदर्शी और लोकतांत्रिक न होकर केवल सत्ताधारी दल के प्रचार का माध्यम बन गई थी। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के विधायकों को अपनी बात रखने तक का मौका नहीं दिया जाता था। यहां तक कि आप के कई विधायक भी अपने अधिकारों से अनजान थे और उन्हें विधानसभा में दिल्ली की जनता से जुड़े मुद्दे उठाने का अवसर नहीं मिलता था। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, "आप के विधायकों को पिछले 10 वर्षों में संविधान नहीं, बल्कि अराजकता का पाठ पढ़ाया गया। अब समय आ गया है कि वे समझें कि विधानसभा और सरकार को संवैधानिक व्यवस्था के तहत कैसे चलाया जाता है।" उन्होंने यह भी कहा कि विधानसभा सत्रों का सत्रावसान न करके संवैधानिक प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया गया, जिससे विधानसभा का कामकाज प्रभावित हुआ।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अब हालात बदल रहे हैं और विधायकों को उनके अधिकारों की जानकारी दी जा रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे से विधानसभा का उपयोग केवल राजनीतिक बयानबाजी के लिए नहीं बल्कि जनता के मुद्दों को उठाने के लिए किया जाएगा। बता दें कि दिल्ली की राजनीति में यह विवाद कोई नया नहीं है।

2015 में पहली बार पूर्ण बहुमत से सत्ता में आने के बाद आम आदमी पार्टी की सरकार पर विधानसभा में नियमों का पालन न करने और विपक्ष की आवाज दबाने के आरोप लगते रहे हैं। बीजेपी के विधायकों को कई बार निलंबित भी किया गया था। अब जब नई सरकार ने कार्यभार संभाला है, तो विधानसभा की कार्यप्रणाली में बदलाव की उम्मीद जताई जा रही है। बीजेपी अध्यक्ष ने भी इस बदलाव का समर्थन किया और उम्मीद जताई कि अब विधानसभा सही ढंग से काम करेगी।

दिल्ली एम्स का कमाल

'पैरासाइट ट्विन' केस की सर्जरी सफल 4 पैर वाले बच्चे को मिला नया जीवन

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली एम्स के डॉक्टरों ने एक 17 साल के लड़के के पेट से बाहर लटक रहे दो अतिरिक्त पैर को ऑपरेशन के जरिए सफलतापूर्वक निकाला है। दावा किया जा रहा है कि हॉस्पिटल में ऐसी सर्जरी पहली बार की गई है। डॉक्टरों ने कहा कि इस स्थिति को 'इनकंप्लीट पैरासाइट ट्विन' के रूप में जाना जाता है और मेडिकल के अनुसार, आज तक ग्लोबल स्तर पर केवल 40 ऐसे मामले सामने आए हैं, वह भी कम उम्र में पता चला है। सर्जरी विभाग में अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ। असुरी कृष्णा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के बलिया का रहने वाला एक लड़का जनवरी के आखिरी हफ्ते में अपने पेट से बाहर लटकते दो अतिरिक्त पैर के साथ हमारे पास आया था। हमने ट्वीन प्रेगनेंसी के बारे में सुना था। कभी-कभी जुड़वा भ्रूण गर्भ में एक-दूसरे से अलग नहीं पाते हैं और बाद में जुड़े हुए जुड़वां के रूप में पैदा होते हैं।

असुरी कृष्णा ने कहा कि बहुत कम ही ऐसा होता है कि जुड़वा बच्चों में से एक पूरी तरह से विकसित नहीं होता है। ऐसे में यह मामला बेहद दुर्लभ था। डॉक्टर ने आगे कहा कि अधिकांश ऐसे मामले कम उम्र में ही सामने आ जाते हैं, लेकिन यह मरीज 17 साल की उम्र में आया क्योंकि उसे पहले कहीं उचित इलाज नहीं मिला। यह एक मुश्किल मामला था इसलिए कई विभागों के विशेषज्ञों को इस मामले में शामिल होना पड़ा।

उन्होंने कहा कि मरीज का 8 फरवरी को दो घंटे तक ऑपरेशन किया गया और निगरानी के लिए 24 घंटे आईसीयू में रखा गया। सर्जरी के चौथे दिन उसे छुट्टी दे दी गई। डॉक्टर ने कहा कि हम पैरासाइट ट्वीन के साथ-साथ लड़के के पेट के अंदर मौजूद दो बड़े सिस्ट को सफलतापूर्वक अलग करने में सफल रहे, जो हमें लगता है कि दूसरे जुड़वां बच्चे का अधूरा शरीर है। यह पहली बार था जब एम्स दिल्ली में इस तरह का इलाज किया गया।

अर्जुन अवार्डी स्वीटी बूरा ने पति से मांगा तलाक

ढाई साल पहले हुई थी शादी, चुनाव में एक करोड़ मांगने का आरोप

हिसार, 26 फरवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर और अर्जुन अवार्डी स्वीटी बूरा ने अपने पति, अर्जुन अवार्डी पहलवान दीपक हुड्डा के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और मारपीट की शिकायत पुलिस अधीक्षक (एसपी) को दी है। स्वीटी ने तलाक और गुजारा भत्ता के लिए अदालत में भी अर्जी दाखिल की है। दूसरी ओर, दीपक हुड्डा ने भी रोहतक पुलिस को शिकायत देकर संपत्ति हड़पने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। स्वीटी बूरा ने अपनी शिकायत में कहा कि उनकी शादी 7 जुलाई 2022 को रोहतक निवासी दीपक हुड्डा से हुई थी। उनके माता-पिता ने शादी में एक करोड़ रुपये खर्च किए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में दीपक और उनकी बहन ने उनसे फार्च्यूनर गाड़ी की मांग की और खेल छोड़ने का दबाव बनाया। स्वीटी ने बताया कि दीपक ने महम विधानसभा चुनाव में खड़े होने के दौरान उनसे एक करोड़ रुपये की मांग की थी। अक्टूबर 2024 में, दीपक ने कथित रूप से उनके साथ मारपीट कर उन्हें घर से निकाल दिया। उन्होंने अदालत में तलाक और गुजारा भत्ता की अर्जी दाखिल कर 50 लाख रुपये के मुआवजे और हर महीने 1.5 लाख रुपये की मांग की है।

दीपक हुड्डा ने लगाए संपत्ति हड़पने के आरोप

वहीं, दीपक हुड्डा ने रोहतक पुलिस को दी शिकायत में कहा कि उनका ससुर उन्हें ब्याज पर रुपये देने के बहाने ठगता रहा। उन्होंने बताया कि हिसार के सेक्टर 1-4 में खरीदा गया एक प्लॉट जालसाजी से उनके और स्वीटी के नाम पर रजिस्टर्ड करा दिया गया। दीपक ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें 25 लाख रुपये ब्याज पर देने की बात कही गई थी, लेकिन वह रकम उन्हें नहीं मिली। उन्होंने यह भी कहा कि स्वीटी बार-बार तलाक की धमकी देती थीं।

पुलिस कर रही है जांच

हिसार और रोहतक पुलिस ने दोनों पक्षों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण के लिए बुलाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों की जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के 370 बयान से गरमाई सियासत

विपक्ष ने किया तीखा हमला, आरोपों का सिलसिला जारी

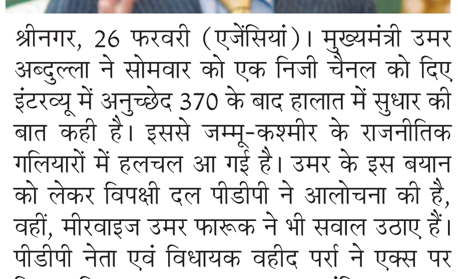

श्रीनगर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को एक निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में अनुच्छेद 370 के बाद हालात में सुधार की बात कही है। इससे जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक गलियारों में हलचल आ गई है। उमर के इस बयान को लेकर विपक्षी दल पीडीपी ने आलोचना की है, वहीं, मीरवाइज उमर फारूक ने भी सवाल उठाए हैं। पीडीपी नेता एवं विधायक वहीद पर्रा ने एक्स पर लिखा, प्रिय उमर अब्दुल्ला साहब, चूंकि आप अब शांति का समर्थन कर रहे हैं- अगर आज कश्मीर में शांति दिख रही है, तो इसकी वजह यूएपीए, पीएसए, एनआईए, घरों और संपत्तियों की कुर्की, सत्यापन, कड़े कानूनों के तहत कैदियों को बाहर रखना और कर्मियों को नौकरी से निकालना है। यह आपके चुनाव अभियान व घोषणापत्र से पूरी तरह उलट है। आपका समर्थन अब कश्मीरियों के खिलाफ कठोर रुख अपनाने के अलावा और कुछ नहीं है। पर्रा ने आगे लिखा, अगर आज अलगाववादी गतिविधि नहीं है, तो इसकी वजह अलगाववादियों के खिलाफ कड़े कदम, हुर्रियत और जमात पर प्रतिबंध है। अगर मीरवाइज को सुरक्षा दी गई है, तो यह उनकी सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि इसलिए है, क्योंकि उनकी कमजोरी बढ़ गई है। मीरवाइज उमर फारूक ने एक्स पर लिखा, उमर अब्दुल्ला - जो एक जिम्मेदार पद पर बैठे हैं और समझदारी से बात करते हैं। उनकी ओर से मीरवाइज को दी गई सुरक्षा के पीछे मकसद बताते हुए और परिस्थितियों को जानते हुए भी बेतुकी टिप्पणी बेहद खेदजनक है। इस तरह की गैरजिम्मेदाराना टिप्पणियों से टिप्पणीकारों की असुरक्षा और मानसिकता के बारे में पहले से ही परेशान व दमित लोगों के बीच अधिक मोहभंग होता है।

और भी बहुत कुछ देखने के लिए तैयार हो जाइए : लोन

जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने भी एक्स पर लिखा, सीएम साहब कोई भावना न दिखाते हुए अपनी बात छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं 370 हटाने के लिए अनिच्छा से मौन समर्थन पर आश्चर्यचकित नहीं हूं। यह उनके लिए वोट करने वालों के लिए सिर्फ ट्रेलर है। फिल्म अभी शुरू होनी है। और भी बहुत कुछ देखने के लिए तैयार हो जाइए।

चाकू से गोदकर दो लोगों की कर दी थी हत्या, ढाई साल पुराने मामले में कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

सीहोर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। सीहोर के बहुचर्चित करीब ढाई साल पुराने दोहरे हत्याकांड में न्यायालय ने सख्त फैसला सुनाया है। विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) हेमंत जोशी ने आरोपी छगनलाल (29) पिता कन्हैयालाल बागवान, निवासी इंद्रा कॉलोनी, आष्टा, जिला सीहोर को दोहरे आजीवन कारावास और दो हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। जिला अभियोजन अधिकारी अनिल बादल ने जानकारी देते हुए बताया कि फरियादी पूंजीलाल अपनी पत्नी पार्वतीबाई, छोटे बेटे बलराम और बहू संजना के साथ इंद्रा नगर, आष्टा में निवास करते हैं। फरियादी की बहू संजना से मुकेश बागवान नामक युवक फोन पर बातचीत करता था, जिसे लेकर परिवार में नाराजगी थी। इसी मुद्दे पर 17 जुलाई 2022 को शाम 7 बजे पूंजीलाल, बलराम और पार्वतीबाई मुकेश बागवान को समझाने के लिए उसके घर पहुंचे। जब वे मुकेश के घर पहुंचे, तो वह घर पर नहीं था। वहां उसके पिता कन्हैयालाल, माता लक्ष्मीबाई और बड़ा भाई छगनलाल मौजूद थे। जब पूंजीलाल ने मुकेश द्वारा संजना से बातचीत करने की शिकायत की, तो परिवार के लोगों ने उल्टा गाली-गलौच शुरू कर दी। जब फरियादी पक्ष ने इसका विरोध किया, तो छगनलाल घर के अंदर से चाकू लेकर आया और बलराम पर जानलेवा हमला कर दिया।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 27 फरवरी - 2025

साइबर अपराधी

अपना पडोसी देश म्यांमार लंबे समय से साइबर क्राइम का अड्डा बना हुआ है। यहीं से हाल ही में 70 भारतीय छुड़ाए गए, जो साइबर अपराध की गंभीरता को दर्शाता है। इस तरह के संगठित अपराध से निपटने के लिए जिस तरह से अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत महसूस की जा रही है, उसकी सर्वथा कमी है। नतीजतन साइबर अपराध का धंधा जहां दिन दूनी रात चौगुनी फल-फूल रहा है वहीं इनके नेटवर्क से वैश्विक अर्थव्यवस्था हांफने लगी है। अब भी यदि साइबर अपराधियों में सामूहिक रूप से शिकंजा नहीं कसा गया तो इसके गंभीर परिणाम पूरी दुनिया को भुगतना पड सकता है। देखने में तो यही आ रहा है कि साइबर अपराधी अब पहले से ज्यादा संगठित और ताकतवर बन चुके हैं। म्यांमार में ही फंसे जो भारतीय छुडाए गए हैं, उन्हें नौकरी का झांसा देकर बुलाया गया था। उनके अनुसार काम जहां बताया गया था वहां न ले जा कर उन्हें यहां लाकर धोखे से साइबर क्राइम के धंधे में धकेल दिया गया। छुड़ाए गए भारतीयों में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, राजस्थान, पंजाब और यूपी समेत कई राज्यों के लोग हैं। जाहिर है इतना बड़ा अपराध संगठित नेटवर्क के बगैर नहीं चल सकता। ऐसे में जब तक इस नेटवर्क की रीढ़ को नहीं तोडा जाता, तब तक आम लोग इसके चंगुल में फंसते रहेंगे। बता दें कि म्यांमार का म्यावाडी वैसे भी साइबर अपराध के लिए पूरी दुनिया में बदनाम है। बताया जाता है कि यहां करीब 2000 भारतीय फंसे हुए हैं। इनमें से ज्यादातर से जबरदस्ती ऑनलाइन ठगी कराई जा रही है। अभी जो रेस्क्यू ऑपरेशन हुआ, उसे म्यांमार की बॉर्डर गार्ड फोर्स ने अंजाम दिया है। भारत और दूसरे देशों को इस मामले में म्यांमार का सहयोग लेना चाहिए और जरूरत पड़े तो मदद करनी भी चाहिए ताकि इस अड्डे को पूरी तरह खत्म किया जा सके। इनका नेटवर्क इतना बडा है कि यहां से दूसरे मुल्कों के लोग सिर्फ फंसते ही नहीं हैं, बल्कि यहीं से उन मुल्कों के लोगों को फंसाया भी जाता है। फंसे हुए लोग भी अपने जान-पहचान वालों को फंसा कर उनसे लूट-पाट करते हैं। देखा जाए तो आज साइबर अपराधियों की जद से कुछ भी बाहर नहीं है। अनुमान है कि इस साल तक साइबर क्राइम की वजह से होने वाला नुकसान 10 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो सकता है। 10 साल पहले यह आंकड़ा 3 ट्रिलियन डॉलर के आसपास था। जाहिर है साइबर अपराधियों ने दुनियाभर की सरकारों की नाक में दम कर इतनी बड़ी अर्थव्यवस्था खड़ी कर ली है। इसकी तुलना यदि देशों की अर्थव्यवस्था से की जाए तो यह तीसरे नंबर पर आती है। अनुमान है कि शायद यही पैसा आतंकवाद और अराजकता फैलाने के काम में इस्तेमाल किया जाता है। जून 2022 के बाद से म्यांमार, कंबोडिया, लाओस और थाईलैंड से 600 से अधिक भारतीयों को रेस्क्यू किया जा चुका है। इसका मतलब यह भी है कि साइबर अपराधियों पर आए दिन किए जा रहे हमलों का असर नहीं हो रहा है। वे अब भी पहले की तरह ही आम लोगों को जरिया बनाकर आम लोगों को ही ठगने में लगे हुए हैं। जाहिर है इसे खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय पहल की जरूरत है। यह बिना सामूहिक प्रयास के संभव नहीं होगा।

सीएजी की रिपोर्ट ने केजरीवाल की पोल खोल दी

राजेश कुमार पासी

अन्ना आंदोलन के दौरान केजरीवाल ने कैग की रिपोर्ट का हवाला देकर ही कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे । केजरीवाल कहते थे कि वो जब सत्ता में आएंगे तो इस रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही करेंगे । इस रिपोर्ट को आधार बनाकर ही अन्ना आंदोलन के दौरान लोकपाल कानून बनाने की मांग की जा रही थी। कैसी विडम्बना है कि दिल्ली में अपनी सरकार की कैग रिपोर्ट को केजरीवाल सरकार दबाकर बैठी हुई थी। दिल्ली में सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा की राज्य सरकार ने अपने पहले ही विधानसभा अधिवेशन में यह रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। वैसे भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान किया गया अपना वादा पूरा किया है। केजरीवाल चिल्ला-चिल्ला कर बोल रहे थे कि मोदी उनसे डरते हैं इसलिये झूठा केस बनाकर उन्हें जेल में डाल दिया है जबकि सच्चाई यह है कि उन्हें अदालत ने जेल में डाला था और अदालत ने ही जमानत दी थी । कैग की रिपोर्ट ने साबित कर दिया है कि केजरीवाल सरकार ने अपने शासन में पूरी मनमानी करते हुए जनता के पैसों का दुरुपयोग किया है और इसके अलावा जबरदस्त तरीके से जनता के पैसे की चोरी की है। सवाल यह पैदा होता है कि केजरीवाल ऐसी हिम्मत कहाँ से लाये जो वो सरेआम देश की जनता को धोखा देते रहे और साथ-साथ कट्टर ईमानदार होने का ढिंढोरा भी पीटते रहे । कमाल की बात तो यह है कि वो न केवल खुद को कट्टर ईमानदार घोषित करते रहे बल्कि अपने साथियों को भी कट्टर ईमानदार और कट्टर देशभक्त होने का सर्टिफिकेट बांटते रहे । उन्होंने कई बात यह मांग की कि दिल्ली के शिक्षा मॉडल के लिए मनीष सिसोदिया को और दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए सत्येंद्र जैन को राष्ट्रीय पुरस्कार दिया जाना चाहिए । उनका बस चलता तो वो खुद को भारत रत्न दे देते लेकिन वो उनके हाथ में नहीं था । केजरीवाल अपने नेताओं को राजा हरिश्चंद्र से ज्यादा ईमानदार और शहीद भगत सिंह से ज्यादा बड़ा देशभक्त बताते थे । आज दिल्ली सरकार द्वारा पेश की गई रिपोर्ट से पता चलता है कि जिस दिल्ली मॉडल का ढिंढोरा वो पूरी दुनिया में पीट रहे थे, वो कितना खोखला है । वास्तव में केजरीवाल अपने झूठ की फैक्ट्री इसलिए चलाते रहे क्योंकि उन्होंने दिल्ली सरकार के विज्ञापनों के माध्यम से करोड़ो रूपये मीडिया पर लुटा दिए थे। विज्ञापनों से होने वाली कमाई बंद होने के डर से देश का मीडिया उनके खिलाफ खबरें नहीं दिखाता था लेकिन इसके बावजूद वो मीडिया में अपने खबरें रोक नहीं पाये । केजरीवाल सोचते थे कि वो कुछ भी करें लेकिन देश का मीडिया जब उनकी खबरें नहीं दिखायेगा तो जनता को उनके घोटालों का पता नहीं चलेगा । जो पार्टी पारदर्शिता की दुहाई देती थी, उसकी सरकार ने सीएजी की रिपोर्ट को दबाकर रखा ताकि जनता तक उसकी सच्चाई नहीं पहुंच सके । संविधान की बात करने वाली पार्टी कैग जैसी संवैधानिक संस्था से बचती रही । केजरीवाल राजनीति को बदलने आये थे और उन्होंने राजनीति को ऐसे बदला कि वो खुद को दिल्ली का मालिक मानने लगे । वो भूल गये कि लोकतंत्र में सिर्फ जनता मालिक होती है, इसलिए 2025 के चुनाव में जनता ने उनकी सही जगह उन्हें दिखा दी है । खुद को दिल्ली का मालिक समझने वाले केजरीवाल सोचते थे कि वो कुछ भी कर सकते हैं जबकि दिल्ली तो पूरा राज्य भी नहीं है । हमारे संविधान में ऐसी कई व्यवस्थाएं हैं जिनके कारण कोई भी सरकार पूर्ण रूप से मनमानी नहीं कर सकती लेकिन केजरीवाल ऐसा करने की कोशिश करते रहे । 02024 के लोकसभा चुनाव में केजरीवाल ने जनता से कहा कि अगर वो उन्हें दिल्ली की लोकसभा की सभी सात सीटों पर जीत दिला देती है तो उन्हें जेल नहीं जाना पड़ेगा लेकिन दिल्ली की जनता ने उन्हें एक भी सीट नहीं दी । इससे स्पष्ट हो जाता है कि दिल्ली की जनता ने तो उन्हें 2024 में ही जेल जाने के लिए छोड़ दिया था ।

जर्मनी से नए संबंध बनाने की भारत को पहल करनी होगी

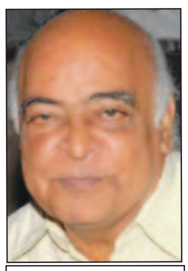

अशोक भाटिया

जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज आम चुनाव हार गए हैं। उनकी सोशल डेमोक्रेट्स पार्टी 630 सीटों में से सिर्फ 121 सीटें ही जीत पाई है। उसे सिर्फ 16.5% वोट ही मिले हैं। चांसलर शोल्ज ने हार स्वीकार कर ली है। उनकी पार्टी चुनावी नतीजों में तीसरे पायदान पर पहुंच गई है।कंजर्वेटिव विपक्षी नेता फ्रेडरिक मर्त्ज की क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन पार्टी के गठबंधन ने 208 सीटों पर जीत दर्ज की है। उसे 28.5% वोट हासिल हुए हैं।चुनाव में दूसरी सबसे बड़ी जीत कट्टर दक्षिणपंथी पार्टी को मिली है। इस पार्टी को 151 सीटों पर जीत मिली है। पार्टी को 20.8% वोट मिले हैं। दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार जर्मनी में किसी कट्टरपंथी दक्षिणपंथी पार्टी ने इतनी सीटें जीती हैं।जर्मनी में बहुमत के लिए 315 सीटें चाहिए, और कोई भी पार्टी अकेले यह आंकड़ा छूती नहीं दिख रही। इसलिए गठबंधन सरकार बनना तय माना जा रहा है। जर्मनी में चुनाव में बहुमत के साथ सत्ता में आने के दो साल बाद सात दशक बीत चुके हैं। कम से कम पिछले साठ वर्षों से, जर्मनी एक निरंतर बहुदलीय गठबंधन सरकार का सामना कर रहा है। इस देश में ऐसा कोई नहीं है जो कहता हो कि स्पष्ट बहुमत स्थिरता है और स्थिरता ही प्रगति है, और अगर ऐसा होता भी तो लोगों ने विश्वास नहीं किया होता। हाल के मध्यावधि चुनावों में भी, मतदाताओं ने 'हर किसी को गठबंधन पसंद है' की परंपरा का पालन किया और एक पार्टी को निश्चित बहुमत मिलेगा। नहीं दिया गया। पूरी दुनिया इस चुनाव को देख रही थी। ऐसा इसलिए था क्योंकि अति-प्रतिगामी नाजी-दक्षिणपंथी, धुर-दक्षिणपंथी ने हाल ही में देश में लहरें बनाई हैं, और इसने जर्मनी में एक सरकार की तस्वीर बनाई है, जैसा कि हंगरी और अन्य यूरोपीय देशों में है, जिसने एक हवा बनाई है कि कट्टरपंथी, नस्लवादी, नस्लवादी अल्टरनेटिव फॉर ड्यूशलैंड (एएफडी) पार्टी को वास्तव में बहुमत मिलता है या नहीं। फ्रांस में मैरी ले पेन की धुर दक्षिणपंथी पार्टी की तरह, यह जर्मनी में बढ़ रही थी। फ्रांस की तरह जर्मनी में भी पार्टी का वोट शेयर बढ़ा. लेकिन वह फिर भी सरकार बनाने से दूर रहेंगे। यह सराहनीय है कि जर्मनों ने, फ्रांसीसी की तरह, यह विवेक दिखाया। एएफडी को लगभग 19 प्रतिशत वोट के साथ दूसरा सबसे बड़ा वोट मिला, और क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) पार्टी सबसे अधिक, लगभग 29 प्रतिशत वोट के साथ आगे बढ़ी, सीडीयू के फ्रेडरिक मर्ज़ अब नई गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं – जर्मनी के चांसलर। मर्ज़ एंजेला मर्केल की सीडीयू पार्टी से संबंधित हैं, लेकिन मर्ज़ और मर्केल एक-पार्टी हैं, लेकिन उनका राजनीतिक दर्शन पूरी तरह से समान नहीं है। मर्ज़ आर्थिक विचारों पर मर्केल के साथ संबंध साझा करते हैं लेकिन सांस्कृतिक मुद्दों पर मर्केल से अलग हैं। वह आव्रजन पर मर्केल की तरह उदार नहीं हैं। वह नहीं चाहते कि जर्मनी आप्रवासियों के लिए धर्मशाला बने। देश अप्रवासियों के लिए सभी के लिए एक स्वतंत्र नीति का अनुभव कर रहा है। इसमें बढ़ती बिजली और ईंधन की बढ़ती कीमतें शामिल हैं क्योंकि हम परमाणु ऊर्जा से मुंह मोड़ लेते हैं। इसलिए मर्ज़ विभिन्न नीतियों को लागू करना चाहता है। रूस के बारे में उनकी और मर्केल में जो समानता है, वह है। मर्केल ने अक्सर पुतिन के रूस को घेरा है, और मर्ज़ भी रूस से दूर रहना चाहते हैं। वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विरोधी भी हैं, जो रूसी राष्ट्रवादी बन गए हैं। वास्तव में, मर्ज़ की अमेरिकी कंपनी में मृत्यु हो गई। वह दुनिया के सबसे शक्तिशाली अमेरिकी वित्तीय संस्थानों में से एक, ब्लैकरॉक के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं, लेकिन वह जर्मन हित के मुद्दों पर अमेरिकी नीति के विरोधी हैं और मानते हैं कि ट्रम्प यूरोप समर्थक नहीं हैं। इतना ही नहीं। उन्होंने सबसे पहले जर्मनी को संयुक्त राज्य अमेरिका से दूर ले जाने के बारे में एक बयान दिया और पहली चर्चा परमाणु रक्षा पर ब्रिटिश प्रधान मंत्री कीर स्टारर के साथ हुई। जर्मनी यूरोप की सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था है, उसके बाद फ्रांस है। अमेरिकी नहीं। फिलहाल, इंग्लैंड में लेबर पार्टी की सरकार भी अमेरिका से अलग-थलग रहकर काम करती दिख रही है। ब्रिटेन के स्टार्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की तरह मर्ज़ भी यूक्रेन के मुद्दे पर अमेरिका और रूस के सख्त विरोधी हैं. चुनाव परिणामों के बाद, मर्ज़ ने रूस के खिलाफ यूक्रेन और ज़ेलेंस्की के लिए अपना पूर्ण समर्थन घोषित किया। इसका मतलब है कि यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच की खाई उस दिशा में अधिक से अधिक बढ़ेगी। यह हाल के चुनाव द्वारा लाया गया सबसे बड़ा बदलाव है। ऐसा लगता है कि मर्ज़ की पार्टी AfD को सत्ता से बाहर रखने के लिए सत्तारूढ़ सोशल डेमोक्रेटिक यूनियन के साथ हाथ मिला रही है। कोई विकल्प नहीं है। सांस्कृतिक-राजनीतिक मुद्दों पर, सरकार जन-समर्थक नीतियों को अपनाएगी और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर पुराने मार्ग को अपनाएगी। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि जर्मनी, इंग्लैंड और फ्रांस संयुक्त राज्य अमेरिका के वर्तमान विरोध में हैं। ये नतीजे वैश्विक संबंधों में नए समीकरणों के संकेत दे रहे हैं। इससे पहले जर्मनी ने लंबे समय तक आर्थिक दिक्कतों का सामना 2000 के शुरुआती सालों में किया था. तब चांसलर रहे एसपीडी के गेरहार्ड श्रोएडर ने श्रम बाजारों के विवादित और कल्याणकारी सुधारों को लागू किया था जिनका लक्ष्य विकास को बढ़ावा देना था.तब की तरह वर्तमान में भी जर्मनी पर कुछ विशेषज्ञ यूरोप के बीमार आदमी का ठप्पा लगा रहे हैं. जर्मनी का विकास यूरोपीय संघ के दूसरे देशों से फिलहाल कम है. इनमें स्पेन और आयरलैंड जैसे वो देश भी शामिल हैं जिन्हें जर्मन राजनेताओं से अर्थशास्त्र पर व्याख्यान सुनना पड़ता था. विशेष रूप से रक्षा के मुद्दे पर, न केवल जर्मनी; एक पूरे के रूप में यूरोप रक्षा में संयुक्त राज्य अमेरिका के कंधों पर अपने सिर के साथ चुप रहा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, यूरोप ने रक्षा पर अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश नहीं की। इसलिए यूरोप में विभिन्न अमेरिकी ठिकानों पर लगभग दस लाख अमेरिकी सैनिक तैनात थे, और जर्मनी जैसे देश ने रक्षा तैयारियों के विषय को एक 'विकल्प' के रूप में रखा। यह अब बदल जाएगा, खासकर इंग्लैंड और जर्मनी दोनों ने अपने रक्षा खर्च में काफी वृद्धि करने की कसम खाई है। इंग्लैंड को 'परमाणु कवर' प्रदान करने का प्रस्ताव दिया गया है। यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि यूरोप अब संयुक्त राज्य अमेरिका को अपना विश्वसनीय मित्र और भागीदार नहीं मानेगा । मर्ज़ ने उसी अर्थ में चुनाव के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका की आलोचना की। अमेरिका की रूस समर्थक, पुतिन समर्थक नीति यूरोप को स्वीकार्य नहीं है। संयुक्त राज्य अमेरिका से इस तरह के अलगाव का अर्थ है आर्थिक और रक्षा मुद्दों पर आत्मनिर्भर बनना। जर्मनी के निवर्तमान चांसलर शुल्त्स ने वास्तव में उस दिशा में कदम उठाना शुरू कर दिया था। जर्मनी हाल के दिनों में चीन के साथ बहुत व्यापार कर रहा है। इसके पीछे यही विचार था। ऐसा लगता है कि कई देशों की नीति है कि वे हर उस चीज को बंद कर दें जो अमेरिका विरोधी है। हालांकि, उस दिशा में अपने प्रयासों में, सरकार घरेलू आर्थिक और सामाजिक मुद्दों को संतुलित नहीं कर सकी, अपना बहुमत खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप मध्यावधि चुनाव हुए। शायद ही कोई ऐसा महीना गुजरा हो, जिसमें उदार अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में संकट की स्थिति की घोषणा न की गई हो।

2016 में ट्रम्प प्रशासन की शुरुआत के बाद से इन घोषणाओं आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हुई हैं; और वास्तव में, उदाहरण के लिए, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण, चीन के अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में विस्तार और अनैतिक प्रभाव, पेरिस समझौते से अमेरिका का बाहर होना, अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य निश्चित रूप से गहरे संरचनात्मक बदलावों से गुजर रहा है। घरेलू तौर पर, बढ़ते (पश्चिमी) राष्ट्रवाद और अंदरुनी स्थिति की ओर देखने की सामान्य प्रवृत्ति संभावित वैश्विक चुनौतियों के लिए सहयोग जुटाने की क्षमता के मामले में अंतरराष्ट्रीय माहौल को पूरी तरह से बदल देती है।

उच्च शिक्षा में महिलाओं में अग्रणी परिवर्तन

विजय गर्ग

महिला शैक्षणिक नेता और उद्यमी न केवल संस्थानों को आकार दे रहे हैं, बल्कि उनके ग्रिट और दृढ़ संकल्प के साथ भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी बढ़ाते हैं महिलाएं आज सामने से अग्रणी हैं - शिक्षाविदों या शिक्षा, मीडिया, स्वास्थ्य सेवा, सशस्त्र बलों और कई अन्य क्षेत्रों में। देश एक महत्वपूर्ण बदलाव देख रहा है कि महिला नेताओं को पहले कैसे माना जाता था। भारतीय उच्च शिक्षा परिदृश्य भी एक मजबूत महिला-नेतृत्व वाले बल द्वारा संचालित किया जा रहा है, जो देश की प्रगति की नींव रखता है, सामाजिक-आर्थिक विकास, आत्मनिर्भरता और जीवन की बेहतर गुणवत्ता के लिए अवसरों को अनलॉक करता है। कहने की जरूरत नहीं है, विकसीट भारत की यात्रा में महिला सशक्तिकरण के लिए शिक्षा आवश्यक है। शिक्षित महिलाएं परिवर्तन, उत्थान परिवारों, समुदायों को मजबूत करती हैं और राष्ट्रीय प्रगति को ईंधन देती हैं, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्थायी प्रभाव पैदा करती हैं। वर्तमान परिदृश्य और उल्लेखनीय उल्लेख भारतीय उच्च शिक्षा तब पुरुष-प्रधान रहती है जब यह नेतृत्व की बात आती है, यहां तक कि महिलाएं एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, डेटा बताते हैं। 2021 में, महिलाओं ने भारतीय उच्च शैक्षणिक संस्थानों के सिर्फ 9.55 प्रतिशत का नेतृत्व किया, जबकि पुरुषों ने 89.57 प्रतिशत का नेतृत्व किया। यह अकादमिक नेतृत्व में महिलाओं के अधिक समावेशी प्रतिनिधित्व को बेहद महत्वपूर्ण बनाता है। यदि हम अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य के साथ भारत की तुलना करते हैं, तो इसे भरने के लिए अभी भी एक बड़ा अंतर है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, वैश्विक स्तर पर शीर्ष 200 विश्वविद्यालयों में 25 प्रतिशत नेतृत्व के पदों पर महिलाओं द्वारा कब्जा कर लिया गया है। अच्छी खबर यह है कि तस्वीर काफी बदल रही है, खासकर पिछले कुछ वर्षों में। यहां तक कि अतीत में, देश ने एक अग्रणी समाज सुधारक, सावित्रिबाई फुले जैसे दूरदर्शी महिला नेताओं को देखा है, जिन्होंने अपने पति ज्योतिरो फुले के साथ, 1848 में लड़कियों के लिए भारत के पहले स्कूल की स्थापना की, जिसमें महिलाओं की शिक्षा और सामाजिक न्याय की चैंपियन थे। अन्य उल्लेखनीय और व्यावहारिक महिला नेता जो उच्च शिक्षा में एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित कर रहे हैं, उनमें लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के सुश्री रश्मि मित्तल, प्रो-चांसलर और नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के डॉ। उमा भारद्वाज, वाइस-चांसलर शामिल हैं। अन्य सम्मानजनक उल्लेखों में डॉ। मधु चितकारा, चितकारा विश्वविद्यालय में समर्थक चांसलर और 42 साल के एक विशाल अनुभव के साथ एक उच्च शिक्षा उद्यमी शामिल हैं, जिन्होंने खरोंच से एक सफल विश्वविद्यालय का निर्माण किया है; डॉ। अनन्या मुखर्जी, शिव नादर विश्वविद्यालय, दिल्ली-एनसीआर के कुलपति, एक संस्था के रूप में मान्यता प्राप्त। इसके अलावा, व्यवसाय और उद्यमशीलता के अंतरिक्ष में महिला नेताओं ने भी भारतीय युवाओं को प्रेरित किया है। उल्लेखनीय उल्लेखों में किरण माजुमदार शॉ और इंद्र नूयी शामिल हैं। महिला नेता समावेशी वातावरण और नवाचार के माध्यम से भारतीय उच्च शिक्षा को बदल रही हैं। नेतृत्व की स्थिति में अधिक महिलाएं विविधता बढ़ाती हैं और शिक्षाविदों में नए दृष्टिकोण लाती हैं। अपने प्रयासों के माध्यम से, वे भविष्य की पीढ़ियों के लिए भारत में अधिक प्रगतिशील और न्यायसंगत शैक्षिक परिदृश्य के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। अकादमिया में महिला नेताओं द्वारा सामना की गई चुनौतियां महिला नेताओं के लिए चुनौतियों में एक छोर पर सामाजिक रूढ़िवादिता और दूसरे में एक संस्था की बाधाएं शामिल हैं। कई महिलाएं अभी भी नेताओं के रूप में, विशेष रूप से पारंपरिक क्षेत्रों में अपनी क्षमता के बारे में उनके खिलाफ गंभीर पूर्वाग्रहों का सामना कर रही हैं। महिलाओं को अपने पेशेवर उन्नति के लिए संरक्षक और नेटवर्क प्राप्त करने के अवसरों की कमी होती है। दुनिया भर में महिला नेताओं के लिए मुख्य मुद्दे काम-जीवन संतुलन और वरिष्ठ नेतृत्व के पदों में अपर्याप्त उपस्थिति से संबंधित हैं। भारतविश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के माध्यम से देश भर में महिला संकाय को ओरिएंट और प्रशिक्षित करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण लिया है। इन पहलों को महिलाओं को नेतृत्व भूमिकाओं के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो उन्हें सही कौशल और ज्ञान से लैस करते हैं। अन्य देशों में ऐसे कार्यक्रम हैं जो नेतृत्व प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हैं और शिक्षाविदों में महिलाओं के लिए बाधाओं को तोड़ने के लिए समावेशिता। कुछ देशों ने शिक्षाविदों में प्रतिनिधित्व की गई महिलाओं की संख्या में प्रभावशाली वृद्धि देखी है, लेकिन दुनिया को अभी भी भारत सहित एक लंबा रास्ता तय करना है। शिक्षक और नेताओं के रूप में महिलाएं शिक्षा में सशक्तिकरण केवल पहुंच का प्रश्न नहीं है; इसमें महिलाओं को शिक्षकों, नेताओं और मॉडलों की भूमिका से लैस करना शामिल है। स्कूलों और कॉलेजों में महिलाओं की बढ़ती संख्या ने लड़कियों के लिए शिक्षाविदों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक प्रेरक बल के रूप में काम किया है। उच्च शिक्षा नेतृत्व संस्थानों में महिलाओं के बीच विविध दृष्टिकोण एक समावेशी और अभिनव वातावरण बनाते हैं। महिला प्रोफेसरों ने प्रगतिशील शैक्षिक नीति और अनुसंधान गुणवत्ता के लिए बैकबोन का गठन किया है। कई महत्वपूर्ण विभागों और महत्वपूर्ण अनुसंधान पहलों में अब महिलाएं उन्हें चला रही हैं, विश्वविद्यालय के जीवन में उनके प्रभाव के प्रभाव का सबूत है। लड़कियों और महिलाओं के लिए अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित कार्यक्रम और फैलोशिप, विशेष रूप से इन एसटीईएम क्षेत्रों में, इन विषयों के भीतर रचनात्मकता और उत्कृष्टता की संस्कृति की संस्कृति में मदद की है। वर्तमान में, भारत के कुछ सबसे हाई-प्रोफाइल विश्वविद्यालयों और संस्थान हैं, जिसमें महिलाओं के साथ, शिक्षा को और अधिक सुलभ और न्यायसंगत बनाने की प्रवृत्ति की अगुवाई की गई है। महिला नेता शिक्षाविदों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उदाहरण के लिए, महिलाओं के नेतृत्व वाली संस्थाएं, प्रतिस्पर्धी परीक्षा कोचिंग संस्थानों की तरह, अपनी आकांक्षाओं को आकार देने में हजारों छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए जिम्मेदार हैं। इस प्रकार, यह स्पष्ट है कि महिला नेता शिक्षा में परिवर्तनकारी परिवर्तन ला सकते हैं और महान परिवर्तन प्रबंधक हो सकते हैं। उत्प्रेरक या परिवर्तन के एजेंट के रूप में महिलाएं महिलाएं शिक्षक और परिवर्तन के एजेंट हैं। वे इनोवेटर हैं जो ज्ञान अंतराल को भरने, समावेश को बढ़ावा देने और समुदायों को सशक्त बनाने में अच्छे नेता हैं। एक जबरदस्त, समाधान-केंद्रित और उत्तरदायी कार्यबल में उनका योगदान विशेष रूप से इस सरल कारण के लिए अपरिहार्य है कि यह न केवल आर्थिक समृद्धि बल्कि सामाजिक न्याय को भी सुनिश्चित करना है। शिक्षा में महिलाओं का सबसे गहरा-गहरा प्रभाव वयस्क साक्षरता और कौशल विकास में रहा है। महिला शिक्षकों ने ग्रामीण और हाशिए के समुदायों की साक्षरता दर को बढ़ाने की प्रक्रिया का नेतृत्व किया है, जिससे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में बहुत सुधार हुआ है।

शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव है अध्यापिकाओं की बढ़ती संख्या

प्रियंका सौरभ

यूडीआईएसई+ 2023-24 रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्कूल शिक्षकों में अब 53.34 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो शिक्षा में उनकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। उच्च शिक्षा में केवल 43% संकाय महिलाएं हैं, नेतृत्व की भूमिकाओं में उनका प्रतिनिधित्व और भी कम है। शैक्षणिक जगत में लैंगिक समानता अभी भी जड़ जमाये पूर्वाग्रहों, व्यावसायिक बाधाओं और संस्थागत कठिनाइयों के कारण बाधित है। भारत के शिक्षण कार्यबल में महिलाओं के प्रतिशत में वृद्धि शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशिता और सामाजिक समानता में आमूलचूल परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। शिक्षणशास्त्र में लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती दी जाती है, समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, तथा महिला शिक्षकों द्वारा महिला विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि की जाती है। छात्रों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, महिला शिक्षक कक्षा में अधिकाधिक भागीदारी और लिंग-संवेदनशील शिक्षण को प्रोत्साहित करती हैं। यूनेस्को की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं द्वारा संचालित कक्षाओं में समावेशी भागीदारी 20% अधिक होती है। सामाजिक बाधाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करके, महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है। महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के कारण बिहार की कन्या उत्थान योजना में महिलाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत किशोरियों को महिला शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महिला शिक्षकों द्वारा भावनात्मक समर्थन देने की संभावना अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों का कल्याण बेहतर होता है। उच्च शिक्षा संकाय पदों में महत्वपूर्ण लैंगिक असमानताएं महिला संकाय सदस्यों के कम प्रतिनिधित्व के कारण होती हैं। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार, शिक्षण पदों पर पुरुषों की संख्या अधिक होने के बावजूद, उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43% है। आईआईटी और एनआईटी में महिला संकाय का प्रतिनिधित्व अभी भी 20% से कम है, जो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में लैंगिक असमानताओं को दर्शाता है। अकादमिक नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर स्तर तक सीमित है, जहां उनका प्रतिशत तेजी से गिरता है। सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में 25% से भी कम पूर्ण प्रोफेसर महिलाएं हैं, जो निर्णयों को प्रभावित करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। भारत के शीर्ष 50 विश्वविद्यालयों में 10% से भी कम कुलपति महिलाएं हैं। सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं के कारण, केरल और तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों में महिलाओं की भागीदारी अधिक है, जबकि ग्रामीण और उत्तर भारतीय विश्वविद्यालयों में यह कम है। केरल के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में आधे से अधिक प्राध्यापक महिलाएं हैं, जबकि बिहार और राजस्थान में यह प्रतिशत 30% से भी कम है। नियुक्ति और पदोन्नति में अचेतन पूर्वाग्रहों के कारण महिलाओं के नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाने की संभावना कम होती है। अकादमिक महिलाओं को प्रायः मार्गदर्शन और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क का अभाव होता है, जो शोध के अवसरों और कैरियर में उन्नति के लिए आवश्यक है। कई महिलाएं घर के कामकाज की दोहरी जिम्मेदारी के कारण अपने करियर में ब्रेक ले लेती हैं, जिसका असर उनकी उन्नति और शोध कार्य की संभावनाओं पर पड़ता है। समान कैरियर उन्नति के अवसर सुनिश्चित करना, लिंग कोटा स्थापित करना, चयन समितियों की निष्पक्षता सुनिश्चित करना तथा स्पष्ट पदोन्नति मानकों को लागू करना, शैक्षणिक नियुक्ति समितियों में 40 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व की अनिवार्यता के द्वारा, जर्मनी का डीएफजी कार्यक्रम अधिक महिलाओं को उच्च शिक्षा में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करता है। शिक्षाविदों में महिलाओं की मेंटरशिप और नेटवर्किंग अवसरों तक पहुंच बढ़ानाः महिला संकाय सदस्यों को वरिष्ठ शिक्षाविदों के साथ जोड़ने के लिए औपचारिक मेंटरशिप कार्यक्रम स्थापित करना, वित्तपोषण के अवसरों, अनुसंधान और नेतृत्व विकास पर सलाह देना। केंद्रित मार्गदर्शन और समर्थन नेटवर्क के मूल्य के प्रमाण के रूप में, अमेरिका का विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं कार्यक्रम नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने में सहायक रहा है। कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देना, परिसर में बाल देखभाल सेवाएं प्रदान करना, सवेतन मातृत्व अवकाश बढ़ाना, तथा लचीले कार्यकाल पथ को लागू करना, महिला संकाय सदस्यों को मातृत्व के बाद एक वर्ष का कार्यकाल विस्तार प्रदान करके उनके शोध करियर को जारी रखने में मदद करता है।

साझा संकलन की सैर

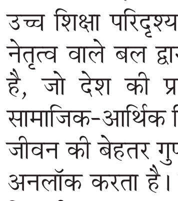

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आधुनिक साहित्य का यह नजारा किसी प्राचीन महाकाव्य से कम नहीं है। हर साल, साहित्य प्रेमियों का एक बड़ा मेला सजता है, जिसमें लेखकों का एक समूह अपने शब्दों की जादूगरी दिखाने के लिए जुटता है। वे अपनी रचनाओं के साथ खड़े होते हैं, जैसे किसी रंगमंच पर अदाकारी करने वाले कलाकार। लेकिन, इस रंगमंच का एक अलग ही नजारा होता है, जहाँ पुरस्कारों की चमक से ज्यादा कुछ नहीं दिखता। हमारी कथा के नायक हैं, रघुवीर शुक्ल, जो एक साधारण से लेखक हैं। उनके पास एक पुराना टाइपरायटर है, जो समय के थपेड़ों के चलते कभी-कभी खुद से शब्द निकालती है। लेकिन रघुवीर को साहित्य का गंभीरता से पालन करने का बड़ा शौक था। उन्होंने अपने मन में ठान लिया था कि वह पुरस्कार जीतेंगे। यह विचार उनके मन में ऐसा गहराया, जैसे किसी बकरी की सोच में घास। लेखक शुक्ल ने अपने आसपास के लेखकों की कथा सुनी थी, जो पुरस्कारों की बौछार में अपने नाम की महिमा गा रहे थे। उनकी कामना थी कि उन्हें भी साहित्यत सत्कार का सौभाग्य मिले! उन्होंने अपने छोटे से गांव में अपने मित्रों को इकट्ठा किया और पुरस्कारों की योजना बनाने लगे। अब बात करते हैं, उन संपादकों की, जो इस साहित्यिक नाटक में असली कलाकार होते हैं। उन्होंने शब्दों को संजोने के लिए ऐसे जाल बिछाए हैं कि एक नया लेखक उनके जाल में छटपटाते हुए फँस जाए। संपादक, रौनक चौबे, एक ऐसा शख्स है, जो हर साल सैकड़ों साझा संकलनों का संपादन करता है। उन्होंने यह कला सीखी है कि कैसे लेखक को अपने जाल में फंसा कर उन्हें पैसे निकालने पर मजबूर किया जाए।

आपकी रचना में गहराई की कमी है," रौनक चौबे ने एक लेखक से कहा, "लेकिन अगर आप थोड़ी धनराशि अर्पित करेंगे, तो हम इसे प्रकाशित कर देंगे।" यह सुनकर लेखक का चेहरा ऐसा हो गया, जैसे उसकी मम्मी ने उसे मीठा खाने से मना कर दिया हो। अब हमें बात करनी है, पाठकों की। वे लोग जो हमेशा सबसे पीछे खड़े होते हैं और एक अदद अच्छी रचना की प्रतीक्षा करते हैं। पाठक कभी-कभी ऐसे दिखते हैं, जैसे कोई सपने में खोया हुआ बच्चा। वे अच्छी रचना को ऐसे देखते हैं, जैसे बच्चा मिठाई की दुकान में। लेकिन जब वह सच्चाई की ओर बढ़ता है, तो उसकी चॉकलेट की आसमानी दीवारें टूट जाती हैं। लेखकों को पुरस्कारों की आवश्यकता होती है, लेकिन यह पुरस्कार कभी उनके पास नहीं आते। जैसे ही पुरस्कारों की घोषणा होती है, लेखक अपने चश्मे को ठीक करने लगते हैं और सोचते हैं, "क्या ये वही लेखक है, जिसने कभी कुछ ढंग का लिखा नहीं?"इस सब में एक और दिलचस्प मोड़ आता है।

अमावस्या को अमावस या अमावसी के नाम से भी जाना जाता है

दर्श अमावस्या

शुभ मुहूर्त
ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 05 बजकर 08 मिनट से 05 बजकर 58 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 29 मिनट से 03 बजकर 15 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 17 मिनट से 06 बजकर 42 मिनट तक
निशिता मुहूर्त - रात्रि 12 बजकर 09 मिनट से 12 बजकर 58 मिनट तक

हर महीने के कृष्ण पक्ष की आखिरी तिथि पर अमावस्या मनाई जाती है। इस दिन पितरों का तर्पण और पिंडदान किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इन कामों को करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। साथ ही पितरों को मोक्ष मिलता है। पितरों की कृपा से सुख और सौभाग्य वृद्धि होती है। इस बार फाल्गुन अमावस्या की डेट को लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कुछ लोग फाल्गुन अमावस्या 27 फरवरी की बता रहे हैं, तो कुछ लोग इस पर्व को 28 फरवरी को मनाने की बात कह रहे हैं। ऐसे में लोग कन्फ्यूज हो रहे हैं कि आखिर फाल्गुन अमावस्या की सही डेट क्या है? आइए हम आपको बताएंगे इस पर्व की सही डेट और शुभ मुहूर्त के बारे में।

फाल्गुन अमावस्या 2025 डेट और शुभ मुहूर्त वैदिक पंचांग के अनुसार, फाल्गुन अमावस्या तिथि की शुरुआत 27 फरवरी को सुबह 08 बजकर 54 मिनट पर होगी। वहीं, अगले दिन यानी 28 फरवरी को सुबह 06 बजकर 14 मिनट पर फाल्गुन अमावस्या का समापन होगा। ऐसे में 27 फरवरी को फाल्गुन अमावस्या का पर्व मनाया जाएगा।

दर्श अमावस्या का माहात्म्य

पितरों का तर्पण: दर्श अमावस्या पितरों को समर्पित होती है। इस दिन गंगा, यमुना या किसी पवित्र नदी में स्नान करके पितरों को तर्पण और पिंडदान करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है। यह दिन पितरों की कृपा पाने के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।

दान और पुण्य: इस दिन दान का विशेष महत्व है। जरूरतमंदों को अनाज, वस्त्र, तिल और गुड़ का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। यह दिन आध्यात्मिक साधना और दान के लिए उपयुक्त है।

धार्मिक अनुष्ठान: दर्श अमावस्या के दिन भगवान विष्णु और शिवजी की पूजा का भी प्रचलन है। घर के मुख्य देवता को प्रसन्न करने के लिए भोग और दीपदान किया जाता है। पूजा के दौरान ब्राह्मणों को भोजन कराना भी शुभ माना गया है।

ध्यान और साधना का समय: इस दिन ध्यान, योग और साधना करना विशेष फलदायी होता है। यह समय मानसिक और आत्मिक शांति के लिए उपयुक्त है।

अमावस्या की गहन रात में साधना करने से आत्मा की शुद्धि और ऊर्जा का संचार होता है।

स्नान और तर्पण: सुबह जल्दी उठकर पवित्र नदी में स्नान करें। अगर नदी तक पहुंचना संभव न हो, तो घर में ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें।

पितरों का श्राद्ध: पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध और तर्पण करें। यह क्रिया दक्षिण दिशा की ओर मुख करके की जाती है।

दान का महत्व: तिल, गुड़, कंबल, भोजन और अन्य जरूरत की चीजें दान करें। ब्राह्मणों और गरीबों को यथाशक्ति भोजन कराएं।

उपवास: दर्श अमावस्या पर उपवास रखने से जीवन में सकारात्मकता आती है और पापों से मुक्ति मिलती है। दर्श अमावस्या का महत्व न केवल धार्मिक है, बल्कि यह आत्मिक और मानसिक शांति का भी प्रतीक है। यह दिन हमें पितरों की कृपा प्राप्त करने और पुण्य संचय करने का अवसर देता है। इसलिए इसे पूरे विधि-विधान और श्रद्धा से मनाना चाहिए।

शिवजी के आंसू से बना रुद्राक्ष!
योगी और साधु-संत इसे क्यों पहनते हैं?

रुद्राक्ष का मतलब है शिवजी के आंसू और इसका धारण करना शिवभक्ति का प्रतीक है। इसलिए जूनागढ़ के भवनाथ में महाशिवरात्रि के मेले में साधु-संत मृगीकुंड में स्नान करके रुद्राक्ष धारण करते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि योगी रुद्राक्ष क्यों धारण करते हैं? इसके पीछे का कारण क्या है? आइए जानते हैं...

साधु-संतों में रुद्राक्ष का विशेष महत्व होता है

भवनाथ में मौजूद संत लखनपुरी बापू ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि साधु-संतों में रुद्राक्ष का विशेष महत्व होता है।

रुद्राक्ष का मतलब
है रुद्र का अक्ष। भगवान शंकर के एक आंसू से रुद्राक्ष की उत्पत्ति मानी जाती है। इतना ही नहीं, रुद्राक्ष सभी लोगों के लिए बहुत ही आशीर्वाद समान होता है क्योंकि रुद्राक्ष पहनने से रक्त का संचार नियमित होता है और हृदय को नुकसान कम पहुंचता है। साथ ही रुद्राक्ष के कई फायदे भी शरीर को होते हैं। इसलिए रुद्राक्ष धारण करने वाले साधु लोगों के आकर्षण का केंद्र बनते हैं।

रुद्राक्ष छात्रों के लिए भी बहुत फायदेमंद

हिंदू धर्म में एक मुखी रुद्राक्ष को बहुत ही शक्तिशाली माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसे पहनने से आध्यात्मिक वृद्धि और एकाग्रता आती है।

इसके अलावा, एक मुखी रुद्राक्ष छात्रों के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसे पहनने से व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है।

जिन लोगों की कुंडली में सूर्य कमजोर होता है, उन्हें एक मुखी रुद्राक्ष धारण करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा, आंखों के रोग, सिरदर्द, हड्डियों और ब्लडप्रेशर से संबंधित रोगों में एक मुखी रुद्राक्ष बहुत फायदेमंद होता है।

270 एकड़ में बना मंदिर, महादेव की 1008 मूर्तियां हैं स्थापित, ओम का है आकार..

विश्व में निराला है यह शिव मंदिर

पाली:- आज हम आपको महादेव के ऐसे विशाल मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको राजस्थान के पाली के अलावा पूरी दुनिया में कहीं नहीं मिलेगा। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत है, कि यह ओम आकार का है। और तो और यहां आपको भगवान शिव की न केवल 1008 मूर्तियां मिलेंगी, बल्कि एक ही जगह पर आपको 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन भी हो जाएंगे। दुनिया के सबसे बडे.ओम आकार का यह मंदिर पाली जिले से होकर

गुजरने वाले नेशनल हाईवे 62 पर जाडन के निकट स्थापित किया गया है। इस मंदिर को ओम शिव मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह 270 एकड़ में बना है। महाशिवरात्रि के पर्व पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

मंदिर में हैं 1200 स्तंभ और 135 फीट है लंबा

आपको बता दें, मंदिर में भगवान शिव की 1008 मूर्तियां हैं, जिनमें 12 ज्योतिर्लिंग शामिल हैं। 1200 स्तंभों पर आधारित 135 फीट लंबे इस मंदिर में 108 कमरे हैं और परिसर के केंद्र में गुरु माधवानंद जी की समाधि बनी हुई है। यहां नंदी महाराज की भी विशाल प्रतिमा बनाई गई है। इसके साथ ही यहां सूर्य मंदिर भी है, जो अष्टखंड में बना है और अष्टचक्र का प्रतीक है। इस मंदिर की खासियत यह है कि ये चार खंडों में बंटा है। एक हिस्सा जमीन के अंदर बना है। जबकि तीन हिस्से जमीन के ऊपर हैं। बीचों-बीच मंदिर में स्वामी माधवानंद की समाधि है और समाधि के चारों तरफ सप्त ऋषियों की भी मूर्तियां हैं।

भगवान शिव को है समर्पित यह मंदिर

भगवान शिव को समर्रित ॐ आकार के इस मंदिर में उनसे जुड़ी पौराणिक कथाओं के साथ उनके स्वरूपों का एक साथ दर्शन होगा, जो बेहद दुर्लभ और शुभ माना जाता है। हालांकि भारत में कई शिव मंदिर हैं, लेकिन यह अपने आकार की वजह से चर्चा में है। बता दें, यह महादेव के प्रति समर्पण और भक्ति का प्रतीक है।

कैसे पहुंचे इस मंदिर तक

आपको बता दें, कि पाली जिले से होकर गुजरने वाले नेशनल हाईवे- 62 पर जाडन के निकट ओम आश्रम है। इसके निकट जोधपुर एयरपोर्ट है, जो यहां से करीब 71 किलोमीटर दूर है। वहीं जाडन आश्रम तक ट्रेन से भी पहुंचा जा सकता है। इसके लिए आपको दिल्ली से अहमदाबाद के बीच चलने वाली ट्रेन में मारवाड़ जंक्शन तक का सफर करना होगा। बता दें, कि मारवाड़ जंक्शन से जाड़न आश्रम की दूरी महज 23 किलोमीटर है। इतना ही नहीं पाली-सोजत रूट पर चलने वाली बसों के माध्यम से भी जाडन आश्रम पहुंचा जा सकता है।

यह है इस मंदिर की विशेष खासियत

इस मंदिर को बनाने में करीब 28 साल लगे।
यह मंदिर करीब 250 एकड़ में बना है।
इस मंदिर में करीब 1008 अलग-अलग शिवजी की मूर्तियां हैं।
इस मंदिर में भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन किए जा सकते हैं।
इस मंदिर में नंदी की विशाल प्रतिमा भी बनाई गई है।
इस मंदिर के परिसर में कई भवन हैं, जैसे कि यज्ञ वेदी जैसा दो मंजिला गुरुकुल, स्वास्तिक के आकार का हॉस्टल, और तारा अनुमा अस्पताल भवन।
इस मंदिर के आस-पास कृत्रिम पहाड़ और तालाब बनाए गए हैं।

सीता जी का मां के गर्भ से क्यों नहीं हुआ था जन्म?

त्रेतायुग में भगवान विष्णु ने रावण के वध के लिए मनुष्य रूप धारण किया। वे मनुष्य रुप में अयोध्या के राजा दशरथ और कौशल्या के पुत्र श्रीराम बनकर पृथ्वी पर आए। उनका जन्म माता कौशल्या के गर्भ से हुआ था, वहीं माता लक्ष्मी उनकी मदद के लिए सीता जी के रूप में पृथ्वी पर आई थीं। लेकिन उनका जन्म किसी मां के गर्भ से नहीं हुआ था, जबकि उनका प्रकाट्य धरती से हुआ था। खेत में हल चलाते समय राजा जनक को सीता जी धरती से मिली थीं। ऐसा क्यों?

पौराणिक और सनातन से जुड़े विषयों के भगवान राम के जन्म के बाद देवों को समझ में आया कि उन्होंने इतना अच्छा मनुष्य धरती पर भेज दिया, जो अपने पिता के एक प्रण को पूरा करने के लिए सिंहासन छोड़ दे रहा है। वह व्यक्ति इतने दूर समुद्र के पार कैसे दूसरे के राज्य पर हमला करेगा?

तब शायद माता लक्ष्मी जी सभी देवी की मदद के लिए आई होंगी। लक्ष्मी जी बोली होंगी कि कोई बात नहीं, मारने वाले को साधारण होना है, लेकिन उसके आस पास तो मदद हो सकती है तो मैं जाती हूं।

इसलिए धरती से निकलीं माता सीता

इस पर देवों ने उनको बताया होगा कि नहीं, नहीं। आप किसी मानव यानि योनि से पैदा होंगी तो रावण ने मेघनाद के जीवन को सुरक्षित और अच्छा बनाने के लिए सभी ग्रहों को अपने नियंत्रण में कर रखा है। तो वह जब चाहेगा, वो ग्रहों की स्थिति को बदलकर आपकी बुद्धि को भ्रष्ट कर देगा। ग्रह उसके आदेशों पर गति करते हैं। इससे गड़बड़ हो जाएगा और वह आपको नियंत्रित कर लेगा। इस पर लक्ष्मी जी ने कहा कि योनि से पैदा होंगी तो वह नियंत्रित कर लेगा, तो मैं धरती से निकलूंगी, मेरी कोई जन्म तिथि और समय ही नहीं होगा, तो कुंडली कैसे बनेगी। जब कुंडली नहीं होगी तो ग्रहों को क्या कहा जा सकता है। इसलिए सीता जी का प्रकाट्य धरती से हुआ।

इस दिन मनाते हैं जानकी जयंती

हालांकि हिंदू कैलेंडर के अनुसार, वैशाख शुक्ल नवमी तिथि को सीता जी का धरती से प्रकाट्य हुआ था, इसलिए उस दिन जानकी जयंती या सीता नवमी मनाते हैं। हालांकि इसमें तिथि की बात की जाती है, जन्म का समय नहीं दिया गया है। माता सीता के जन्म से जुड़ी कई कथाएं मिलती हैं, जिसमें वाल्मिकी रामायण की कथा ज्यादा प्रामाणिक मानी जाती है।

1. वाल्मिकी रामायण में माता सीता के धरती से प्रकट होने की कथा है, जिसमें जनक जी को खेत में हल चलाते समय सीता जी शिशु रूप में मिलती है। उनके जन्म पर वर्षा होती है और मिथिला का अकाल खत्म हो जाता है।

2. ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, विष्णु भक्त वेदवती नामक स्त्री ने रावण को श्राप दिया था कि वह उसकी पुत्री रूप में जन्म लेगी और उसके सर्वनाश का कारण बनेगी। कहा जाता है कि वही सीता संतान रूप में रावण और मंदोदरी के घर जन्म लेती है, जिसे रावण समुद्र फेंकता है। देवी वरुणी उस कन्या शिशु को धरती माता को सौंपती हैं। वही राजा जनक को पुत्री रूप में प्राप्त होती हैं।

3. अद्भुत रामायण के अनुसार, गृत्समद ऋषि माता लक्ष्मी को पुत्री स्वरूप में पाने के लिए तप कर रहे थे। तभी रावण पहुंचा और उस आश्रम के ऋषियों को मारकर उनके खून को एक घड़े में भरकर लंका ले गया। उस घड़े के खून को मंदोदरी पी गई, जिससे वो गर्भवती हो गई। उसने एक बच्ची को जन्म दिया और उसे मिथिला में जाकर जमीन में छिपा दी।

खेलते-खेलते बच्चे ने कर दी गलती, शिवलिंग से बहा खून और जाग उठे भोलेनाथ!

महाराष्ट्र में भी हर गांव में शिव मंदिर हैं, जिनका एक बड़ा इतिहास और उनसे जुड़ी कहानियां होती हैं। सोलापुर जिले के मोहोल तालुका में स्थित पापरी का स्वयंभू महादेव मंदिर पंचक्रोशी में प्रसिद्ध है।

तेरहवां मातृलिंग है

मोहोल तालुका के पापरी में पुणे-सोलापुर हाईवे से कुछ दूरी पर स्थित है स्वयंभू लिंग वाला प्रसिद्ध महादेव मंदिर। पहले यहां हेमाडपंथी शैली का एक छोटा मंदिर था। बाद में भक्तों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बड़ा मंदिर बनाया गया। मंदिर में स्वयंभू शिवलिंग है, जिसमें 12 लिंग हैं और तेरहवां मातृलिंग है, जिसे माता पार्वती का प्रतीक माना जाता है।

कहानी इस प्रकार है

पहले महादेव की माला पर जंगल था। इस जंगल में किसान के बच्चे जानवर चराने आते थे। जानवरों की देखभाल करते समय बच्चे यहां खेलते थे। एक

दिन एक बच्चे से गलती से लिंग पर काठी लग गई। इसके बाद शिवलिंग से खून बहने लगा। यह देखकर बच्चे डर गए और घर जाकर अपने माता-पिता को बताया। बड़े लोग वहां आए और जमीन से निकले शिवलिंग को देखा। तब से भगवान भोलेनाथ के इस लिंग की श्रद्धा से पूजा होने लगी। अरुण माली ने यह जानकारी दी।

इस क्षेत्र में बुधगांव के राजा का शासन था। उस समय राजा के कोई संतान नहीं थी। एक दिन राजा घूमते-घूमते इस स्थान पर आए। जानवर चराने वाले बच्चों से पूछने पर उन्होंने बताया कि यहां महादेव का लिंग है। शिवलिंग का दर्शन कर राजा ने संतान प्राप्ति के लिए मन्नत मांगी। बाद में राजा को पुत्र हुआ और उन्होंने इस शिवलिंग पर हेमाडपंथी शैली में एक छोटा मंदिर बनवाया। यह कहानी भी माली ने बताई।

मुश्किल में फंसी धनुष की 'कुबेर', शीर्षक को लेकर निर्माताओं पर लगा बडा आरोप

साउथ सुपरस्टार धनुष और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों 'कुबेर' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित 'कुबेर' धनुष और सुपरस्टार नागार्जुन के बीच पहला सहयोग है। फिल्म में रश्मिका मंदाना मुख्य नायिका की भूमिका में हैं। सभी किरदारों के फर्स्ट लुक पहले ही जारी हो चुके हैं। वहीं, इस बीच अब खबर है कि 'कुबेर' अब मुश्किल में फंस चुकी है।

फिल्म के निर्माताओं पर लगा आरोप

करीमकोंडा नरेंद्र नाम के एक टॉलीवुड निर्माता ने दावा किया है कि उन्होंने नवंबर 2023 में तेलुगु फिल्म निर्माता परिषद के साथ कुबेर शीर्षक पंजीकृत किया था और उन्होंने अपनी फिल्म की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा पहले ही पूरा कर लिया है। नरेंद्र ने निर्देशक शेखर कम्मुला पर शीर्षक के उल्लंघन का आरोप लगाया और शीर्षक बदलने या उन्हें हुए नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की। नरेंद्र ने तेलुगु फिल्म चैंबर से हस्तक्षेप करने और न्याय करने का अनुरोध किया है।

फिल्म की शूटिंग पूरी

वहीं, इन आरोपों पर अब तक 'कुबेर' की टीम, धनुष या नागार्जुन में से किसी ने भी चुप्पी नहीं तोड़ी है। शीर्षक की मुसीबत के बीच शेखर कम्मुला की कुबेर की शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन की औपचारिकताएं चल रही हैं। फिल्म का टीजर भी पहले ही जारी हो चुका है।

फिल्म की कहानी

फिल्म में धनुष के किरदार की बात करें तो कुबेर में धनुष एक ऐसे किरदार को निभा रहे हैं, जो एक बेघर व्यक्ति के रूप में शुरू होता है, लेकिन अंततः एक शक्तिशाली माफिया सरगना बन जाता है। रश्मिका और धनुष के साथ फिल्म में अक्किनेनी नागार्जुन, संदीप किशन, जिम सर्भ और अन्य भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म में नागार्जुन एक पुलिस ऑफिसर का किरदार निभा रहे हैं।

शेखर-धनुष की पहली फिल्म

सुनील नारंग और पुष्कर राम मोहन राव द्वारा निर्मित 'कुबेर' में संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी निकेथ बोम्मी ने की है। प्रोडक्शन डिजाइनर रामकृष्ण सब्बानी और मोनिका निगोत्रे तकनीकी दल का हिस्सा हैं। इस फिल्म के जरिए निर्देशक शेखर कम्मुला और धनुष पहली बार साथ काम कर रहे हैं। 'कुबेर' शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित एक बहुभाषी फिल्म है।

रैपर किंग के साथ नजर आएंगी पलक तिवारी?

अभिनेत्री पलक तिवारी और रैपर किंग दो ऐसे नाम हैं, जिन्हें आप आमतौर पर एक साथ नहीं जोड़ेंगे क्योंकि अब दोनों एक साथ नई सीरीज में एक साथ नजर आने वाले हैं। पलक की बात करें तो वह लगातार बॉलीवुड में अपनी पहचान बना रही हैं, तो वहीं दूसरी और किंग, जो 'मान मेरी जान' गाने के हिटमेकर हैं, दोनों ही अपने आप में अलग हैं। एक बड़े पर्दे पर चमकता है तो दूसरा हमारी प्लेलिस्ट पर राज करता है।

कौन निभाएगा किसका किरदार

पलक तिवारी और किंग के रोमांटिक जोड़ी के रूप में स्क्रीन स्पेस साझा करने के बारे में हाल ही में अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब रैपर किंग और पलक एक साथ इस आगामी सीरीज में नजर आएंगे। अहम बात यह है कि इस फिल्म में रैपर किंग एक प्रेमी की भूमिका नहीं बल्कि पलक के भाई की भूमिका निभाएंगे। यह सीरीज 9 भागों में रिलीज होगी। बहलहाल, अभी तक इस सीरीज को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

इस सीरीज में नजर आएंगी पलक तिवारी

पलक मशहूर टेलीविजन अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी हैं। उन्होंने 2021 में वेब सीरीज 'रोजीः द सैफरन चैप्टर' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। पलक ने सलमान खान की मुख्य भूमिका वाली मल्टी-स्टारर बॉलीवुड फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में मुस्कान की भूमिका भी निभाई। हालांकि, यह हार्डी संधू का संगीत वीडियो बिजली बिजली था, जिसने पलक को बहुत प्रसिद्धि दिलाई। अब पलक एक सीरीज में नजर आने वाली हैं।

रैपर किंग

इस बीच, किंग एक भारतीय गायक-गीतकार, रैपर और संगीत निर्माता हैं। 2019 में, वे भारत के रियलिटी शो एमटीवी हसल में फाइनलिस्ट के रूप में प्रसिद्ध हुए। उन्हें उनके सिंगल्स घुमशुदा, तू आके देखले, ऊप्स और मान मेरी जान के लिए जाना जाता है।

'द भूतनी' मूवी में भूतनी बनीं मौनी रॉय से मुकाबला करते दिखेगें संजय दत्त

संजय दत्त जल्द ही हॉरर कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म में अभिनेत्री मौनी रॉय मुख्य भूमिका में हैं। निर्माताओं ने आज महाशिवरात्रि के खास अवसर पर फैंस को बड़ा तोहफा दिया। निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक का खुलासा कर दिया है। फिल्म का नाम 'द भूतनी' है। इसके साथ ही निर्माताओं ने फिल्म का टीजर भी जारी किया है।

इससे पहले बीते दिन निर्माताओं ने फिल्म का पोस्टर जारी किया था। वहीं, आज टीजर जारी कर इसके नाम का खुलासा किया गया। साथ ही इसकी रिलीज डेट भी बताई गई। वीडियो की शुरुआत संजय दत्त द्वारा भगवान शिव के श्लोकों के उच्चारण से होती है। डरावनी आवाजों और असामान्य घटनाओं के बीच एक पुरानी हवेली को दिखाया गया। वीडियो में मौनी रॉय को भूतनी बनकर तबाही मचाते हुए देखा गया। संजय दत्त को भूतों से लड़ने वाले व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है।

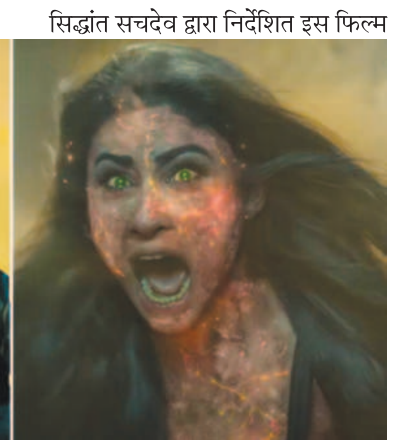

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

वहीं, अब फिल्म में भूतनी बनीं मौनी रॉय और बचाव करने वाले व्यक्ति बने संजय दत्त के बीच मजेदार जंग देखने को मिलेगी। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। संजय दत्त ने फिल्म का टीजर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'इस गुड फ्राइडे को डर को एक नई तारीख मिलेगी, जो है 18 तारीख। पहले कभी न देखी गई हॉरर, एक्शन और कॉमेडी के लिए तैयार हो जाइए। भूतनी मचाएगी तांडव 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में।

फिल्म के कलाकार

सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में संजय दत्त और मौनी रॉय के साथ सनी सिंह, पलक तिवारी, आसिफ खान और बेयूनिक भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स प्रस्तुत, सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन, दीपक मुकुट और संजय दत्त द्वारा निर्मित, हुनर मुकुट और मान्यता दत्त द्वारा सह-निर्मित है।

काम वह पसंद जिसमें 'चैलेंज' हो: रश्मि देसाई

छोटे पर्दे पर पहचान पाने वाली रश्मि देसाई ने हाल ही में भारती सिंह के पॉडकास्ट में अपने करियर सहित कई मुद्दों पर बहुत सी बातें कीं। रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' में हिस्सा लेने के बारे में भी रश्मि देसाई ने बात की।

उसने कहा, "यह शो मैंने सिर्फ पैसों के लिए किया था। मुझे उन दिनों पैसों की बहुत जरूरत थी। वे पांच महीने हमारे लिए ऐसे थे, जिन्हें हम आज तक नहीं भुला पाए हैं। 'बिग बॉस' के दौरान मैं जीवन में भी बहुत परिस्थिति से गुजर रही थी। मुझे लगता है कि 'बिग बॉस' करना मेरे जीवन का सबसे अच्छा निर्णय रहा।

रश्मि ने कहा, "मुझे अच्छा काम करना है। मैं ऐसा काम करना चाहती हूं, जिससे मुझे चैलेंज मिले। मैं घूमना चाहती हूं। मैं रोड ट्रिप करना चाहती हूं। मुझे ब्रांड्स का कुछ खास शौक नहीं है लेकिन फिर भी मैं कुछ खर्च करना चाहती हूं। इन सबके बीच खुद को समय देना चाहूंगी। कठिनाई जीवन का एक हिस्सा है। जब आप कड़ी मेहनत करते हैं, जब आप अच्छा काम करते हैं, तो आपको अपने परिश्रम का फल जरूर मिलता है।

रश्मि ने छोटे पर्दे पर खूब लोकप्रियता पाने के बाद 2021 में ओ.टी. टी. पर डेब्यू किया था। वह 'तंदूर' (2021), 'रात्रि के यात्री' (2022), 'एल.एलबी.' (2023), 'वूमनिया' (2024), 'हिसाब बराबर' (2025) जैसी ओ.टी. टी. सीरीज में नजर आ चुकी है। रश्मि ओ.टी. टी. और छोटे पर्दे के अलावा बॉलीवुड फिल्मों में भी नजर आ चुकी है। उसने 'दबंग 2', 'सुपरस्टार' जैसी फिल्मों में काम किया है। बताई इच्छा, किन निर्देशकों के साथ करना चाहती है काम

रश्मि ने अपनी ख्वाहिश का इजहार किया और बताया कि कौन-कौन से निर्देशकों के साथ वह काम करना चाहती है। उसने कहा, "मैंने यह कई बार कहा है और आज फिर कहूंगी। मैं इम्तियाज अली और संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाहती हूं। मैं ऑडिशन देने के लिए तैयार हूं और मुझे उम्मीद है कि मुझे इस जीवन में उनके साथ काम करने का अवसर जरूर मिलेगा। जिस तरह से वे लोगों को जीवन के प्रति एक नया नजरिया देते हैं, वह बहुत खूबसूरत है।

अंकिता पर सस्ती पब्लिसिटी बटोरने का आरोप लगाते हुए रोजलिन का पलटवार

कहते हैं कि दो लोगों के बीच चल रहे विवाद में किसी तीसरे को नहीं कूदना चाहिए, वरना बात का बतंगड़ बनते देर नहीं लगती। ब्रैस्ट कैंसर से जूझ रही हिना खान पर हमदर्दी बटोरने का आरोप लगाने वाली रोजलिन खान का आरोप जब अंकिता लोखंडे को रास नहीं आया तो उसने रोजलिन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर उनकी क्लास लगा दी।

खैर, अब अंकिता पर सस्ती पब्लिसिटी बटोरने का आरोप लगाते हुए रोजलिन ने पलटवार करते हुए एक पोस्ट में लिखा, अंकिता सच्चाई पता करने की बजाय मेरे कैरेक्टर पर सवाल उठा रही हैं और यह सब तमाशा होने के बाद भी तथाकथित 'शेरनी' अपनी सफाई नहीं दे रही हैं। 15 घंटे सर्जरी के बाद स्कूबा डाइविंग, स्नो स्लाइडिंग और हर तरह के स्टंट, शूटिंग कैसे मुमकिन है ? यह उन्होंने अब तक नहीं बताया। हिना का कैंसर कैंसर और मेरा तथा बाकी 20 लाख कैंसर रोकियों का कैंसर टाइम पास ?

उसने अंकिता को सुनाते हुए कहा, जो औरत अपने एक्स की मौत का 'बिग बॉस' में इस्तेमाल कर सकती है, वह मुझे घटियापन के बारे में ज्ञान दे रही है। मैं इससे बिल्कुल भी सरप्राइज्ड नहीं हूं। आ गई सस्ती पब्लिसिटी लेने।

गौरतलब है कि अंकिता ने रोजलिन के लिए सोशल मीडिया पर लिखा था, 'भला कोई इतना नीचे भी कैसे गिर सकता है। हे भगवान! यह बहुत घटिया है !! मैडम मैं आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि यह लड़की हिना कैंसर से बहुत बहादुरी से लड़ रही है।

कैंसर उपचार के बीच हिना खान ने दी गुड न्यूज बताया- कीमोथैरेपी पूरी हो चुकीं

अभिनेत्री हिना खान ने बीते वर्ष सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को बताया कि वे ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। जांच में उन्हें तीसरी स्टेज के ब्रेस्ट कैंसर का पता चला है। यह खबर सुनते ही फैंस चिंता में पड़ गए और उनके लिए दुआ करने लगे। हिना ने भी उपचार के दौरान काफी हिम्मत से काम लिया है। उन्हें चाहने वालों की दुआ, हिना की हिम्मत और उपचार का ही असर है कि हिना ने अब फैंस को खुशखबरी दी है।

पूरी हुई कीमोथैरेपी और सर्जरी

हिना खान ने हाल ही में अपनी हेल्थ पर अपडेट शेयर करते हुए बताया कि उनकी कीमोथैरेपी पूरी हो चुकी हैं। सर्जरी भी हो चुकी है।

दरअसल, हाल ही में उन्हें इम्पैक्ट अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया। इस दौरान जब वे अवॉर्ड लेकर बाहर निकल रही थीं तो पैपराजी ने उनसे बात की। इस दौरान हिना ने कहा कि उनके सभी कीमोथैरेपी सेशन पूरे हो चुके हैं। सर्जरी भी हो चुकी हैं और अब वे दूसरे ट्रीटमेंट पर हैं।

अब चल रही ये थैरेपी

हिना खान ने बताया कि अब उनकी इम्युनो थैरेपी चल रही है। इस थैरेपी के दौरान शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाया जाता है। हिना ने अपनी हेल्थ पर जो अपडेट दिया है, उससे फैंस ने राहत की सांस ली है। हिना का वीडियो विरल भियानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया है।

छोटे परदे से शुरू किया करियर

हिना खान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत छोटे परदे से की। उन्होंने 'यह रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल में अक्षरा का किरदार अदा किया। इसके अलावा हिना ओटीटी सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं। हाल ही में उन्हें 'गृह लक्ष्मी' में देखा गया।

डांस वीडियो के साथ प्रभु देवा ने बेटे का कराया परिचय, कहा- मुझे गर्व महसूस हो रहा है

फिल्म निर्माता, अभिनेता और कोरियोग्राफर प्रभु देवा अपने डांस के लिए मशहूर हैं। उनके डांस स्टेप्स के दीवानें दुनियाभर में हैं। हाल ही में प्रभु देवा ने अपने बेटे ऋषि रागवेंद्र देवा को एक पावर-पैक डांस वीडियो के जरिए पेश किया। अब यह वीडियो सुर्खियां बटोर रहा है।

वीडियो में दिखी पिता-पुत्र की जोड़ी

प्रभु देवा ने मंगलवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें पिता-पुत्र की जोड़ी एक साथ परफॉर्म करती नजर आ रही है। वीडियो में प्रभु देवा और उनके बेटे को मंच पर डांस करते हुए देखा जा सकता है। फैंस उनका उत्साह बढ़ा रहे हैं। प्रभु देवा ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, अपने बेटे ऋषि रागवेंद्र देवा को पेश करते हुए गर्व महसूस हो रहा है, क्योंकि हम पहली बार सुर्खियों में हैं! यह डांस से कहीं बढ़कर है - यह विरासत, जुनून और एक यात्रा है जो अभी शुरू हुई है।

फैंस ने दिए रिएक्शन

प्रभु देवा ने जैसे ही वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट की उनके फैंस कमेंट सेक्शन में टूट पड़े और अपनी प्रतिक्रिया देने लगे। कई यूजर्स ने कमेंट सेक्शन में लिखा, जैसा पिता, वैसा बेटा। इसी तरह कई सारे प्रशंसा वाले कमेंट देखने को मिले।

प्रभु देवा का वर्क फ्रंट

प्रभु देवा एक मशहूर कोरियोग्राफर, निर्देशक और अभिनेता हैं। प्रभु देवा के फैंस उन्हें भारत का माइकल जैक्सन भी कहते हैं। उन्होंने कई हिट गानों की कोरियोग्राफी की है और सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी के लिए दो राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीते हैं। डांस के अलावा प्रभु देवा ने कई फिल्मों का निर्देशन भी किया है। हाल ही में उन्हें हिमेश रेशमिया की फिल्म 'बैडएस रवि कुमार' में देखा गया है।

'फैशन' का मतलब है सीमाओं को पार करना : मलायका अरोड़ा

कभी-कभी मैं नई चीजें आजमाती हूं क्योंकि मुझे लगता है कि विकसित होना और फॉर्मूले से संतुष्ट नहीं होना भी महत्वपूर्ण है।

मलायका अरोड़ा की फैशन को लेकर पसंद उसके आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और रुझानों के प्रति निडर दृष्टिकोण को दर्शाती है। उसने आराम और स्टाइल के बीच संतुलन बनाने की कला में महारत हासिल की है। एक इंटरव्यू में उसने बताया कि कैसे फैशन उसे सशक्त बनाता है और यह भी कि वह सोशल मीडिया के दबाव और अपने स्टाइल के बीच किस तरह संतुलन बनाती है।

जब उससे पूछा गया कि क्या कोई खास पल या अनुभव है, जिसने फैशन के प्रति उसके दृष्टिकोण में बदलाव को प्रभावित किया है, तो उसका कहना था, पिछले कुछ सालों में मेरा स्टाइल निश्चित रूप से विकसित हुआ है। अब मुझे फैशन की बेहतर समझ है - मुझ पर क्या फबता है, मेरे शरीर के लिए क्या अच्छा है, उम्र के हिसाब से क्या उपयुक्त है और अवसर के हिसाब से क्या सही है। जब आप छोटी होती हैं, तो हर वह चीज पहनने के लिए उत्साहित रहती हैं जो ट्रैंडी या कूल हो, लेकिन जैसे-जैसे आप बड़ी होती जाती हैं, आप इस बात से ज्यादा अवगत होती जाती हैं कि आपके लिए क्या सही है। मेरे साथ भी कई बार फैशन से जुड़ी गलतियां हुई हैं, लेकिन यह भी मेरी यात्रा का हिस्सा है।

फैशन है मूड तय करने का शानदार तरीका

फैशन महिलाओं को सशक्त बना सकता है। क्या उसने फैशन का इस्तेमाल इस तरह से किया है, पर वह कहती है, "फैशन खुद को अभिव्यक्त करने और अपने मूड को तय करने का एक शानदार तरीका है।

जब आप अच्छे दिखते हैं, तो अच्छा महसूस करते हैं और यह आत्मविश्वास आपके खुद को पेश करने के तरीके में दिखता है। यह निश्चित रूप से मेरे महसूस करने के तरीके को प्रभावित करता है।

लोग अक्सर कहते हैं कि वे मेरे कपड़े पहनने के तरीके या मेरे खुद को पेश करने के तरीके से प्रेरित होते हैं, जो बहुत अच्छा है क्योंकि फैशन आपके व्यक्तित्व का प्रतिबिम्ब है। चाहे मैं साड़ी पहनूं, जींस पहनूं या जिमवियर, मैं हमेशा एक निश्चित आत्मविश्वास में दिखने की कोशिश करती हूं। भले ही मैं कुछ कैजुअल पहनूं, फिर भी मैं ऐसा दिखाने की कोशिश करती हूं कि मैं स्टाइलिश हूं। आप जिस तरह से कपड़े पहनती हैं, उसका दूसरों पर असर पड़ता है और मुझे लगता है कि आत्मविश्वास आपको सशक्त बनाता है।

बोल्ड फैशन पर

उसकी फैशन पसंद अक्सर बोल्ड और प्रयोगात्मक होती है। इसके लिए उसे क्या प्रेरित करता है, पूछने पर वह कहती है, हर किसी की अपनी एक लुक होती है, जो उसके लिए काम करती है और इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन कभी-कभी कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना मजेदार होता है

इससे विविधता आती है। फैशन प्रयोगात्मक है; यह सीमाओं को पार करने और इसके साथ मजे करने के बारे में है।

कभी-कभी मैं नई चीजें आजमाती हूं क्योंकि मुझे लगता है कि विकसित होना और फॉर्मूले से संतुष्ट नहीं होना भी महत्वपूर्ण है। आप जो हमेशा पहनते हैं, उससे हटकर कुछ अलग करने में मजा आता है।

काजू-बादाम नहीं बल्कि अखरोट है कोलेस्ट्रॉल का काल

लिवर कोलेस्ट्रॉल से बाइल (पित्त) एसिड बनाता है, जो फैट को पचाने में मदद करता है। गुड कोलेस्ट्रॉल बॉडी के लिए जरूरी है जबकि खराब कोलेस्ट्रॉल अगर ज्यादा हो जाए तो ये दिल की सेहत को बिगाड़ देता है। कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करना बेहद जरूरी है।

कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में ड्राई फ्रूट का सेवन बेहद असरदार साबित होता है। ड्राई फ्रूट में काजू बादाम नहीं बल्कि अखरोट का सेवन जादुई असर करता है। अखरोट एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जिसे आयुर्वेद में बलवर्धक,शुक्रवर्धक और ओजवर्धक माना जाता है। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉक्टर प्रताप चौहान ने बताया ये ड्राई फ्रूट ब्रेन, याददाश्त और नींद की बेहतरीन दवा है। सेहत के लिए इस ड्राई फ्रूट के फायदे की बात करें तो ये ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है और कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ने नहीं देता। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि अखरोट कैसे कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करता है और इसके सेहत को कौन-कौन से फायदे होते हैं।

अखरोट कैसे कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करता है?

अखरोट में मौजूद पोषक तत्वों की वजह से ये ड्राई फ्रूट कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर अखरोट में अल्फा-लिनोलेनिक एसिड (ALA) और ओमेगा-3 फैटी एसिड मौजूद होता हैं जो खराब कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद करता है। इसका सेवन करने से गुड कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है और दिल की सेहत दुरुस्त रहती है। फाइबर रिच अखरोट का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल का अवशोषण कम होता है जिससे नसों में कोलेस्ट्रॉल जमता नहीं है।

एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर अखरोट में पॉलीफेनॉल्स और विटामिन E जैसे एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं जो धमनियों को महफूज रखते हैं। अखरोट में मौजूद मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैट्स रक्त प्रवाह को बेहतर बनाता है। इसका सेवन करने से ट्राइग्लिसराइड्स कम होता है। रोजाना एक मुट्ठी अखरोट का सेवन ट्राइग्लिसराइड्स को कंट्रोल करता है जिससे दिल की सेहत दुरुस्त रहती है।

अखरोट के सेहत को फायदे

अखरोट का सेवन करने से दिल की सेहत दुरुस्त रहती है। इसका सेवन करने से डायबिटीज कंट्रोल रहती है। अखरोट का रोजाना सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती हैं। फाइबर से भरपूर अखरोट में प्रोटीन भी मौजूद होता है जो पेट को लम्बे समय तक फुल रखता है और वजन को घटाने में मदद करता है। इसका सेवन करने से वेट लॉस करना आसान होता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड और पॉलीफेनोल्स से भरपूर अखरोट में सूजन-रोधी गुण भी मौजूद होते हैं।

मुनक्का, आंवला और मिश्री का सेवन कैसे करें

तन-बदन में बिजली की तरह दौड़ेगी स्फूर्ति

बॉडी को हेल्दी रखने के लिए हेल्दी डाइट का सेवन बेहद जरूरी है। कुछ लोग ऐसे होते हैं जिन्हें कोई बीमारी नहीं होती फिर भी उन्हें हर वक्त कमजोरी और थकान रहती है। ऐसे लोग बिस्तर से सोकर उठते हैं फिर भी उनकी बॉडी में एनर्जी कम रहती है। आप जानते हैं कि बॉडी में होने वाली कमजोरी के लिए खराब डाइट बेहद जिम्मेदार है। डाइट में कुछ पोषक तत्वों की कमी जैसे आयरन की कमी, विटामिन B12, विटामिन D,कैल्शियम की कमी, प्रोटीन और हेल्दी फैट की कमी और पानी की कमी होने से बॉडी में कमजोरी बढ़ने लगती है। बॉडी में कमजोरी कुछ बीमारियों जैसे थायरॉयड, डायबिटीज, लो या हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, संक्रमण या बुखार की वजह से भी हो सकती है।

बॉडी की कमजोरी और थकान को दूर करना चाहते हैं तो आप डाइट में कुछ खास फूड का सेवन करें। कुछ ऐसे फूड है जो बॉडी की कमजोरी और थकान को दूर करते हैं, बॉडी में एनर्जी देते हैं और बीमारियों से भी बचाव करते हैं। हम बात कर रहे हैं आंवला, मिश्री और मुनक्का की जिसका सेवन करने से बॉडी की कमजोरी दूर होती है और बॉडी एनर्जेटिक रहती है।

मुनक्का से सेहत को फायदे

मुनक्का का सेवन करने से बॉडी में खून की कमी पूरी होती है और कमजोरी थकान का इलाज होता है। नेचुरल शुगर से भरपूर मुनक्का खाने से एनर्जी बूस्ट होती है। मुनक्का का सेवन करने से भयानक बीमारी का भी इलाज हो सकता है। फाइबर से भरपूर मुनक्का बॉडी में पोषक तत्वों की कमी को पूरा करता है और कमजोरी को दूर करता है। इसका सेवन करने से बॉडी में पोषक तत्वों के अवशोषण में मदद मिलती है। ये एक ऐसा सुखा हुआ ड्राई फ्रूट है जो इम्यूनिटी को बूस्ट करता है।

आंवला के फायदे

विटामिन सी से भरपूर आंवला एक ऐसा सुपरफूड है जो बॉडी को डिटॉक्स करता है और इम्यूनिटी को मजबूत करता है। इसका सेवन करने से हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत होती है। कैल्शियम और फास्फोरस से भरपूर आंवला मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है और वजन घटाने में मदद करता है। इसका सेवन करने से मानसिक हेल्थ दुरुस्त रहती है और दिमाग शांत रहता है।

मिश्री के सेहत के लिए फायदे

मिश्री एक ऐसा नेचुरल शुगर है जो बॉडी को तुरंत एनर्जी देती है। मिश्री में नेचुरल ग्लूकोज और सुक्रोज मौजूद होती है जो थकान दूर करती है। इसका सेवन करने से पाचन में सुधार होता है और पेट को ठंडक मिलती है। जिन लोगों को गैस, एसिडिटी और अपच की परेशानी होती है उनके लिए मिश्री अमृत है। ये ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करती है जिससे बॉडी में ऑक्सीजन सही मात्रा में पहुंचती है और कमजोरी महसूस नहीं होती।

कमजोरी को दूर करने के लिए मुनक्का,आंवला और मिश्री का सेवन कर रहे हैं तो आप 2-3 ग्राम आंवला लें,4-5 ग्राम मुनक्का लें और उसे 200 ग्राम पानी में पकाएं। जब पानी 100 ग्राम रह जाए तो आंवला और मुनक्का को कुचलकर उस पानी को छान लें। इस पानी को छानकर उसमें थोड़ी सी मिश्री मिला लें और इसमें थोड़ी सी सौंठ भी मिक्स कर सकते हैं। इस ड्रिंक का सेवन सुबह-शाम करें तो आपकी बॉडी की कमजोरी और थकान दूर होगी।

सेहत के लिए सुपरफूड है खीरा, इन चीजों के साथ खाएंगे तो होगा नुकसान

खीरा एक ऐसा फूड है जिसका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है। खीरा लगभग सर्दी और गर्मी सभी मौसम में मौजूद होता है जिसका सेवन सलाद के साथ, सैंडविट और सीधे काटकर किया जाता है। खाने के साथ खीरे का सेवन करने से खाने में रूची बढ़ती है और बॉडी को फायदा भी पहुंचता है। खीरा एक ऐसा फल है जिसमें लगभग 95% पानी होता है। यह हाइड्रेशन बनाए रखने में मदद करता है। इसमें विटामिन K, विटामिन C, मैग्नीशियम और फाइबर मौजूद होता है जो बॉडी को हेल्दी रखता है। गर्मियों में इसे खाने से शरीर को ठंडक मिलती है और स्किन हाइड्रेट रहती है।

सेहत के लिए उपयोगी इस फल का सेवन अगर कुछ फूड्स के साथ कॉम्बिनेशन करके खाया जाए तो ये फूड सेहत को फायदा पहुंचाने के बजाए नुकसान पहुंचा सकता है। कुछ फूड्स के साथ इसे कॉम्बिनेशन करके खाने से पाचन से जुड़ी परेशानियां बढ़ती है। आइए जानते हैं कि किन फूड्स के साथ खीरे को कॉम्बिनेशन करके नहीं खाना चाहिए। आइए जानते हैं कि किन फूड्स के साथ खीरे को कॉम्बिनेशन करके खाना सेहत के लिए हानिकारक होता है।

खाना खाने के बाद पेट में तेजी से गैस बनती है और वोमिट होता है, इन फूड्स को तुरंत खाना छोड़ दें, बिना दवा और टेस्ट कराएं हो जाएगा इलाज

खीरे के साथ डेयरी प्रोड्क्ट से करें परहेज

अक्सर खीरे का सेवन दही के साथ रायता बनाकर किया जाता है जो पूरी तरह खराब कॉम्बिनेशन है। खीरे में पानी की मात्रा अधिक होती है जिसे दही के साथ मिलाने पर उसमें पानी की मात्रा बढ़ जाती है। खीरे के साथ डेयरी प्रोडक्ट का कॉम्बिनेशन करने से वो फूड फट सकते हैं, जिससे उनकी बनावट बिगड़ सकती है। अगर आप खीरे के भरपूर फायदे लेना चाहते हैं तो आप खीरे को सिंगल ही खाएं।

टमाटर और खीरा को कॉम्बिनेशन में नहीं खाएं

अक्सर लोग सलाद में खीरा और टमाटर को एक साथ मिक्स करके खाते हैं, लेकिन आप जानते हैं कि इन दोनों फूड की पाचन दर अलग-अलग होती है। टमाटर एसिडिक होता है, जबकि खीरा एल्कालाइन होता है। इन दोनों सब्जियों को साथ खाने से पेट में एसिडिटी और ब्लोटिंग हो सकती है।

मीट के साथ खीरा को कॉम्बिनेशन नहीं करें

खीरा हल्का और ताज़ा होता हैं, लेकिन मांस भारी होता है। इन दोनों फूड के स्वाद और बनावट में विरोधाभास परेशान करने वाला हो सकता है। मांस में प्रोटीन और फैट अधिक होता है, जिसे पचने में 6 से 8 घंटे तक लग सकते हैं। खीरा हल्का और जल्दी पचने वाला होता है लेकिन इसमें फाइबर और पानी की मात्रा ज्यादा होती है जो पाचन को धीमा कर सकती है।

खीरे के साथ मूली को कॉम्बिनेशन नहीं करें

मूली और खीरे का सेवन हम लोग सलाद के रूप में करते हैं। आप जानते हैं कि मूली और खीरे की तासीर ठंडी होती है। मूली खाने पर पेट में गैस बन सकती है। मूली और खीरे का साथ साथ करने से अपच और ब्लोटिंग हो सकती है।

खट्टे फलों के साथ नहीं खाएं खीरा

खट्टे फल जैसे संतरा, नींबू और अंगूर के साथ खीरे का सेवन नहीं करें। इन फूड्स के साथ खीरा कॉम्बिनेशन करके खाएंगे तो पाचन तंत्र में गड़बड़ी हो सकती है। इन दोनों फूड का कॉम्बिनेशन पेट में गैस पैदा कर सकता है और एसिडिटी को बढ़ा सकता है।

रोटी से नूडल्स की सबसे टेस्टी रेसिपी

रोटी नूडल्स कभी आपने खाया है? हम में से ज्यादातर लोग इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते। जबकि आप रात के बचे रोटी से भी इस नूडल्स को बनाकर खा सकते हैं। इस नूडल की रेसिपी बहुत आसान है और आप बस कुछ टिप्स को अपनाकर इसे फटाफट बना सकते हैं। खास बात ये है कि इसे बनाने के लिए आपको बस कुछ सब्जियों की ही मदद लेनी है और फटाफट इसे बनाकर परोसना है। इसे काफी टेस्टी होने के साथ फाइबर से भरपूर भी है।

रोटी नूडल्स को कैसे बनाएं

सामग्री
-तेल
-नमक
-लहसुन का पेस्ट डाल लें
-लच्छेदार प्याज और हरी मिर्च
-काली मिर्च
-लाल, पीला और हरा शिमला मिर्च
-गाजर
-चिली सॉस
-सोया सॉस
-टोमैटो सॉस
-सिरका
-धनिया पत्ता

रोटी नूडल्स बनाने का तरीका

-रोटी से नूडल्स बनाने के लिए रोटी को रोल करें और फिर इसे कैंची से पतला-पतला करें।

-इसमें तेल और नमक मिलाकर साइड में रख लें।

-अब एक कड़ाही लें और तेल डाल लें।

-अब इसमें लहसुन का पेस्ट डाल लें।

-फिर इसमें हरी मिर्च, प्याज और बाकी शिमला मिर्च डाल लें।

-हल्का-हल्का भून लें और इसमें चिली सॉस, सोया सॉस, टोमैटो सॉस और सिरका डालें।

-अब इसमें काली मिर्च पाउडर और नमक डालें।

-अब सबको मिलाकर नूडल्स तैयार करें और फिर सर्व करें।

रोटी नूडल्स बनाने के लिए आपको कुछ बातों का ख्याल रखना चाहिए कि रोटी की कटिंग थोड़ी पतली करें और सारी सब्जियों को लंबा-लंबा पतला पतला काटें। इससे ये जल्दी-जल्दी पक जाएंगे और फिर इनका टेस्ट भी आपके मन को खुश कर देगा।

आप इस नूडल्स को बनाने के लिए आप इसमें पनीर रखें और फिर सभी सब्जियों को अच्छी तरह से भूनकर खा लें। इतना ही नहीं आपको इस बात को भूलना नहीं चाहिए कि ये हाई प्रोटीन और फाइबर दोनों से भरपूर हो सकता है जिसे खाने के बाद आपका पेट भरा हुआ महसूस होगा। इसके अलावा आपको बार-बार भूख नहीं लगेगी और आपका मेटाबोलिज्म तेज होगा। इसके अलावा आपको वेट लॉस में भी तेजी से मदद मिलेगी और आपका पेट भी हेल्दी रहेगा। तो इन तमाम फायदे के लिए आप रोटी नूडल्स को घर पर बनाकर खा सकते हैं।

बालों के लिए अरंडी के तेल के फायदे, बालों के लिए सीरम कैसे बनाएं?

आपने कभी अरंडी का तेल इस्तेमाल किया है? अगर नहीं तो आपको बालों के लिए इसे जरूर इस्तेमाल करना चाहिए। दरअसल, इस तेल को लगाने से आपके बाल जड़ों से घने रहते हैं। इतना ही नहीं इस तेल को लगाने से बालों की बनावट भी बेहतर होती है और इनका टेक्सचर भी अच्छा होता है। इसके अलावा भी बालों में अरंडी का तेल लगाने के कई फायदे हैं। जान लेते हैं इस बारे में विस्तार से। आइए, जानते हैं इसकी रेसिपी और फिर बालों में इसे लगाने का तरीका और फिर फायदे।

अरंडी के तेल से बालों के लिए सीरम कैसे बनाएं

-अरंडी का तेल बनाने के लिए पहले नारियल तेल लें।

-इसे गुनगुनाकर गर्म कर लें।

-फिर इसमें 2 चम्मच अरंडी का तेल मिला लें।

-अब ऊपर से विटामिन ई की एक कैप्सूल खोलकर मिला लें।

-अब एलोवेरा जेल मिलाएं और फिर इसका एक गाढ़ा टैक्चर वाला सीरम तैयार करें।

-अब इसमें थोड़ा सा गुलाब जल मिलाकर सीरम को स्प्रे बॉटल में डाल लें।

-अब इस सीरम को बालों में लगाएं।

कब और कैसे करें बालों में अरंडी के तेल का मसाज?

आपको इस तेल से रात को अपने बालों की मसाज करनी है। इसके अलावा हफ्ते में दो बार बालों में शैंपू करने से पहले इस तेल से अपने बालों को मसाज करें। इसके लिए इस तेल को लगाएं और फिर हल्के हाथों से और उंगलियों के प्लाइंट से बालों को मसाज करते रहें। इससे स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन तेज होगा और फिर बालों को ये तमाम फायदे मिलेंगे।

बालों के लिए अरंडी के तेल के फायदे

बालों के लिए आप अरंडी के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं जिससे बालों का ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है। ये बालों को अंदर से नरिश करने के साथ इसके टैक्सचर को सही करने में मदद करता है। इससे बाल पूरी तरह से हेल्दी रहते हैं और स्कैल्प से बालों को पोषण मिलता है तो बाल झड़ते नहीं है और आप हेयर फॉल का शिकार कम होते हैं। तो इन तमाम फायदे के लिए अरंडी के तेल का हेयर सिरम बनाएं और फिर इसे बालों में लगाएं।

भारत में 6 करोड़ से अधिक लोगों को बहरेपन की समस्या

कम सुनाई देना या बहरेपन की समस्या भारत सहित दुनिया के कई देशों में तेजी से बढ़ती जा रही है। कुछ दशकों पहले तक इसे उम्र बढ़ने के साथ होने वाली दिक्कत माना जाता रहा था, हालांकि ये समस्या अब कम उम्र के लोगों यहां तक कि बच्चों को भी अपना शिकार बनाती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, भारत की 6.3% आबादी या लगभग 63 मिलियन (6.3 करोड़) लोगों को सुनने की क्षमता में गंभीर कमी या बहरेपन की समस्या है। कुछ आदतें इस दिक्कत को बढ़ाती जा रही हैं।

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि सुनने की क्षमता में कमी की समस्या वालों का एक बड़ा हिस्सा 0 से 14 वर्ष की आयु वाले लोगों का है। साल 2011 की भारतीय जनगणना में बताया गया कि 19% आबादी को सुनने की दिक्कत थी। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लाइफस्टाइल से संबंधित कुछ प्रकार की गड़बड़ियों को इसका एक बड़ा कारण माना जाता रहा है। हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं की टीम ने बताया कि जो लोग विडियो गेम्स अधिक खेलते हैं, अक्सर हेडफोन या ईयरफोन लगाए रहते हैं और तेज आवाज के संपर्क में रहते हैं उनमें सुनने की क्षमता कम होने का जोखिम अधिक देखा जा रहा है।

दुनियाभर में बढ़ता जा रहा है खतरा

डब्ल्यूएचओ ने एक वैश्विक रिपोर्ट में सावधान करते हुए कहा, 12 से 35 वर्ष की आयु वाले एक बिलियन (100 करोड़) से अधिक लोगों में सुनने की क्षमता कम होना या बहरेपन का जोखिम हो सकता है। इसके लिए मुख्यरूप से लंबे समय तक ईयरबड्स से तेज आवाज में संगीत सुनने और शोरगुल वाली जगहों पर रहना एक बड़ा कारण माना जा रहा है।

ईयरबड्स या हेडफोन्स का इस्तेमाल करने वाले लगभग 65 प्रतिशत लोग लगातार 85 (डेसिबल) से ज्यादा तेज आवाज में इसे प्रयोग में लाते हैं। इतनी तीव्रता वाली आवाज को कानों के आंतरिक हिस्से के लिए काफी हानिकारक पाया गया है, जो कम उम्र के लोगों को भी बहरा बनाती जा रही है।

अध्ययन में क्या पता चला?

बीएमजे पब्लिक हेल्थ जर्नल में प्रकाशित ये अध्ययन डब्ल्यूएचओ के सहयोग से किया गया है। 50,000 से अधिक लोगों पर किए गए अध्ययनों के विश्लेषण में टीम ने पाया कि वीडियो गेम्स के दौरान होने वाली आवाज तय सीमा से कहीं अधिक होती है। सामान्य लोगों के लिए 25-30 डेसीबल ध्वनि को पर्याप्त माना जाता है, जबकि 80-90 डेसीबल ध्वनि श्रवण शक्ति को स्थायी हानि पहुंचाने वाली हो सकती है। विश्लेषण के दौरान पाया गया कि वीडियो गेमिंग के समय अधिकतर लोगों का ध्वनि स्तर 85 और 90 डेसीबल के आसपास रहा, जो कानों की सहनशक्ति से कहीं अधिक है।

वीडियो गेम और हेड फोन्स की तेज आवाज है खतरनाक

विशेषज्ञों ने कहा, वीडियो गेमिंग और हेड फोन्स की तेज आवाज सुनने की क्षमता में कमी के साथ टिनिटस का भी खतरा बढ़ाती जा रही है। टिनिटस एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को सिर या कानों के अंदर लगातार किसी किसी प्रकार की ध्वनि सुनाई देती है। यह ध्वनि बजने गूंजने, भनभनाने, फुफकारने या दहाड़ने जैसी हो सकती है।अध्ययनों से पता चलता है कि टिनिटस न केवल मानसिक तनाव और चिंता बढ़ाता है, बल्कि यह कार्यक्षमता को भी प्रभावित करता है। ऐसे लोगों को एकाग्रता, नींद की परेशानी होती है जो उनकी उत्पादकता पर भी गंभीर असर डालती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

अमेरिका स्थित कोलोराडो विश्वविद्यालय में ईएनटी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ डैनियल फिंक कहते हैं, व्यापक स्तर पर, चिकित्सा और ऑडियोलॉजी समुदाय को इस गंभीर खतरे को लेकर ध्यान देने की आवश्यकता है। युवा आबादी में ईयरबड्स जैसे उपकरणों का बढ़ता इस्तेमाल 40 की उम्र तक सुनने की क्षमता को कम कमजोर करने वाली स्थिति हो सकती है।

सुनने की क्षमता में कमी को सिर्फ कानों का समस्याओं तक ही सीमित नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे लोगों में मस्तिष्क से संबंधित बीमारियों जैसे डिमेंशिया का जोखिम दो गुना अधिक हो सकता है। जिन लोगों को बिल्कुल नहीं सुनाई देता था या जो लोग बहरेपन के शिकार थे उनमें डिमेंशिया के खतरे को पांच गुना अधिक पाया गया।

छिलके के साथ भी खा सकते हैं लहसुन? पेट में जलन और गैस जैसी समस्याओं से मिलती है राहत

लहसुन न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाता है बल्कि यह सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं, जो कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। लहसुन को छिलकों के साथ भी खाया जा सकता है, लेकिन यह आमतौर पर नहीं किया जाता है। लहसुन के छिलकों में फाइबर होता है, जो पाचन में थोड़ा कठिन हो सकता है। हालांकि, कुछ मामलों में इसे इस्तेमाल किया जा सकता है। आज की इस खबर में हम आपको लहसुन के छिलकों को खाने के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं।

लहसुन के छिलकों के फायदे:

एंटीऑक्सीडेंट गुण – लहसुन के छिलकों में भी एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद कर सकते हैं।

डिटॉक्सिफाइंग प्रॉपर्टी – कुछ प्राकृतिक उपचारों में लहसुन को छिलकों सहित पकाने या उबालकर सेवन करने की सलाह दी जाती है।

स्किन हेल्थ – लहसुन के छिलकों में फिनोलिक यौगिक होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद हो सकते हैं।

कैसे खा सकते हैं?

भुना हुआ लहसुनः अगर लहसुन को छिलकों सहित भून लिया जाए, तो छिलके मुलायम हो जाते हैं और इन्हें खाया जा सकता है।

सूप या ग्रेवी मेंः आप लहसुन को छिलकों सहित पकाकर इस्तेमाल कर सकते हैं और बाद में छिलके हटा सकते हैं।

चाय या काढ़ाः कुछ लोग लहसुन को छिलकों समेत उबालकर काढ़े में डालते हैं।

कैसे करें लहसुन का सेवन?

कच्चे लहसुन की एक-दो कलियां रोज सुबह खाली पेट खाना फायदेमंद होता है।

शहद के साथ लहसुन लेने से इम्यूनिटी मजबूत होती है।

गुनगुने पानी के साथ लहसुन खाने से वजन कम करने में मदद मिलती है।

कब नहीं खाना चाहिए?

अगर आपको पाचन संबंधी समस्या है, तो लहसुन के छिलके भारी पड़ सकते हैं।

कच्चे लहसुन के छिलके चबाने में मुश्किल हो सकते हैं, इसलिए इन्हें हटाकर खाना बेहतर होता है।

अगर आपको छिलकों सहित लहसुन खाने में कोई दिक्कत न हो, तो इसे ट्राई कर सकते हैं, लेकिन आमतौर पर छिलके हटाकर खाना ही बेहतर माना जाता है।

रघुराम राजन ने चीन का जिक्र कर भारत की क्षमता पर कह दी बड़ी बात तरक्की में रुकावट की बताई वजह

नई दिल्ली,26 फरवरी (एजेंसियां)। भारत की अर्थव्यवस्था में बेहतरी की उम्मीद है। आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने यह बात कही है। उन्होंने ब्लूमबर्ग टीवी को इंटरव्यू दिया है। राजन के अनुसार, विकास दर अभी भी अपनी क्षमता से कम है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि दिसंबर तिमाही में विकास दर 6% से थोड़ी अधिक रहेगी। यह जुलाई-सितंबर तिमाही के 5.4% से बेहतर है। लेकिन राजन के मुताबिक, यह नौकरियों के लिए पर्याप्त नहीं है। वह शिकागो बूथ स्कूल ऑफ बिजनेस में प्रोफेसर हैं। राजन ने कहा कि भारत पिछले 25 सालों से लगभग 6% की दर से बढ़ रहा है। यह काफी अच्छा है, लेकिन चीन की तुलना में कम है। उन्होंने कहा, 'भारत को दो फीसदी और विकास की जरूरत है।' इससे नए लोगों को रोजगार मिल सकेगा। भारत शुक्रवार को अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के जीडीपी आंकड़े जारी करेगा। कुछ हफ्ते पहले ही आरबीआई के नए गवर्नर ने अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए ब्याज दरों में कटौती की थी। यह लगभग पांच साल में पहली बार हुआ था।

तरक□की में रुकावट के पीछे यह वजह

राजन 2013 से 2016 तक आरबीआई गवर्नर थे। उनके अनुसार, ब्याज दरों में कटौती के कदम से भारत की विकास समस्याएं हल नहीं होंगी। उन्होंने कहा, 'भारत के विकास में रुकावट कर्मचारियों के कौशल और व्यावसायिक जरूरतों के बीच अंतर है।' उन्होंने कहा, 'भारत को अपने कौशल का स्तर बढ़ाना होगा। तभी नए लोगों को नौकरियां मिल सकेंगी।' अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाने के खतरे पर राजन बोले कि भारत व्हाइट हाउस के साथ बातचीत करने को तैयार है। भारत तेल और रक्षा खरीद बढ़ा सकता है।राजन ने कहा, 'भारत कई क्षेत्रों में टैरिफ कम कर सकता है, जो राजनीतिक रूप से संवेदनशील नहीं हैं।'

सोने की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई पहुंचने के क्या कारण? कैसे तय होता है भाव; क्या है ट्रंप कनेक्शन

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। वैश्विक बाजार में सोने की कीमत फरवरी में 2,900 डॉलर प्रति औंस से ऊपर एक नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। इस साल की शुरुआत से अब तक अब तक सोने का भाव 12 प्रतिशत तक चढ़ा है। भारत की बात करें तो दिल्ली में सोने की कीमत मंगलवार को 250 रुपये मजबूत होकर 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले 20 फरवरी को 99.9 प्रतिशत और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत क्रमशः 89,450 रुपये और 89,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। सोने की कीमतों लगातार इजाफा होने के क्या कारण हैं, इसकी कीमतें कैसे तय होती हैं, आइए जानते हैं सबकुछ।

2024 में सोने की कीमतों में कितना इजाफा हुआ?

बीते एक महीने में सोने का प्रदर्शन भारत, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के शेयर बाजारों से भी बेहतर रहा है। भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक बीएसई सेंसेक्स की बात करें तो इसमें बीते एक महीने के दौरान 1.01% की गिरावट दर्ज की गई है। एक महीने में अमेरिकी शेयर सूचकांक एसएंडपी500 में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और वहीं, ऑस्ट्रेलिया के शेयर बाजार सूचकांक एएसएक्स 200 ने भी महज 2

प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बीते एक महीने में सोने की कीमतों की बात करें तो इसमें करीब 8% तक का इजाफा हुआ है। इससे पहले 2024 में भी सोने ने लोगों को मालामाल किया था। बीते साल बहुमूल्य धातु की कीमत में असाधारण उछाल आया था, इसमें 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी, जो 14 वर्षों में की सबसे बड़ी वृद्धि है।

सोने की हालिया तेजी का कारण क्या है?

सोने की कीमतों के उछाल में कई कारण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बीते एक डेढ़ वर्षों में सोने की कीमतों में उछाल के कई मुख्य कारण हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता और मुद्रास्फीति का भय, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ धमकियों के कारण और बढ़ गया है। अमेरिका की ओर से अलग-अलग देशों पर टैरिफ लगाए जाने के एलान के बाद सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बढ़ी है। दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों की ओर से भी सोने की मांग बढ़ने से कीमतों में उछाल आया है।

अडानी के साथ होड़ में काफी आगे निकले कुमारमंगलम बिड़ला, वायर और केबल सेंगमेंट में भी एंट्री

नई दिल्ली,26 फरवरी (एजेंसियां)। आदित्य बिड़ला ग्रुप की प्रमुख कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट की झोली में एक और सीमेंट कंपनी आ गई है। देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अब केसोराम इंडस्ट्रीज का अधिग्रहण करने जा रही है। केसोराम इंडस्ट्रीज, बीके बिड़ला ग्रुप की कंपनी है। इसके लिए शेयरों की अदला-बदली का अनुपात 1:52 तय हुआ है। यानी केसोराम के 52 शेयरों के बदले अल्ट्राटेक का एक शेयर मिलेगा। यह अधिग्रहण योजना 1 मार्च से लागू होगी।

अल्ट्राटेक इसके साथ ही वायर एंड केबल बिजनस में भी एंट्री करने जा रही है। कंपनी 1,800 करोड़ रुपये के निवेश से इस सेक्टर में उतरने जा रही है। कंपनी

ग्राहकों को निर्माण से जुड़ी हर चीज एक ही जगह देना चाहती है।इस डील के लिए केसोराम की कुल वैल्यू लगभग 7,600 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसमें कंपनी की संपत्ति और कर्ज दोनों शामिल हैं। डील के तहत अल्ट्राटेक इस कंपनी का लगभग 1,700 करोड़ रुपये का कर्ज भी अपने ऊपर लेगी। केसोराम के सीमेंट बिजनस में कर्नाटक के सेदम और तेलंगाना के बसंतनगर में दो सीमेंट फैक्ट्रियां हैं। इनकी कुल क्षमता 10.7 मिलियन टन प्रति वर्ष है। इस विलय के बाद अल्ट्राटेक की सीमेंट उत्पादन क्षमता बढ़कर 149 एमपीटीए हो जाएगी। अडानी ग्रुप की ऑपरेशनल कैपेसिटी 89 एमपीटीए है और उसका लक्ष्य 2028 तक 140 एमपीटीए तक पहुंचना है।

वायर और केबल

अल्ट्राटेक साथ ही गुजरात के भरूच में एक वायर और केबल कारखाना लगाएगी। यह कारखाना दिसंबर 2026 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इस कदम से आदित्य बिड़ला ग्रुप वायर और केबल इंडस्ट्री में प्रवेश करेगा। यह एक तेजी से बढ़ता हुआ उद्योग है। वित्त वर्ष 2019 और 2024 के बीच इस इंडस्ट्री की सालाना वृद्धि दर लगभग 13% रही है। इस सेक्टर में अल्ट्राटेक का मुकाबला फिनोलेक्स केबल्स, आरआर केबल, पॉलीकैब इंडिया और स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज जैसी बड़ी कंपनियों से होगा।

रतन टाटा की इच्छा हुई पूरी, चंद्रशेखरन को मिली उनका फाउंडेशन संभालने की अहम जिम्मेदारी?

नई दिल्ली,26 फरवरी (एजेंसियां)। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन (आरटीईएफ) का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। आरटीईएफ एक सेक्शन 8 कंपनी है। दिवंगत रतन टाटा ने इसे स्थापित किया था। उन्होंने अपनी अधिकांश संपत्ति दान और परोपकारी कार्यों के लिए इस फाउंडेशन को दे दी थी। उनकी इच्छा थी कि चंद्रशेखरन इसके चेयरमैन बनें। सूत्रों के अनुसार रतन टाटा की वसीयत के एग्जीक्यूटर्स ने बाहरी कानूनी विशेषज्ञों से राय लेने के बाद चंद्रशेखरन को नियुक्त किया। टाटा संस के चेयरमैन को टाटा ट्रस्ट का चेयरमैन बनने से रोकने वाला नियम यहां लागू नहीं होता क्योंकि यह फाउंडेशन ट्रस्ट से जुड़ा नहीं है। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा इस फाउंडेशन का हिस्सा नहीं होंगे। डेरियस खंबाटा, मेहली मिस्त्री और शिरीन और डिएना जेजीभॉय दिवंगत रतन टाटा की वसीयत के एग्जीक्यूटर हैं। रतन टाटा चाहते थे कि चंद्रशेखरन इस फाउंडेशन को लीड करें। चंद्रशेखरन जल्द ही फाउंडेशन के मैनेजमेंट स्ट्रक्चर को औपचारिक रूप देंगे। साथ ही वह उस टीम को भी अंतिम रूप देंगे जो इसे चलाएगी। रतन टाटा की संपत्ति का वितरण मार्च के अंत में वसीयत के प्रोबेट के लिए जमा होने और बॉम्बे हाईकोर्ट से प्रमाणित होने के बाद ही हो सकता है। इस प्रक्रिया में छह महीने तक का समय लग सकता है। अदालत से वसीयत को मंजूरी मिलने के बाद फाउंडेशन को टाटा संस और ग्रुप की कंपनियों में रतन टाटा की हिस्सेदारी के साथ-साथ टाटा टेक्नोलॉजीज और टाटा डिजिटल में होल्डिंग से धन प्राप्त होगा।चंद्रशेखरन ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। रतन टाटा ने आर आर शास्त्री और बुर्जिस तारापोरवाला को आरटीईएफ के होल्डिंग ट्रस्टी और जमशेद पोंचा को सीईओ नियुक्त किया था। वह चाहते थे कि फाउंडेशन टाटा ट्रस्ट्स से स्वतंत्र रहे। लेकिन उन्होंने आरटीईएफ बोर्ड में ट्रस्टियों की नियुक्ति को लेकरकोई स्पष्ट लिखित निर्देश नहीं दिया था। बर्गन कानून के सीनियर पार्टनर केतन मुखीजा ने कहा कि चंद्रशेखरन की नियुक्ति एक रणनीतिक प्रशासनिक कदम है। यह फाउंडेशन की टाटा ट्रस्ट्स से स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है।रतन टाटा का पिछले साल अक्टूबर में 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। उनके पास टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में सीधे 0.83% की हिस्सेदारी थी। विभिन्न अनुमानों के अनुसार उनकी कुल संपत्ति लगभग 8,000 करोड़ थी। सूत्रों का कहना है कि उनकी वास्तविक संपत्ति इससे अधिक हो सकती है। टाटा संस के शेयरों के अलावा उनके पास फेरारी और मसेराती सहित लग्जरी कारों का एक बेड़ा, महंगी पेंटिंग, स्टार्टअप्स में शेयर और अन्य निवेश भी थे। उनकी पर्सनल इनवेस्टमेंट कंपनी आरएनटी एसोसिएट्स के पास वित्त वर्ष 2023 तक 186 करोड़ का निवेश था जिसकी वैल्यू अब कई गुना बढ़ गई है।

तिजोरी की क्षमता 10 करोड़; दिखाए गए 122 करोड़

मुंबई,26 फरवरी (एजेंसियां)। न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक में 122 करोड़ रुपये के गबन मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। बताया गया कि बैंक की प्रभादेवी शाखा में एक बार में 10 करोड़ रुपये रखने की क्षमता थी, लेकिन हैंडबुक में दर्ज प्रविष्टियों के मुताबिक आरबीआई के निरीक्षण के दिन तिजोरी में 122.028 करोड़ रुपये थे। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने यह खुलासा किया है। दरअसल, ईओडब्ल्यू बैंक में 122 करोड़ रुपये के गबन की जांच कर रही है। मामले में अब तक बैंक के दो पूर्व शीर्ष अधिकारियों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की निरीक्षण टीम ने 11 फरवरी को प्रभादेवी स्थित बैंक की कॉरपोरेट ऑफिस शाखा का दौरा किया था। यहां उन्हें तिजोरी से 122 करोड़ रुपये की नकदी गायब मिली। उन्होंने बताया कि कॉरपोरेट ऑफिस शाखा की बैलेंस शीट में प्रभादेवी और गोरेगांव शाखाओं में बैंक की तिजोरी में 133.41 करोड़ रुपये दिखाए गए थे, जबकि उस दिन प्रभादेवी शाखा की बैलेंस शीट में 122.028 रुपये दर्ज थे। जांच के दौरान ईओडब्ल्यू ने पाया कि कॉरपोरेट ऑफिस में नकदी रखने की तिजोरी की क्षमता केवल 10 करोड़ रुपये थी, जबकि उन्हें वास्तव में तिजोरी में 60 लाख रुपये मिले। अधिकारी के मुताबिक, आरबीआई के निरीक्षण के दिन गोरेगांव शाखा की तिजोरी में उन्हें 10.53 करोड़ रुपये की नकदी मिली। गोरेगांव शाखा की तिजोरी में भी 10 करोड़ रुपये रखने की क्षमता थी। उन्होंने कहा कि ईओडब्ल्यू अब इस बात की जांच कर रही है कि बैंक के वित्तीय रिकॉर्ड की जांच करने वाले ऑडिटरों ने बैंक से गायब नकदी के बारे में सवाल क्यों नहीं किए और कार्रवाई के लिए मामले को आगे क्यों नहीं बढ़ाया। मुंबई पुलिस ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के महाप्रबंधक, लेखा प्रमुख और उनके सहयोगियों के खिलाफ 122 करोड़ रुपये के गबन का मामला दर्ज किया था। मामले को आगे की जांच के लिए शहर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंप दिया गया था। पुलिस अधिकारी ने बताया था, 'बैंक के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी देवर्षि घोष ने 14 फरवरी को मध्य मुंबई के दादर पुलिस थाने में जाकर पैसे के दुरुपयोग की शिकायत दर्ज कराई।' शिकायत के अनुसार उन्होंने बताया, 'बैंक के महाप्रबंधक और लेखा प्रमुख हितेश मेहता ने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर साजिश रची। बैंक के प्रभादेवी और गोरेगांव कार्यालयों की तिजोरियों में रखे धन से 122 करोड़ रुपये का गबन किया।

मार्च में बैंक 14 दिन बंद रहेंगे : 5 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 7 दिन कामकाज नहीं होगा

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। मार्च महीने में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 14 दिन बैंक बंद रहेंगे।

5 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 7 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा। अगले महीने 14 मार्च को होली और 31 मार्च को ईद-उल-फितर जैसे दो बड़े त्योहार है।

ऐसे में अगर आपको अगले महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम हो तो इन छुट्टियों के दिनों को छोड़कर आप बैंक जा सकते हैं। यहां देखें मार्च महीने में आपके राज्य और शहर में बैंक कब-कब बंद रहेंगे...

ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए निपटा सकेंगे काम

आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

मार्च में शेयर बाजार में 12 दिन कारोबार नहीं

मार्च 2025 में शेयर बाजार में 12 दिन कारोबार नहीं होगा। इसमें 10 दिन शनिवार और रविवार को कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा शेयर बाजार 14 मार्च को होली और 31 मार्च को ईद-उल-फितर पर भी बंद रहेगा।

आपका सीटीसी 17 लाख रुपये से ज़्यादा है? फिर भी आप इनकम टैक्स जीरो कर सकते हैं

नई दिल्ली,26 फरवरी (एजेंसियां)। इसी महीने पहली तारीख को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साल 2024-24 का बजट पेश किया। इसमें प्रावधान है कि 1 अप्रैल, 2025 से, 12 लाख रुपये तक की कर योग्य आय वाले व्यक्ति को कोई टैक्स नहीं देना होगा। लेकिन अगर किसी व्यक्ति की सालाना कमाई 12 लाख रुपये से ज़्यादा है तो क्या होगा? क्या सैलरी स्ट्रक्चर में बदलाव करके कर योग्य आय को 12 लाख रुपये से कम रखना संभव है? नई टैक्स व्यवस्था में कौन से भत्ते कर योग्य आय को 12 लाख रुपये या उससे कम करने में मदद कर सकते हैं? टैक्स कंसल्टिंग फर्म, रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी, दिल्ली के टैक्सेशन पार्टनर सी. कमलेश कुमार बताते हैं, नई कर व्यवस्था के तहत, आयकर अधिनियम में कुछ भत्ते हैं जो करदाताओं को अपनी वेतन संरचना को फिर से व्यवस्थित करने में मदद कर सकते हैं। अगर कुछ शर्तें पूरी होती हैं, तो ये भत्ते नई कर व्यवस्था में कर से मुक्त हैं। ये भत्ते करदाताओं को नई कर व्यवस्था के तहत कर योग्य आय को कम करने में मदद कर सकते हैं।

पीड़ितों को पैसा लौटाएगी सरकार, ईडी ने जब्त की 3339 करोड़ की संपत्तियां, 32 लाख लोगों को राहत

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। एग्री गोल्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज की पोंजी योजनाओं में अपनी गाढ़ी कमाई गंवाने वाले पीड़ितों के लिए राहत की खबर है। सरकार उन्हें उनकी रकम लौटाएगी। इसके लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एग्री गोल्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज की 3,339 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है।इन संपत्तियों का बाजार मूल्य 6,000 करोड़ रुपये से अधिक बताया जा रहा है। इससे साफ है कि जितनी राशि का चिटफंड घोटाला था, करीब उतनी राशि की संपत्ति ईडी ने जब्त कर ली है। इस कार्रवाई से करीब 32 लाख पीड़ितों को राहत मिलने की उम्मीद है। ईडी के मुताबिक, मामले में आरोपियों ने आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र व तमिलनाडु सहित नौ राज्यों में 6,380 करोड़ रुपये के चिटफंड घोटाले को अंजाम दिया था। इसमें लोगों को निवेश के बदले कई गुना अधिक रकम देने का झांसा देकर फंसाया जा रहा था।

150 शैल कंपनियों के जरिये करोड़ों का लेनदेन

ईडी का कहना है, चिटफंड घोटाले में एग्री गोल्ड ग्रुप के अववा वेंकट रामा राव के परिवार के कई सदस्यों की भूमिका संदिग्ध है। शुरुआती जांच में उसके सातों भाइयों के नाम घोटाले से जुड़ रहे थे। जांच में पता चला है कि एग्री गोल्ड ग्रुप ने चिटफंड घोटाले को अंजाम देने से पहले करीब 150 से ज्यादा शैल कंपनियां बनाईं और उनके जरिये करोड़ों रुपये का लेनदेन किया।

उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में 2के वॉकथॉन का आयोजन

हैदराबाद, 26 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। निर्धारित वित्तीय साक्षरता सप्ताह के तहत, आरबीआई हैदराबाद के नेतृत्व में एसएलबीसी तेलंगाना के समन्वय में उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर, हैदराबाद में 2के वॉकथॉन का आयोजन हुवा। इस संदर्भ में, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आधिकारिक सूत्रों नुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 28.फरवरी तक निर्धारित वित्तीय साक्षरता सप्ताह के हिस्से के रूप में, आरबीआई हैदराबाद ने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), तेलंगाना के साथ समन्वय में मंगलवार 25 फरवरी को सुबह साढे छह बजे से उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर, हैदराबाद में 2के वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इस वॉकथॉन में विश्वविद्यालय के छात्रों के अतिरिक्त लगभग 400 गणमान्य व्यक्तियों, अधिकारियों, आरबीआई और विभिन्न अन्य बैंकों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

इस ग्रैण्ड वॉकथॉन के बाद सभा को संबोधित करते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक, (आरबीआई), हैदराबाद के उप

महाप्रबंधक टी. जगदीश कुमार ने वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2025 की थीम, अर्थात महिला समृद्धि को दोहराया। इस वर्ष एफएलडब्ल्यू का लक्ष्य खंड महिलाएँ हैं, जिसके तीन उप-विषयों में. गृहणियों को लक्षित करते हुए वित्तीय नियोजन एवं कामकाजी महिलाओं को लक्षित करते हुए बचत और जोखिम प्रबंधन तथा महिला उद्यमियों को लक्षित करते हुए विकास के लिए ऋण प्राप्त करना, शामिल है।

डीजीएम टी. जगदीश कुमार ने इस बात पर बल दिया कि, बैंकरों को अपनी महिला ग्राहकों के बीच अधिक जागरूकता पैदा करनी चाहिए और उन्हें वित्तीय रूप से स्मार्ट बनने और अपने सभी प्रयासों में समृद्ध होने के लिए वित्तीय निर्णय लेने के लिए उचित अपडेट से सुसज्जित करना चाहिए। तदनंतर स्टेट बैंक आफ इण्डिया(एसबीआई) मुख्य महा प्रबंधक राजेश कुमार, हैदराबाद सर्कल ने अपने संबोधन में वित्तीय साक्षरता सप्ताह में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सभी बैंकों की सराहना की।

उन्होंने महिलाओं के सर्वोपरि महत्व और सतत आर्थिक विकास के लिए उनके योगदान पर जोर दिया। एसबीआई स्त्री शक्ति योजना, एसएचजी-बैंक लिंकेज आदि जैसी योजनाओं के माध्यम से महिला उद्यमियों पर एसबीआई के विशेष फोकस का वर्णन करते हुए, अन्य बैंकों से महिला सशक्तिकरण के प्रति केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। उन्होंने प्रभावी जागरूकता पैदा करने के लिए विशेष रूप से महिलाओं के लिए वित्तीय साक्षरता सप्ताह के विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अधिक संख्या में वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत् •2051, हिजरी सन् •1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-39
सूर्यास्त - 18-19
कलियुग संवत् •5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् •1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य- कुंभ	मे	कुंभ....	05-49 बजे
चंद्र- कुंभ	मे	मीन....	07-28 बजे
मंगल मिथुन	मे	मेष---	09-04 बजे
बुध- कुंभ	मे	वृष---	12-48 बजे
गुरु- वृष	मे	मिथुन..	12-49 बजे
शुक्र- मीन	मे	कर्क....	14-41 बजे
शनि- कुंभ	मे	सिंह---	17-14 बजे
राहु- मीन	मे	कन्या...	19-20 बजे
केतु- कन्या	मे	तुला....	21-26 बजे
		वृश्चिक..	23-36 बजे
		धनु......	01-49 बजे
		मकर....	04-09 बजे

दिशाशूल •• दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी . 08-55 तक उपरान्त अमावस्या(क्षय)
मास • फाल्गुन कृष्ण , गुरुवार 27 February
नक्षत्र • धनिष्ठा 15-43 तक उपरान्त शतभिषा
योग • शिव 23-40 तक उप सिद्ध
करण- शकुनि 08-55 तक उप चतुष्पाद
विशेष:- देवपितृकार्ये अमावस्या
व्रत •त्योहार • शिव खपर पूजा मीन मे बुध

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:57 से 15:25 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ.	06:39 - 08:05	शुभ	अमृत.	18:19 - 19:53	शुभ
रोग	08:05 - 09:33	अशुभ	चंचल.	19:53 - 21:25	शुभ
उत्पात	09:33 - 11:01	अशुभ	रोग	21:25 - 22:57	अशुभ
चंचल	11:01 - 12:29	शुभ	काल	22:57 - 00:29	अशुभ
लाभ.	12:29 - 13:57	शुभ	लाभ.	00:29 - 02:00	शुभ
अमृत	13:57 - 15:25	शुभ	उत्पात	02:00 - 27:32	अशुभ
काल	15:25 - 16:53	अशुभ	शुभ	03:32 - 29:04	शुभ
शुभ	16:53 - 18:19	शुभ	अमृत	05:04 - 06:39	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज आपका मन अटकलों और अनावश्यक चीज़ो की और भागेगा , परन्तु फिर भी आपकी केंद्रित रहने की क्षमता काफी मजबूत रहेगी । आप कम से कम समय में अधिक से अधिक काम खत्म करने के क्रम में घर पर या अपने कार्यालय डेस्क पर रहे , हालांकि घर पर काम करने में अधिक समय, ऊर्जा और पैसे का हास होगा । आप कुछ सामान या खाद्य सामग्री मंगवा सकते है या कुछ ऑनलाइन खरीदारी भी कर सकते हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज कार्य क्षेत्र में आप किसी गलतफहमी का शिकार हो सकते है , लेकिन अपने सहकर्मियों की आलोचना न करे ।आप ग्रहों के प्रभाव की वजह से तनाव और गुस्से में आ सकते है और आप इसकी भड़ास अपने सहयोगियों पर निकाल सकते है । इसकी वजह से आपके कार्यस्थल में अनावश्यक और अतिरिक्त तनाव पैदा होगा और यहां तक कि वह आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है , अतः इसे आप दूर रहने का प्रयास करे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
यदि आपने नौकरी के लिए आवेदन किया है, तो कंपनी से इसकी जाँच करें। आपको नौकरी से संबध में एक अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। पदोन्नति या वेतन वृद्धि भी आपको आज मिल सकती है । यह निवेश के किसी भी प्रकार के लिए एक शुभ दिन है। अगर आप संपत्ति खरीदने के लिए योजना बना रहे है, तो आज का दिन सौदे के लिए अनुकूल है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
हालाँकि , आप ईमानदार और मेहनती हैं पर आज सफलता आपकी पहुंच से दूर रह सकती है । कुछ मामूली गलतियाँ आपको परेशान कर सकती है । आप अपने कार्यस्थल पर किसी भी विवाद से बचे । आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त नहीं है। हालांकि, ये दिन अपने दोस्तों के साथ आराम करने के लिए काफी ठीक रहेगा । इसके लिए यदि संभव हो , तो आप एक दिन का अवकाश भी ले सकते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आपके समान हित के लोगों या एक समान व्यवसाय करने वालो के साथ वार्तालाप होगी । आपको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए एवं दूसरों को बढ़ावा एवं प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि बदले में वे भी आपको समर्थन दे । आपको उन लोगों से ज्यादा उम्मीद नहीं करनी चाहिए क्यों की चीजे धीरे धीरे खुलती है और लोगो को नयी वस्तु या व्यक्ति पर भरोसा करने में समय लगता है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अब आपके करियर में कितनी बाधाएं आती है , इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्यों की आप उन सब बाधाओं को पार कर जाएंगे जैसे की वो कभी थी ही नहीं । सफलता अब सहजता से आएगी , लेकिन आपको अति आत्मविश्वास की भावना से बचना होगा । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की भाग्य की भूमिका भी उतनी ही है जितनी आपकी क्षमता , लेकिन ये जरुरी नहीं की भाग्य हमेशा आपका साथ दे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज का दिन सट्टा उद्यमों के लिए सबसे उपयुक्त है । आज एक लॉटरी टिकट या कंपनियों के शेयरों में निवेश करने से धन वृद्धि का एक उच्च मौका है। आपको किसी से एक अच्छा सुझाव मिल सकता है और अगर आप उसे समय पर करते हैं , तो आप अपनी आय बढ़ा सकते हैं। आज का दिन आपके के लिए शांतिपूर्ण रहेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन नौकरी से संबंधित कार्यो के लिए काफी अनुकूल है। आपने हमेशा से ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य किया है और अतीत में, हालाँकि आपको उतना फल नहीं मिला , लेकिन अब भाग्य आपके लिए स्थितियां अनुकूल करेगा । आपकी काफी सारी परियोजनाए सफलता के साथ फलित होंगी और आज का दिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों और अपने से नीचे कार्य पद पर तैनात सहकर्मियों से प्रशंसा पाने का समय है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
बेहतर संचार आप के लिए लाभ का मार्ग प्रशस्त करेगा और आपको इस मोड़ पर बुद्धिमानी से इस कौशल का उपयोग करना होगा । आपका व्यवसायिक विवेक आज शीर्ष स्तर पर रहेगा । आपको भविष्य में बिक्री और सहभागिता के आंकलन के लिए कहा जा सकता है। आपकी मजबूत ज्ञान युक्त व विवेकपूर्ण क्षमता इसमें आपकी मदद करेगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपने हाल ही में जो कड़ी मेहनत की है , उसकी हर दिशा से सराहना होगी । आपको एक बोनस या एक लंबे समय से वेतन वृद्धि की चाह थी वो पूरी हो सकती है । आपको एक अच्छे वित्तीय अवसर की पेशकश भी की जा सकती है , जिसकी अपेक्षा आपको नहीं थी । हालाँकि ये एक बहुत बड़ा नहीं है , परन्तु यह संतोष की एक अच्छी भावना के रूप में आप में भर जाएगा।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
कुछ वित्त और कैरियर के विभिन्न अवसर आज आपके सामने आ सकते हैं और आप उन्हें लेने के लिए अभिभूत होंगे लेकिन थोड़ा उलझन भी महसूस कर सकते हैं की किस दिशा में जाये ।सावधान रहें की ये अनिर्णय आपको पंगु न बनाये । अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते है , तो यह पूरी तरह से आपके वित्तीय भविष्य को बदल सकता हैं। त्वरित और निर्णायक कार्रवाई आज के दिन की आवश्यकता है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

वायरल बाबा, मोनालिसा की आंखें, बस इतना नहीं है महाकुंभ

प्रयागराज, 26 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। महाकुंभ के समापन पर निगाहें, अनगिनत श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक नजारों का आनंद लेते हुए प्रयागराज में 45 दिन बिताए। साधु-संन्यासियों, रमणीय दृश्यों और अनुशासित भीड़ ने महाकुंभ को अद्वितीय अनुभव बनाया, जो प्रयागराज को 'लघु विश्व' में परिवर्तित कर गया।

इस दौरान हमने जो जाना वह शब्द मुझे बहुत तकलीफ देता है। यही कारण है कि मैं किसी को ट्रेन में छोड़ने नहीं जाता हूं। इस आदत से खासा परेशान भी हूं। इस सत्य को जानते हुए भी अनजान बने रहने का ढोंग करता हूं। मेरे लिए जाना शब्द दुनिया का सबसे व्यथित कर देने वाला होता है और आज 45 दिन की अथक यात्रा के बाद महाकुंभ का समापन हो गया। करोड़ों श्रद्धालुओं के साक्षी बने ये घाट आज के बाद सूने-सूने नजर आएंगे। करोड़ों लोगों के स्वागत करने वाला तीर्थराज प्रयागराज की सड़के और गलियां भी शांत हो जाएंगी। जरूर यहां पर कुछ अप्रिय घटनाएं घटीं मगर इसका वैभव कम नहीं हुआ। अकेले एक दिन मौनी अमावस्या को करीब दस करोड़ लोग तीर्थराज प्रयाग की सरजमीं पर एकजुट हुए।

प्रयागराज आज लघु विश्व बन चुका है

केवल भारत नहीं पूरी दुनिया के लोग इस महाकुंभ के साक्षी बनने को इकट्ठा हुए हैं। अगर मैं ये कहूं कि प्रयागराज आज लघु विश्व बन चुका है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। आपने अब तक मोनालिसा की आंखें, आईआईटीएन बाबा, चिमटा मारने वाले नागा साधू, कांटों में लेटने वाले संन्यासी, एक पैर से खड़े रहने वाले साधु, सुंदर साध्वी समेत बहुत कुछ अखबारों और न्यूज चैनलों में देख लिया होगा। मगर आज मैं आपको महाकुंभ के दर्शन कराने वाला हूं। वो महाकुंभ जो इन सबसे कहीं ज्यादा खास है, अद्भुत है, अकल्पनीय है। इससे भी ज्यादा अगर कोई शब्द है तो वो है।

कुंभ में धर्म की पताका लहराई

अब आप सोच रहे होंगे कि मैं ऐसा क्या बताने जा रहा हूं जो अब तक आपने रील्स, यूट्यूब, चैनल्स में नहीं देखा। दूसरा सवाल आपके जेहन में और आ रहा होगा कि मैं कौन हूं। जो इतना बड़ा दावा कर रहा है कि आपने नहीं देखा होगा।

दोनों सवाल जायज हैं। पहले सवाल का जवाब ये है कि कुंभ को अगर आप महसूस करेंगे और आपको लगेगा कि आप किसी ऐसे स्थान पर आ पहुंचे हैं जहां पर सिर्फ आध्यात्म है। जहां पर हर तरह सिर्फ जयकारे हैं। जहां पर धर्म की पताका लहरा रही है। जहां पाप करने की इच्छा रखकर पहुंचने वाला भी पाप करने से पहले सोचेगा कि करूं या न करूं। दूसरे सवाल का जवाब ये है कि मैंने इस महाकुंभ में कुछ दिन बिताए हैं। किलोमीटरों चलकर इसका आभा को महसूस किया है। संगम किनारे खड़े होकर त्रिवेणी की कलकल की आवाज सुनी है।

महाकुंभ सीमित नहीं है

आठ जनवरी को नई दिल्ली से ट्रेन पकड़ हम पहुंच गए प्रयागराज। मन में बहुत खुशी और बेहतर कवरेज करने का जज्बा था। उम्मीद थी अपने पाठकों और दर्शकों को महाकुंभ के अलौकिक नजारों से रुबरू कराएंगे। काफी हद तक हम उसमें सफल हुए। ये रील, वायरल बाबा, सुंदर साध्वी, माला बेचने वाली लड़की की सुंदर आंखें, नागा साधुओं के अलग-अलग वीडियो महाकुंभ इतने में सीमित नहीं है। ये असीमित हैं। हम उसी एहसास को जीना चाहते थे। ट्रेन प्रयागराज स्टेशन पर पहुंची रात करीब 11.30 बजे। जैसे ही प्रयागराज स्टेशन पर गाड़ी लगी तो उतरने के लिए जद्दोजहद होने लगा जैसा हम लोगों की आदत है। ट्रेन भले ही वहीं तक हो, उसके आगे कहीं न जाना हो मगर गेट पर एक घंटे से पहले आकर खड़े हो जाएंगे दरवाजा छेककर।

स्टेशन पर भारी सुरक्षा तैनात

खैर स्टेशन पर उतरे तो पुलिस फोर्स तैनात थी। कमांडो लगे थे। स्टेशन के बाहर टेंट लगाए गए थे। बाहर भी फोर्स थी। हम अपने दूसरे साथी से चर्चा करने लगे। रात को सफाईकर्मी जॉनसन गंज की तरफ सफाई कर रहे थे। सो हम ठहरे पत्रकार। मुंह में कहां लगाम। पता था कि इलाहाबदिया हमको कहीं सुना न दें मगर

सफाईकर्मी से पूछ ही लिया कि भइया क्या पूरी रात सफाई होती है। उसने पहले तिरछा देखा मगर मेरे लंबे बालों को देखकर सोचा कि कोई फिरंगी आया है महाकुंभ देखने। उसको क्या पता कि प्रयागराज हमारा ननिहाल भी है। इन्हीं गलियों में हमने बहुत खेला है। बोला कि बाबा का ऑर्डर है। पूरे दिन और रात सफाई होती है। हमने कहा चलो धन्य है भाई बताए तो कुछ।

वहां पर स्टेशन के बाहर कुल्हड़ वाली चाय का आनंद लेते हुए ठंडी भगाई और एक ऑटो लेकर पहुंच गए होटल। होटल तो भाई जो पांच सौ का था उसके दाम पांच हजार हो चुके थे। इसके अलावा एक दिन से ज्यादा की बुकिंग नहीं कर रहे थे। क्योंकि कल मान लीजिए कोई उससे ज्यादा कीमत दे दे तो वो कमरा उसको दे देगा। खैर जैसे तैसे आठ की रात गुजरी और हम नौ तारीख को होटल से जल्दी ही चेकआउट कर निकल पड़े संगम की ओर। अब वहां से शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी की पेशवाई हो रही थी। पुलिस से पूरी सड़क को जाम कर दिया। हम फंस गए। हमारे पास ढेर सारा सामान था। वो हम घसीटते हुए एक दुकान के पास खड़े हो गए। अब सामान के साथ रिपोर्टिंग कैसे करें। फिर हमने वहां पर एक होटल खोजा। क्योंकि पुलिसवालों ने हमको बता दिया था कि यहां से अब आप रात के ही निकल पाएंगे क्योंकि पेशवाई लगातार हैं। हम एक होटल लेकर रात गुजारी। सुबह तड़के सात या आठ बजे हम होटल से निकल सीधे पहुंच गए महाकुंभ। एक कैब वाले भइया की बहुत मेहरबानी जो उन्होंने हमको पहुंचा दिया। वरना कोई भी हमको वहां नहीं ले जा रहा था।

संगम पर क्या दिखा?

जब हम संगम किनारे पहुंचे तो लगा कि किसी दूसरे शहर में प्रवेश कर रहे हों। हर तरफ पुलिस फोर्स और दूर-दूर तक मां गंगा का पाट नजर आ रहा था। गंगा जी के ऊपर बने तीन पुल भी शानदार दिख रहे थे। मीडिया सेंटर के पास ही हमको रोक लिया गया। बोला गया कि यहां से पैदल जाइये। अब हम इतना सामान लेकर कैसे पैदल जा पाते। हमने एक दरोगा साहब को अपना कार्ड दिखाया और बताया कि दिल्ली से कवरेज के लिए आए हैं हमारे पास सामान ज्यादा है इसलिए जाने दीजिए। उन्होंने जाने दिया। अब हम प्रवेश कर रहे थे संगम नोज की तरफ। यहां पर सेक्टर एक, दो, तीन बने हुए हैं। यहीं पर वीवीआईपी घाट भी बने हैं। राम मंदिर बनाया गया है। इसी प्रकार से अनेक देखने की चीजें यहां आपको मिलेंगे।

कैब वाले भइया पर घंटे के हिसाब से पैसा चार्ज कर रहे थे। तो हमें जल्दी ये भी थी कि अपने ठिकाने पहुंचा जाए। लेकिन जो दृश्य हम देख रहे थे वो कभी भूल नहीं पाएंगे। हर तरफ सैलाब। ये बात तब की है जब महाकुंभ शुरु भी नहीं हुआ था। कल्पवासी आ चुके थे। दूर-दूर से लोग आ रहे थे। अपने साथ महीने भर का राशन पानी भरकर ला रहे थे। जिसको जहां समझ में आ रहा था दूर दराज वहां पर वो लोग अपना टेंट लगाने में जुटे हुए थे। ऐसी तैयारी जैसे कोई युद्ध के लिए कर रहा हो। लेकिन सब बहुत व्यवस्थित था। पीपे वाले पुल पर गाड़िया दौड़ रहीं थी। उसकी भी कहानी अद्भुत है। इस तरह हमारा एक और दिन गुजरा। अब अगली सुबह हुई तो हम निकल पड़े लोगों से बातचीत करने।

साधुओं से संवाद करने। एक बात जो हमने वहां देखी कि यूट्यूबर्स ने वहां पर साधुओं को बहुत तंग किया। वो बार-बार उन साधुओँ के पास उनसे अजीब तरह के सवाल कर रहे थे। इससे साधु भयंकर क्रोध में बैठे थे। हमने जब उनसे बात करनी चाही तो एक नागा साधु बोले कि आप की तरह बाकी मीडिया वाले क्यों नहीं हैं। आप हमने आज्ञा लेकर यहां आए। बाकी सब तो घुसते चले आते हैं। बहुत क्रोध आता है हमको।

जब नागा साधु रो पड़े

तब हमने बताया कि महाराज जी वो मीडिया वाले नहीं हैं। इसके बाद उन नागा साधु ने हमसे बात की। बात करते करते वो रो पड़े। वास्तव में उनकी तपस्या अलग ही है। शरीर में सिर्फ भस्म। कड़कड़ाती हुई ठंड थी। हम तो करीब चार अदद कपड़े पहने हुए थे फिर कांप रहे थे लेकिन वो मस्त थे। अलग-अलग साधुओं को देखकर लगा कि मानों दुनिया में इनसे सुखी कोई नहीं हैं। सब कुछ त्याग दिया। कपड़े तक त्याग दिए। भोजन इतना कि बस प्राण रहें। वहां से निकलकर हम दूसरे सेक्टर पहुंचे। जहां पर शंकराचार्य मिले। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी का साक्षात्कार किया और राजनीति से लेकर धर्म तक की बातचीत की। संयोग से रुकना भी उनके मठ में ही हुआ। एक रात हमने देखा कि लोग रात के दो तीन बजे भी स्नान कर रहे हैं। मतलब ये था कि बस संगम में डुबकी लगाने का मौका मिल जाए। लोग सौ-सौ किलोमीटर से भी पैदल आ रहे थे। सामान हाथ में लिए। एक ग्रुप हमे ऐसा मिला जिनके साथ सौ साल की बुजुर्ग थीं और एक महिला के साथ छह माह का बच्चा।

आपको ऐसा दृश्य कहीं नहीं दिखेगा। आपको अलग-अलग भाषाओं और संस्कृति का सम्मेलन पूरी दुनिया में कहीं देखने को नहीं मिलेगा। आप पूरा विश्व घूम लीजिए मगर आपको जो विविधता और एकता का संगम महाकुंभ में मिलेगा वो कहीं नहीं मिलेगा। चुनाव की रिपोर्टिंग, हस्तियों के इंटरव्यू तक अपने पत्रकारिका करियर में महाकुंभ की रिपोर्टिंग से बड़ा टास्क कुछ नही देखा। हां अंत में एक बात और जो मैंने वहां महसूस की। ये मेरा व्यक्तिगत अनुभव है। कोई तो चमत्कार है, कोई तो अदृश्य शक्ति है, कुछ तो है वरना एक शहर में इतना बड़ा मानव सम्मेलन किसी सरकार या प्रशासन की ताकत नहीं है कि करा सके। लकड़ी, कपड़े और फूस के बने टेंट हैं। टेंट के ही अंदर खाना बन रहा है। अलाव जल रहा है।

लोग हर दिन पचासों किलोमीटर पैदल चल रहे हैं। चौबीसों घंटे खाना पक रहा है। कोई भूखा तो रह ही नहीं सकता। साधू संन्यासी भजन कीर्तन कर रहे हैं। गंगा नदी अपने प्रवाह से बह रही हैं। जल पुलिस लोगों की सुरक्षा के लिए तैनात हैं। पहली बार अंदर वॉटर ड्रोन पूरी रात दौड़ रहे हैं। आसमान से हेलिकॉप्टर निगरानी कर रहा है।

मतलब आपको क्या-क्या बताएं। महाकुंभ अपने आप में एक वो कलश है जो अमृत से भरा हुआ है। जिसका वर्णन करते-करते कई किताबें लिख जाएंगी मगर अंत में फिर मन कहेगा अरे वो बात तो रह गई।

कुंभ स्नान से लौट रही महुआ माझी की कार दुर्घटनाग्रस्त

राज्यसभा सांसद का एक हाथ टूटा, नाक और चेस्ट पर लगी चोट, रांची रेफर

लातेहार, 26 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के लातेहार में बुधवार तड़के एक बड़ा हादसा हुआ। झारखंड मुक्ति मोर्चा की राज्यसभा सांसद महुआ माझी की कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में महुआ माझी का दाहिना हाथ टूट गया। उनके नाक और चेस्ट में चोट लगी है। हादसे के वक्त गाड़ी में उनका बड़ा बेटा, बहू और ड्राइवर बैठे थे। बेटे को भी चोट आई है। हादसा सदर थाना क्षेत्र के होटवाग गांव स्थित मां वैष्णवी पेट्रोल पंप के पास सुबह करीब 4 बजे हुआ। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी को लातेहार सदर अस्पताल में लाया गया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रांची रेफर कर दिया गया। उन्हें रांची के ऑर्किड मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया। लातेहार युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अमित यादव के अनुसार, महुआ माझी कुंभ स्नान करके रांची लौट रही थीं। इस

दौरान उनकी कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को तुरंत लातेहार अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद महुआ मांझी को बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया। माना जा रहा है कि कार चलाते वक्त नींद की झपकी आई और यह हादसा हुआ है। हादसे में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी दुलड़ चौड़े घटनास्थल पर पहुंचे और एंबुलेंस के माध्यम से सदर अस्पताल लाया गया।

बाइक रेलिंग से टकराई दंपती पुल से गिरे नीचे

कोडरमा में पत्नी की मौत, पति गंभीर, महिला ड्यूटी ज्वॉइन करने आ रही थी बरही

कोडरमा, 26 फरवरी (एजेंसियां)। कोडरमा में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एएनएम की मौत हो गई। एएनएम अपने पति संग बाइक से बरही जा रही थी।

चंदवारा थाना क्षेत्र के गौरी नदी पुल पर बाइक रेलिंग से टकराई और दंपती करीब 20 फीट नीचे जा गिरे। हादसे में पति गंभीर रूप से जख्मी है। मृतका की पहचान संजू प्रसाद सिंह (45) के रूप में की गई है। वहीं, उनके पति सर्वेश कुमार अस्पताल में भर्ती हैं। दोनों नालंदा से बरही आ रहे थे। संजू सिंह बरही अनुमंडल अस्पताल में एएनएम के पद पर कार्यरत थीं। बरही अनुमंडल अस्पताल के डॉक्टर प्रवीण कुमार के अनुसार, संजू ने पिछले हफ्ते महाकुंभ स्नान के लिए छुट्टी ली थी। वह बुधवार को अपनी ड्यूटी पर वापस लौट रही थी। नालंदा से बरही की यात्रा के दौरान यह हादसा हुआ। इधर, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक तेज रफ्तार में पुल पर चल रही थी।

महाशिवरात्रि पर शिव-मंदिर से लौट रहे चार श्रद्धालुओं की मौत

बोलेरो–कंटेनर भिड़ी, मरने वाले में एक महिला और 2 बच्चे, 7 जख्मी

सरगुजा, 26 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में बोलेरो और कंटेनर के बीच टक्कर में 4 लोगों की मौके पर मौत हो गई है। जबकि 7 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने कंटेनर में आग लगी दी। बोलेरो सवार महाशिवरात्रि पर शिव मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। घटना सीतापुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, यह हादसा नेशनल हाईवे-43 पर विशुनपुर गांव के प्लांट के पास आज (बुधवार) दोपहर करीब 12.30 बजे हुआ है। टक्कर के बाद बोलेरो पलट गई। जिससे कार बुरी तरह डैमेज हो गई। मरने वालों में रेवापुर-सखौली निवासी एक महिला, बच्चा और दो पुरुष शामिल हैं। हादसे के बाद लोग बोलेरो के अंदर ही फंस गए। जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया। सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए सीतापुर सीएचसी अस्पताल भेजा गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे में ट्रक ड्राइवर भी घायल है। घटना के बाद गुस्साई भीड़ ने कंटेनर में आग लगा दी। जिसे पुलिस कर्मियों ने बुझा लिया है। बोलेरो क्रमांक सीजी 15 ईडी 7078 में सवार होकर 11 लोग महाशिवरात्रि पर सीतापुर के किलकिला शिव मंदिर गए थे। सुबह दर्शन कर अपने घर रेवापुर-सखौली लौट रहे थे।

इसी दौरान ब्लैक स्पॉट वाली जगह पर हादसा हो गया।

रायपुर में हटकेश्वरनाथ का अर्धनारीश्वर स्वरूप

भूतेश्वरनाथ, पातालेश्वर, ज्वालेश्वरधाम में कतार सुरेश्वर महादेव चौक पर लगा 21 फीट ऊंचा त्रिशूल

रायपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सुबह से ही महाशिवरात्रि के पर्व पर मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। रायपुर में महादेव घाट स्थित हटकेश्वरनाथ महादेव का अर्धनारीश्वर स्वरूप में श्रृंगार किया गया है। सुबह 4 बजे से भोलेनाथ के दर्शन करने श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। सुरेश्वर महादेव चौक पर 21 फीट ऊंचा त्रिशूल लगेगा। मंदिर के बाहर लंबी कतार लगी है। वहीं राजिम के त्रिवेणी संगम में शाही स्नान से पहले नागा साधुओं का डिप्टी सीएम विजय शर्मा और केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने स्वागत किया। यहां स्थित कुलेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन के लिए तड़के से श्रद्धालुओं की लाइन लगी है।

पेंड्रा में एमपी-सीजी की सीमा पर स्थित ज्वालेश्वर महादेव में श्रद्धालु अमरकंटक से जलकर जलाभिषेक और पूजा पाठ कर रहे है। सुबह से मंदिर में श्रद्धालुओं की कतार लगी है। ज्वालेश्वर महादेव स्वयंभू शिवलिंग है। गौरेला अमरकंटक के रास्ते में लगभग 25 किमी दूरी पर जलेश्वरधाम स्थित है।

जानकारी के मुताबिक शिवलिंग 12वी सदी कलचुरी काल का है। महाशिवरात्रि और श्रावण मास में श्रद्धालु यहां बड़ी संख्या में पैदल चलकर शिव जी को नर्मदा का जल चढ़ाते हैं। इस स्थान पर प्राकृतिक कुण्ड स्थिति है जो आकर्षण का केन्द्र है। गरियाबंद स्थित भूतेश्वरनाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी है। सुबह से श्रद्धालु फूल अर्पित कर जलाभिषेक कर रहे हैं। भूतेश्वरनाथ प्राकृतिक स्वयंभू शिवलिंग है। इसकी ऊंचाई और गोलाई हर साल बढ़ रही है। वर्तमान में इसकी ऊंचाई 84 फीट और गोलाई 290 फीट है। रायगढ़ स्थित कोसमनारा सत्यनारायण बाबा धाम में रात से श्रद्धालु पहुंचने लगे थे और काफी भीड़ रही। श्रद्धालु यहां महादेव का विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की। जिले से महज चार किलोमीटर की दूरी पर कोसमनारा गांव का बाबा धाम लोगों के आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां बाबा 26 सालों से तपस्या में लीन हैं। क्या खाते-पीते हैं, कब सोते हैं और कब जागते हैं, इस विषय में किसी को कोई भी जानकारी नहीं है। ठंडी, गर्मी और बारिश का भी बाबा पर कोई असर नहीं पड़ता है।

सीजीएमएससी घोटाला, सरकार पर चढ़ा 411 करोड़ का कर्ज

कार्टेल बनाकर टेंडर लिया, 27 दिन में 750 करोड़ की खरीदी, आईएएस–आईएफएस समेत 10 अधिकारी रडार पर

रायपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सीजीएमएससी घोटाले में अधिकारियों और कारोबारियों ने सरकार को 411 करोड़ रुपए का कर्जदार बना दिया। आईएएस, आईएफएस समेत अफसरों ने मिलीभगत कर सिर्फ 27 दिनों में 750 करोड़ रुपए की खरीदी कर ली। इस केस में मोक्षित कॉर्पोरेशन के डायरेक्टर शशांक चोपड़ा ईओडब्ल्यू की रिमांड पर है। सीजीएमएससी के अधिकारी, मोक्षित कार्पोरेशन, रिकॉर्ड्स एवं मेडिकेयर सिस्टम, श्री शारदा इंडस्ट्रीज और सीबी कार्पोरेशन ने 8 रुपए में मिलने वाला ईडीटीए ट्यूब 2,352 रुपए और 5 लाख वाली सीबीएस मशीन 17 लाख में

खरीदी। मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन ने 300 करोड़ रुपए के रीएजेंट भी खरीदा।

ईओडब्ल्यू ने रिमांड में शशांक चोपड़ा से रिमांड में पूछताछ के बाद करीब 10 अधिकारियों शॉर्टलिस्टेड किया है। इसमें भीम सिंह, चंद्रकांत वर्मा, मीनाक्षी गौतम, बसंत कौशिक, डॉ. अनिल परसाई, क्षिरौंद्र रावटिया, कमलकांत पाटनवार, आनंद राव और एक आईएफएस समेत 10 अधिकारी रडार में हैं। सीजीएमएससी घोटाला कैसे हुआ, कौन–कौन शामिल थे

दरअसल, दिसंबर 2024 में पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने दिल्ली में पीएमओ, केंद्रीय गृहमंत्री कार्यालय, सीबीआई और ईडी मुख्यालय जाकर सीजीएमएससी में घोटाले की शिकायत की थी। ननकीराम कंवर की शिकायत के बाद केंद्र से ईओडब्ल्यू को निर्देश मिला। इसके बाद ईओडब्ल्यू की टीम ने 5 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की। ईओडब्ल्यू की जांच होने के बाद श्री शारदा इंडस्ट्रीज प्रबंधन ने अपनी फर्म को बंद कर दिया है।

कंपनी की साइट पर उसका स्टेट टेंपरेरी बंद बता रहा है। ईओडब्ल्यू के अनुसार आर.के नाम का कारोबारी इस कंपनी का संचालक है। यह कंपनी ग्राम तर्रा, तहसील धरसीवा रायपुर में स्थित है। कंपनी संचालक को जांच के दायरे में लाया गया है।

महाशिवरात्रि पर हजारीबाग में दो समुदायों में झड़प, कई घायल

हजारीबाग, 26 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग में बुधवार को महाशिवरात्रि पर दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प हो गई। दोनों ओर से जमकर पत्थरबाजी और आगजनी की गई। इस घटना में दोनों पक्षों से कई लोग घायल हुए हैं। उपद्रवियों ने तीन बाइक, एक दुकान और एक कार को आग के हवाले कर दिया। एक ऑटो में भी तोड़ फोड़ की गई है। वहीं, प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने को लेकर हल्का लाठीचार्ज भी किया। घटना इचाक प्रखंड के डुमरौन गांव की है। वहीं, घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई। फिलहाल, स्थिति नियंत्रण में है।

बताया जा रहा है कि शिवरात्रि पर लाउडस्पीकर लगाए जा रहे थे। इस दौरान दूसरे समुदाय के लोगों ने इसका विरोध किया। इसके बाद झड़प शुरू हो गई।

प्रशिक्षु आईएएस सह सदर अनुमंडल पदाधिकारी लोकेश बारंगे, प्रशिक्षु आईपीएस श्रुति अग्रवाल सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी इचाक प्रखंड के पदाधिकारी और भारी संख्या में पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद है। जिला प्रशासन ने आमलोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और शांति बनाए रखने की अपील की है। हजारीबाग डीसी, नैंसी सहाय ने कहा कि 'आज सुबह हजारीबाग जिले के इचाक इलाके में साउंड सिस्टम चलाने को लेकर मारपीट और पथराव हो गया। पर्याप्त बल तैनात किए गए हैं। वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर डेरा डाले हुए हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में और शांतिपूर्ण है।'

वहीं, हजारीबाग में हुई हिंसा की घटना पर झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा, 'एसपी को उन्हें निर्देश दिया है कि हजारीबाग में लोगों से चतुराई से निपटें। असामाजिक तत्व, आरएसएस मानसिकता और कट्टरपंथी विचारधारा के लोग नफरत फैला रहे हैं। केस दर्ज किया जाएगा और दोनों पक्षों के लोग जेल जाएंगे। इससे बीजेपी को फायदा होगा। जिन्होंने ऐसा किया है, हम उन्हें नहीं छोड़ेंगे।

शादी से 9 दिन पहले युवती फंदे से लटकी, मौत

रामगढ़, 26 फरवरी (एजेंसियां)। रामगढ़ में एक युवती ने शादी से 9 दिन पहले आम के पेड़ पर दुपट्टे से फंदा बना सुसाइड कर लिया। घटना भदानीनगर ओपी क्षेत्र के सुदूरवर्ती गांव अमझरिया की है। वो लव मैरिज करने वाली थी पर इससे पहले ही उसने आत्महत्या कर ली। परिजनों ने उसके प्रेमी सह मंगेतर पर सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मंगेतर तिरला निवासी सन्नू बेदिया को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मृतका की पहचान अमझरिया गांव की केश्वरिया कुमारी (20) के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि उसकी 6 मार्च को शादी होने वाली थी।

सीएम साय के समधी जीते, मंत्री की बहू हारी

रायपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव खत्म हो चुके हैं। इन चुनावों में बीजेपी-कांग्रेस दोनों ही दलों में कई बड़े नेताओं के रिश्तेदार चुनावी मैदान में थे। इनमें मुख्यमंत्री के समधी, मंत्री की बहू से लेकर पूर्व मंत्रियों की पत्नी-बेटे और भतीजों तक ने चुनाव लड़ा। साथ ही एक और मंत्री के भाई तो निर्विरोध ही पार्षद पद का चुनाव जीत गए थे। इनके अलावा बीजेपी के ही 2 पूर्व मंत्रियों के 3 रिलेटिव मैदान में थे। कांग्रेस की बात करें तो, 2 पूर्व मंत्री के परिवार के सदस्य चुनाव लड़ रहे थे तो वहीं, 5 से ज्यादा विधायकों के परिवार के सदस्य भी चुनावी मैदान में उतरे थे। नतीजों की बात करें तो मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समधी को जीत मिली। वहीं मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल की बहू को हार का सामना करना पड़ा। पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू के भतीजे को भी बीजेपी अधिकृत प्रत्याशी ने हरा दिया। इसके अलावा धमतरी में विधायक की पत्नी भी हार गईं। इस रिपोर्ट विस्तार से जानेंगे कि बड़े नेताओं के रिश्तेदारों को हार मिली या जीत। सीएम साय के समधी टीकाराम कंवर ने धमतरी जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 9 से शानदार जीत दर्ज की है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को लगभग 9,500 वोटों के अंतर से पराजित किया। इस क्षेत्र में भाजपा को 20 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद सफलता मिली है। टीकाराम कंवर 1982 में वे थानेदार के पद पर थे और अब 2025 में जिला पंचायत सदस्य बने हैं।

गुंडा टैक्स नहीं देने पर मजदूरों के कैंप पर फायरिंग

धनबाद, 26 फरवरी (एजेंसियां)। धनबाद में आपराधिक घटनाओं पर लगाम नहीं लग पा रही है। ताजा मामला महुदा के पदुगोड़ा रेल फाटक की बगल में अंडरपास का निर्माण कर रहे मजदूरों के कैंप पर फायरिंग का है। मंगलवार देर रात अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर यहां दहशत फैला दी। दो मजदूर गोली लगने से घायल हो गए। दोनों लहूलुहान स्थिति में जान बचाने के लिए भागकर महुदा कोल वाशरी में पहुंचे। इधर, अपराधी वहां दो पुर्जे भी छोड़ गए थे। उन पर लिखा था - राजू गैंग को जीटी (गुंडा टैक्स) दिए बिना काम नहीं करने देंगे। जीटी नहीं देने का अंजाम बुरा होगा। वे एक मजदूर का मोबाइल फोन भी ले भागे। मजदूर ललन साहनी को पेट व पैर में और झूलन चौधरी को जांघ के पिछले हिस्से में गोली लगी है। महुदा थाने की पुलिस उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गई।

ईसाई धर्म नहीं अपनाने पर पत्नी को बेल्ट से पीटा

बिलासपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में धर्म-परिवर्तन नहीं करने पर पत्नी को पति ने बेल्ट से पीटा। महिला बोली पति उसे और 2 बच्चों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव डाल रहा है। ऐसा नहीं करने पर पति मारपीट करता है। घर से भगवान की मूर्तियों को निकालकर फेंक दिया है और उसकी जगह यीशु मसीह की फोटो लगा दिया है। भगवान की मूर्ति पूजा को वह शैतान पूजा बताता है। महिला ने दैनिक भास्कर को बताया कि मैं दलित समाज की महिला हूं, साल 2016 में जब मेरी शादी हुई, तब मेरा पति हिंदू धर्म को मानता था। हमारी शादी भी हिंदू रिति रिवाज से हुई थी।

शादी के कुछ समय बाद ही मेरा पति ईसाई धर्म को मानने लगा। शुरुआत में वो बोला कि तुम अपने धर्म को मानो और मैं ईसाई धर्म को मानूंगा। मुझे कुछ समझ नहीं आया। लेकिन, शादी के बाद मैं क्या करती। सब कुछ ऐसे ही चलता रहा। इस दौरान हमारे दो बच्चे हो गए। जिसके बाद पति का व्यवहार बदल गया। वो मुझे धर्म बदलने के लिए दबाव डालने लगा। मैं चर्च जाने लगी। प्रार्थना भी करती रही। लेकिन, मेरा मन धर्म परिवर्तन करने के लिए तैयार नहीं हुआ। जिसके बाद पति मेरे साथ बुरा बर्ताव करने लगा।

धर्म बदलने के लिए वो बेल्ट से बुरी तरह से मारपीट करने लगा। मैंने अपने ससुरालवालों को इसकी जानकारी दी। लेकिन, उन्होंने कुछ नहीं किया।

अमेरिकी नागरिकता देने के लिए पांच गुना वसूलेंगे ट्रम्प

44 करोड़ में सिटिजनशिप देंगे, 2 हफ्ते में शुरू होगा गोल्ड कार्ड वीजा प्रोग्राम

वॉशिंगटन, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति ट्रम्प अमेरिका की नागरिकता देने के बदले 5 गुना ज्यादा पैसा वसूल करने वाले हैं। ट्रम्प ने मंगलवार को 'गोल्ड कार्ड' नाम से एक नए वीजा प्रोग्राम को शुरू करने का ऐलान किया। इसे 5 मिलियन डॉलर (44 करोड़ भारतीय रुपए) में खरीदा जा सकता है। ट्रम्प ने इसे अमेरिकी नागरिकता का रास्ता बताया है।

ट्रम्प ने 'गोल्ड कार्ड' को ईबी-5 वीजा प्रोग्राम का विकल्प बताया और कहा कि भविष्य में 10 लाख गोल्ड कार्ड बेचे जाएंगे। फिलहाल अमेरिकी नागरिकता के लिए ईबी-5 वीजा प्रोग्राम सबसे आसान रास्ता है। इसके लिए लोगों को 1 मिलियन डॉलर (करीब 8.75 करोड़ रुपए) देने होते हैं।

ट्रम्प ने कहा कि यह वीजा कार्ड अमेरिकी नागरिकता के रास्ते खोलेगा। इसे खरीदकर लोग अमेरिका आएंगे और यहां बहुत ज्यादा टैक्स भरेंगे। उन्होंने दावा किया कि यह प्रोग्राम बहुत सफल होगा और इससे राष्ट्रीय कर्ज का भुगतान जल्द हो सकता है।

ट्रम्प ने मंगलवार को वीजा प्रोग्राम से जुड़े एक्जीक्यूटिव

ऑर्डर पर दस्तखत करते हुए कहा कि गोल्ड वीजा कार्ड नागरिकों को ग्रीन कार्ड जैसा स्पेशल राइट देगा। उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम के 2 हफ्ते में शुरू होने की उम्मीद है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि नई योजना के बारे में विस्तार से जानकारी जल्द ही आएगी।

इस दौरान उनके साथ कॉमर्शियल सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि नए वीजा प्रोग्राम से देश में निवेश बढ़ेगा, इसके साथ ही ईबी-5 से जुड़ी धोखाधड़ी रुकेगी और नौकरशाही पर लगाम लगेगी।

अमेरिका में स्थाई तौर पर रहने के लिए ग्रीन कार्ड की जरूरत होती है। इसके लिए ईबी-1, ईबी-2, ईबी-3, ईबी-4 वीजा प्रोग्राम हैं लेकिन ईबी-5 वीजा प्रोग्राम सबसे ज्यादा बेहतर है। यह 1990 से लागू है। इसमें शख्स किसी रोजगार देने वाले न्योक्ता से नहीं बंधे होते हैं और अमेरिका में कहीं भी रहकर काम या फिर पढ़ाई कर सकते हैं। इसे हासिल करने में 4 से 6 महीने लगते हैं।

ईबी-4 वीजा प्रोग्राम का मकसद विदेशी निवेश हासिल करना है। इसमें लोगों को किसी ऐसे बिजनेस में 1 मिलियन डॉलर का निवेश करना होता है, जो कम से कम 10 नौकरियां पैदा करता हो। यह वीजा प्रोग्राम निवेशक, उसकी पति या पत्नी और 21 साल के कम उम्र के बच्चों को अमेरिकी स्थाई नागरिकता देते हैं।

भारतीय लोगों पर क्या असर होगा?

रिपोर्ट्स के मुताबिक वे भारतीय जो अमेरिकी नागरिकता लेने के लिए ईबी-5 प्रोग्राम पर निर्भर थे, उनके लिए 'ट्रम्प वीजा प्रोग्राम' काफी महंगा पड़ सकता है। ईबी-5 कार्यक्रम को खत्म करने से लंबे ग्रीन कार्ड बैकलॉग में फंसे स्किल्ड भारतीय प्रोफेशनल्स को भी नुकसान हो सकता है। भारतीय आवेदकों को पहले से ही रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड कैटेगरी के तहत दशकों तक इंतजार करना पड़ता है।

सूडान में विमान हादसा

दुर्घटना का शिकार हुआ सैन्य विमान, 19 लोगों की मौत

काहिरा, 26 फरवरी (एजेंसियां)। सूडान का एक सैन्य विमान ओमदुरमान शहर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। सैन्य और स्वास्थ्य अधिकारियों ने बुधवार को एक संक्षिप्त बयान में बताया कि एंटोनोव विमान मंगलवार को ओमदुरमान के उत्तर में वादी सईदना एयरबेस से उड़ान भरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ओमदुरमान राजधानी खार्तूम की सिस्टर सिटी है। सेना के बयान के मुताबिक, दुर्घटना में सैन्यकर्मी और नागरिक मारे गए हैं। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि अब तक कितने लोगों के मारे जाने की सूचना है। इसमें यह भी नहीं बताया गया कि दुर्घटना किस कारण से हुई। इस बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कम से कम 19 लोग मारे गए, जिनके शवों को ओमदुरमान के नाउ में स्थानांतरित कर दिया गया है। अस्पताल में दो छोटे भाई-बहनों सहित पांच घायल नागरिक भी भर्ती थे। सूडान 2023 से गृहयुद्ध की स्थिति में है, जब सेना और एक कुख्यात अर्धसैनिक समूह रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच तनाव खुले युद्ध में बदल गया।

ट्रम्प को चेतावनी- रूस से जल्दबाजी में समझौता न करें

फ्रांसीसी राष्ट्रपति बोले- रूस ने हर बार युद्धविराम तोड़ा, मुद्दा भरोसे का है

वॉशिंगटन, 26 फरवरी (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैन्युल मैक्रों ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चेतावनी दी है कि यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस से जल्दबाजी में समझौता न करें। मैक्रों ट्रम्प से मिलने अमेरिका पहुंचे थे, मुलाकात के बाद उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में इस बारे में बात की।

मैक्रों ने बताया कि कुछ ही हफ्ते में रूस और यूक्रेन में युद्धविराम समझौता होने की पूरी संभावना है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि के तौर पर ट्रम्प से मिले थे, क्योंकि यूरोप के करीब सभी देश अपनी सुरक्षा को लेकर एक जैसी चिंता रखते हैं। मैक्रों ने कहा- हमने 2014 में रूस के साथ शांति समझौता किया था। मैं आपको व्यक्तिगत अनुभव से बता सकता हूं, क्योंकि मैं उस शांति समझौते पर नजर रखने वाले दो सदस्यों में से एक था। रूस ने हर बार समझौते का उल्लंघन किया और हमने एकजुट होकर जवाब नहीं दिया। इसलिए मुद्दा भरोसे का है। मैक्रों ने कहा मेरे हिसाब से युद्धविराम समझौते का क्रम इस तरह से होना चाहिए कि सबसे पहले अमेरिका और रूस के बीच बातचीत होनी चाहिए और फिर अमेरिका और यूक्रेन के बीच। राष्ट्रपति ट्रम्प ने मंगलवार घोषणा की है कि वो यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ बैठक के लिए तैयार हैं, यह बहुत जरूरी बात है। उन्होंने कहा- आने वाले हफ्तों में युद्धविराम हो सकता है। रूस को इसका सम्मान करना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो यह साफ हो जाएगा कि पुतिन शांति समझौते और यूक्रेन की संप्रभुता के बारे में गंभीर नहीं हैं।

राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा- जब युद्धविराम लागू होगा तब हम यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी और रूस के कब्जे से यूक्रेनी जमीन वापस लेने के मुद्दे पर बात करेंगे। यह यूक्रेन के राष्ट्रपति की जिम्मेदारी होगी कि वो अपने देश के हितों की रक्षा करें। उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूक्रेन में यूक्रेनी खनिज को लेकर कोई समझौता होता है तो इससे फ्रांस और बाकी यूरोप को कोई दिक्कत नहीं है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेन के नाटो में शामिल करने को लेकर कोई आम सहमति नहीं है, लेकिन अगर हम (यूरोपीय नाटो सदस्य) यूक्रेन को अकेला छोड़ देते हैं, जैसा कि हमने पहले भी किया था तो रूस की तरफ से एक और हमले का खतरा है। मैक्रों ने कहा कि हमें यह देखना होगा कि शांति समझौते पर आगे बढ़ने के लिए किस तरह की सुरक्षा गारंटी की जरूरत है। एक ऑप्शन यह हो सकता है कि यूक्रेन की सैन्य क्षमता को मजबूत किया जाए ताकि वो रूसी मोर्चे पर एक मजबूत सेना बनाए रख सके। दूसरा तरीका यह हो सकता है कि फ्रांस और ब्रिटेन मिलकर एक प्रस्ताव पर काम करें कि वो यूक्रेन में 'शांति सेना' भेजेंगे। यह सेना उस इलाके में तैनात की जाएगी जहां रूस और यूक्रेन में सहमति होगी।

सरकारी बस में महिला से रेप

पुलिस स्टेशन से 100 मीटर दूरी पर पार्किंग एरिया में वारदात, सीसीटीवी से आरोपी की पहचान

पुणे, 26 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे के व्यस्त स्वारगेट बस स्टैंड में खड़ी बस में मंगलवार सुबह 26 साल की महिला से रेप किया गया। घटना पुलिस स्टेशन से 100 मीटर की दूरी पर हुई। सीसीटीवी की मदद से आरोपी को पहचान लिया गया है, लेकिन इसकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। आरोपी का नाम दत्तात्रेय रामदास है। पुलिस ने उसे अरेस्ट करने के लिए 8 टीमें बनाई हैं। आरोपी का पहले से क्रिमिनल रिकॉर्ड है। महिला घरों में काम करती थी। वह अपने गांव जाने के लिए बस में चढ़ी थी। घटना से गुस्साए लोगों ने बस में तोड़फोड़ भी की। पुलिस के मुताबिक, घटना सुबह 5.45 से 6.30 बजे के बीच हुई। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी महिला से बात करते दिखा है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उसे दीदी कहकर बुलाया। महिला ने उससे गांव जाने वाली बस के बारे में पूछा तो आरोपी उसे बस में ले गया। बस एक तरफ खड़ी थी, उसमें रोशनी नहीं थी। महिला ने कहा कि उसने झिझकते हुए पूछा कि लाइटें नहीं जल रही हैं, तो उसने उससे कहा कि अन्य यात्री सो रहे हैं, इसलिए अंधेरा है। जैसे ही वह बस में दाखिल हुई, तो उसने दरवाजा बंद किया और रेप किया। उसने अपनी साथी को घटना की जानकारी दी। दोनों ने जाकर पुलिस से शिकायत की।

डिप्टी सीएम अजीत पवार ने कहा- बेहद दुर्भाग्यपूर्ण, परेशान करने वाली और गुस्सा दिलाने वाली घटना हुई है। इस घटना ने सिख झुका दिया है। आरोपी का अपराध माफ करने वाला नहीं है।

अमेरिका को हथियार-बैटरी बनाने वाले खनिज देगा यूक्रेन

वॉशिंगटन/कीव, 26 फरवरी (एजेंसियां)। यूक्रेन, अमेरिका को रेयर अर्थ मेटेरियल (दुर्लभ खनिज) देने पर राजी हो गया है। यूक्रेन और अमेरिका दोनों देशों के अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि जेलेंस्की इस डील पर साइन करने के लिए शुक्रवार को अमेरिका का दौरा कर सकते हैं।

ट्रम्प करीब 1 महीने से यूक्रेन सरकार पर अमेरिका को दुर्लभ खनिज देने को लेकर दबाव बना रहे थे। उनका कहना था कि यदि यूक्रेन को अमेरिकी मदद चाहिए तो उसे 500 बिलियन डॉलर के दुर्लभ खनिज अमेरिका को देने होंगे। उन्होंने जेलेंस्की को धमकी दी थी कि यदि उन्होंने ऐसा नहीं किया तो अमेरिका यूक्रेन को और मदद देना बंद कर देगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूक्रेन के साथ नई खनिज डील में अमेरिका ने 500 बिलियन डॉलर के खनिज की मांग छोड़ दी है। हालांकि, उसने यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी देने से भी इनकार कर दिया है। अमेरिकी अधिकारी इसका विरोध कर रहे थे। यूक्रेन डील के बदले में अमेरिका से सुरक्षा गारंटी की मांग कर रहा था। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका दुर्लभ खनिज के बदले यूक्रेन के री-डेवलपमेंट (पुनर्विकास) में मदद करेगा। ट्रम्प ने मंगलवार को कहा- अमेरिका ने यूक्रेन को 300 से 350 बिलियन डॉलर की मदद है। हम वह पैसा वापस चाहते हैं। अमेरिकियों को उनका पैसा वापस मिलने जा रहा है।

दुर्लभ खनिजों से अमेरिका को क्या फायदा?

ट्रम्प यूक्रेन के जिन दुर्लभ खनिजों को लेना चाहते हैं, उनका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक कार, हथियार और सैन्य उपकरण बनाने में होता है। दुर्लभ खनिजों की ग्लोबल सप्लाई चेन में फिलहाल चीन सबसे बड़ा प्लेयर है। माइनिंग टेक्नोलॉजी की रिपोर्ट के मुताबिक चीन दुनिया के 69% दुर्लभ खनिजों का उत्पादन करता है, जबकि 90% दुर्लभ खनिज चीन में ही प्रोसेस होते हैं।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प दुर्लभ खनिजों की सप्लाई में अमेरिका का हिस्सा बढ़ाना चाहते हैं। फिलहाल अमेरिका इन खनिजों के लिए चीन पर निर्भर है। अमेरिका का दोबारा महान बनाने की बात करने वाले ट्रम्प के लिए, ये चिंता की बात है। इससे अमेरिका का आर्थिक और सैन्य मोर्चे पर दांव कमजोर पड़ सकता है। यूक्रेन के लुहांस्क, डोनेत्स्क, जपोरेजिया और खेरसॉन पर रूस ने कब्जा कर लिया है। इन प्रांतों में यूक्रेन के कुल खनिज भंडार का 53% हिस्सा है, जिसकी कीमत 6 ट्रिलियन पाउंड यानी 660 लाख करोड़ रुपए है। इस पर पुतिन का सितंबर 2022 से कब्जा है। यूक्रेन के पास रेयर अर्थ मेटेरियल के दुनिया के कुल कच्चे माल का लगभग 5% है। इसमें ग्रेफाइट का लगभग 19 मिलियन टन भंडार शामिल है। इसके अलावा यूरोप के कुल लीथियम भंडार का 33% हिस्सा यूक्रेन के पास है। जंग की शुरुआत से पहले ग्लोबल टाइटेनियम उत्पादन में 7% हिस्सा यूक्रेन का था।

यूक्रेन के पास रेयर अर्थ मेटेरियल के कई अहम भंडार हैं। हालांकि, जंग के बाद इनमें से कई रूस के कब्जे में पहुंच गए हैं। यूक्रेनी मंत्री यूलिया स्विरीडेन्को के मुताबिक रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी हिस्से में 350 अरब डॉलर के संसाधन मौजूद हैं।

उत्तर कोरिया ने विदेशी पर्यटकों के लिए दरवाजे खोले, कमजोर अर्थव्यवस्था सुधारने की तैयारी

सियोल, 26 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। पिछले सप्ताह विदेशी पर्यटकों का एक छोटे समूह ने उत्तर कोरिया का दौरा किया। यह समूह पिछले पांच वर्षों में उत्तर कोरिया का दौरा करने वाला पहला समूह बन गया। हालांकि, इससे पहले एक छोटे से रूसी पर्यटकों के समूह ने पिछले वर्ष उत्तर कोरिया की यात्रा की थी।

विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी पर्यटकों की यह यात्रा उत्तर कोरिया के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण है, क्योंकि उत्तर कोरिया अपनी कमजोर अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को फिर से शुरू करने के लिए तैयारी कर रहा है, क्योंकि देश को विदेशी मुद्रा की आवश्यकता है।

बीजिंग की ट्रैवल कंपनी कोरयो टूर्स ने कहा कि 13 अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का एक समूह उत्तर कोरिया की यात्रा पर है। उसने 20 से 24 फरवरी तक समूह के लिए रासोन शहर में यात्रा की व्यवस्था की, जो देश का विशेष आर्थिक क्षेत्र है। ट्रैवल एजेंसी के महाप्रबंधक साइमन कॉकरेल के अनुसार, विदेशी पर्यटकों में यूके, कनाडा, ग्रीस, न्यूजीलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, ऑस्ट्रेलिया, और इटली के यात्री शामिल हैं, जो चीन से जमीन के रास्ते उत्तर कोरिया पहुंचे हैं। साइमन ने बताया कि पर्यटकों ने रासोन में कारखानों, दुकानों, स्कूलों और किम इल सुंग तथा किम जोंग इल (वर्तमान नेता किम जोंग उन के दिवंगत दादा एवं पिता) की मूर्तियों का दौरा किया।

धरती पर आने वाली है कयामत की रात

आसमान में कौन ओढ़ा रहा 'कंबल'

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। 2022 में ईरान के रिसर्चरों ने एक रिसर्च सामने आई थी, जिसमें कहा गया था कि एशिया में गर्म रातों की संख्या में हर साल 84.6% की बढ़ोतरी हो रही है। इससे हर साल एक से तीन रातों की बढ़ोतरी हो सकती है। इसमें यह भी कहा गया था कि 2070 तक एशिया के 22% से 25% क्षेत्र में गर्म रातों की संख्या प्रति वर्ष 96 से अधिक हो सकती है। शोधपत्र ने चेतावनी दी है कि 2070 तक एशिया का 8.7% हिस्सा साल भर में 308 से अधिक गर्म रातों का अनुभव करेगा। अब ब्रिटेन की ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी के एक सुपर कंप्यूटर सिमुलेशन के हिसाब से 25 करोड़ साल बाद धरती इंसानों समेत सभी स्तनधारियों के रहने लायक नहीं रहेगी। यानी धरती से जिंदगी खत्म हो जाएगी। जीवन के खत्म होने की वजह बेतहाशा गर्मी, ज्वालामुखी विस्फोट और एक गर्म महाद्वीप बनेगा। अब जरा सोचिए अगर आपको कई दिनों तक लगातार तेज धूप में काम करना पड़े और रात को भी आराम न मिले, तो आपका शरीर कितना

थक जाएगा। गर्म रातें हमारी सेहत के लिए एक बड़ी चुनौती हैं। खासकर उन लोगों के लिए जिनके पास एसी नहीं है या जो इसे चलाने का खर्च नहीं उठा सकते। जलवायु परिवर्तन के कारण, तेज गर्मी और लू ज्यादा चल रही है। ये ज्यादा खतरनाक बन रहे हैं। इससे हमें धूप में छांव ढूंढते लोगों की तस्वीर याद आती है। या फिर बच्चों की, जो फव्वारे में भीग रहे हैं, जबकि उनके माता-पिता पसीने से तर-बतर हो रहे हैं। करीब 30 साल पहले वैज्ञानिकों ने दुनिया भर के 2,000 से ज्यादा मौसम केंद्रों का डेटा इस्तेमाल किया। उन्होंने जानना चाहा कि 1951 से 1990 के बीच दिन और रात के तापमान में क्या बदलाव आए। उन्होंने पाया कि ज्यादातर जगहों पर रात का न्यूनतम और अधिकतम तापमान बढ़ा था। रात का तापमान 1.4°फ बढ़ा, जबकि दिन का तापमान 0.5°फ बढ़ा। मतलब, रातें दिनों के मुकाबले ज्यादा गर्म हुईं। इससे 'डायर्नल टेम्परेचर रेंज (डीटीआर)' कम हो गया। डीटीआर मतलब दिन और रात के तापमान का अंतर।

उस अध्ययन के बाद से कई और अध्ययनों ने इस बात की पुष्टि की है कि दुनिया भर में रातें दिनों के मुकाबले ज्यादा गर्म हो रही हैं। अब हम 1901 से अब तक के बदलाव को और अच्छे से समझ पा रहे हैं। हमें यह भी पता चला है कि यह हर जगह एक जैसा नहीं है। रात और दिन के तापमान में बदलाव दुनिया भर में अलग-अलग हैं। उत्तरी अमेरिका और एशिया जैसे कुछ इलाकों में रातें ज्यादा गर्म हो रही हैं। लेकिन ऑस्ट्रेलिया जैसे कुछ इलाकों में ऐसा कोई साफ ट्रेंड नहीं दिखता।

अमेरिका में 'फोर्थ यूएस नेशनल क्लाइमेट असेसमेंट' के मुताबिक, औसत न्यूनतम और अधिकतम तापमान 20वीं सदी के पहले भाग के मुकाबले क्रमशः 1.4 डिग्री फॉरेनहाइट और 1.1 डिग्री फॉरेनहाइट ज्यादा गर्म है। सोचिए, अगर रातें ज्यादा गर्म होती रहीं, तो इसका हमारे जीवन पर क्या असर पड़ेगा?

पौधों को रात में ठंडक चाहिए होती है। अगर रातें गर्म रहीं तो खेती पर असर पड़ेगा। हमारी नींद भी खराब हो सकती है।

गर्मी से बचने के लिए हमें ज्यादा बिजली खर्च करनी पड़ेगी। जानवरों और पक्षियों के जीवन पर भी इसका असर होगा।

हिजबुल्लाह संग युद्ध का टर्निंग प्वाइंट था

मोसाद चीफ ने गाजा युद्ध के बाद पहली बार तोड़ी चुप्पी, पेजर हमले पर बड़े खुलासे

तेलअवीव, 26 फरवरी (एजेंसियां)। हमास के इजरायल पर 7 अक्टूबर को हुए भीषण हमले के बाद पहली बार मोसाद के चीफ डेविड बरनिआ ने मंगलवार को गाजा युद्ध को लेकर सार्वजनिक रूप से चुप्पी तोड़ी है। इस दौरान डेविड ने हिज्बुल्लाह के लड़ाकुओं के खिलाफ किए गए पेजर हमले के बारे में कई बड़े खुलासे किए हैं। डेविड ने कहा कि यह हिज्बुल्लाह के साथ युद्ध का टर्निंग प्वाइंट था। उन्होंने कहा कि यह हमारे मिशन के पूरा होने का स्पष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मोसाद देश और नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपने मिशन को पूरा कर रहा है। पेजर ऑपरेशन को मोसाद के एजेंटों ने पूरी सफाई के साथ योजना बनाई और उसे पूरा किया। इस हमले ने हिज्बुल्लाह की कमर तोड़ दी थी और सैकड़ों की तादाद में लड़ाके या तो मारे गए थे या फिर बुरी तरह से घायल हो गए थे। मोसाद के इस अभियान से पूरी दुनिया हैरान रह गई थी।

इंस्टीट्यूट फॉर नैशनल सिक्योरिटी स्टडी के सम्मेलन में मोसाद चीफ ने कहा कि यह

दिखाता है कि हमारी दुश्मन के अंदर खुफिया घुसपैठ और गहरी समझ, तकनीकी सर्वोच्चता और आला दर्जे की ऑपरेशनल क्षमता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह पेजर हमला लेबनान में चल रहे युद्ध का टर्निंग प्वाइंट था। साथ ही उस 10 दिन की लड़ाई का उद्घाटन जिसके बाद दुश्मन को मटियामेट कर दिया गया। विस्फोटकों से भरे पेजर हमले और नसरल्लाह के खात्मे तथा सीजफायर के बाद एक स्पष्ट रेखा खींच दी गई।

मोसाद चीफ ने कहा कि ऑपरेशन पेजर को ऑपरेशन वॉकी टॉकी की अपेक्षा बाद में शुरू किया गया था। पेजर हमले के एक दिन बाद ही वॉकी टॉकी विस्फोट शुरू हो गया था। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन वॉकी टॉकी को एक दशक पहले (2011-2016) शुरू किया गया था। डेविड ने कहा कि ऑपरेशन पेजर का प्लान तब बनाया गया जब हमें यह अहसास हुआ कि ऑपरेशन वॉकी टॉकी सभी युद्धक हालात में प्रभावी नहीं रह गया है। इसके बाद हमने हिज्बुल्लाह के आतंकियों को निशाना बनाने के लिए उस डिवाइस को हथियार बनाया जो उनके शरीर के साथ हमेशा रहता है।

मोसाद प्रमुख डेविड ने कहा कि इसके लिए साल 2022 में पहला काम शुरू हुआ और विस्फोटकों से भरे 500 पेजर की पहली खेप 7 अक्टूबर के हमास के हमले से ठीक पहले ही हिज्बुल्लाह के पास पहुंची थी। उन्होंने कहा कि इस समय हिज्बुल्लाह के गोदाम के अंदर हजारों की तादाद में रेडियो रखे हुए थे।

उन्होंने कहा कि युद्ध शुरू होने से पहले अगर हम इन दोनों ही अभियानों को लॉन्च करते तो उसका उतना बढ़िया रिजल्ट नहीं आता जितना कि युद्ध शुरू होने के बाद आया।

उन्होंने कहा कि हिज्बुल्लाह के आतंकियों के हाथों में इन हजारों विस्फोटों को टर्निंग प्वाइंट के रूप में याद किया जाएगा। इसका हिज्बुल्लाह के मनोबल पर बहुत ही गहरा असर पड़ा।

रूस समर्थक बोस्नियाई सर्ब राष्ट्रपति मिलोराद डोडिक जाएंगे जेल

सरजेवो, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बोस्निया की एक अदालत ने बुधवार को रूस समर्थक बोस्नियाई सर्ब राष्ट्रपति मिलोराद डोडिक को एक साल की सजा सुनाई और उन्हें छह साल के लिए राजनीति से प्रतिबंधित कर दिया। उन्हें यह सजा उनकी अलगाववादी गतिविधियों को लेकर सुनाई गई है। सरजेवो की अदालत का यह ऐतिहासिक फैसला एक साल की लंबी सुनवाई के बाद आया है। डोडिक पर आरोप था कि उन्होंने बोस्निया में शांति बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय शांति दूत की बातों को नजरअंदाज किया।

पूर्वी थाईलैंड में पलटी चार्टर्ड बस

दुर्घटना में 18 लोगों की मौत, 31 घायल

बैंकॉक, 26 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्वी थाईलैंड में बुधवार सुबह एक चार्टर्ड बस अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 31 अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सड़क दुर्घटना प्राचीन बुरी प्रांत में उस समय हुई, जब बस उत्तरी थाईलैंड से तटीय रेयोंग प्रांत की यात्रा कर रही थी। बस में एक दल सवार था, जो नगरपालिका अध्ययन दौरे पर निकला था।

परिवहन विभाग ने कहा कि वह इस सड़क दुर्घटना की जांच में पुलिस के साथ समन्वय करेगा।

साथ ही सभी यात्री वाहनों की जांच तेज की जाएगी, जिससे कि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सुरक्षा मानकों को पूरा करते हैं या नहीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, थाईलैंड में सड़क सुरक्षा एक बड़ी समस्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, सड़क दुर्घटना में मौतों के मामले में थाईलैंड 175 सदस्य देशों में से 9वें स्थान पर है। इसकी जानकारी पिछले साल अक्तूबर में तब हुई, जब एक स्कूल बस में भीषण आग लग गई और हादसे में 23 युवा छात्रों सहित शिक्षकों की मौत हो गई। सभी स्कूल के फील्ड ट्रिप पर गए थे। इस दुर्घटना के पीछे संदेह जताया गया था कि बस में आग रखरखाव और निरीक्षणों की लापरवाही के चलते लगी है।

दिसंबर 2023 में, पश्चिमी प्रांत प्राचुआप खीरी खान में एक और बस दुर्घटना हुई। 49 लोगों से भरी बस सड़क से उतरकर एक पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

सैलरी नहीं मिलने पर ओमान से नाव लेकर भागे भारतीय

मस्कट, 26 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय तटरक्षक और तटीय सुरक्षा पुलिस (सीएसपी) के अधिकारियों ने कर्नाटक के उडुपी तट से लगभग 15 किमी दूर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग शनिवार को सेंट मैरी आईलैंड के पास ओमान की एक मछली पकड़ने वाली नाव से अवैध रूप से भारतीय जलक्षेत्र में प्रवेश कर गए थे।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान जेम्स फ्रैंकलिन मोसेस (50), रॉबिनस्टन (50) और डेरोज अल्फांसो (38) के तौर पर हुई। ये सभी सभी तमिलनाडु के रहने वाले हैं। तीनों पर पासपोर्ट एक्ट 1920 की धारा 3 और भारतीय समुद्री क्षेत्र एक्ट 1981 की धारा 10, 11 और 12 के तहत मामला दर्ज किया गया।

ये लोग सिर्फ एक जीपीएस डिवाइस की मदद से लगभग 3000 किलोमीटर का समुद्री सफर तय करके 23 फरवरी को कारवार तट के रास्ते सेंट मैरी द्वीप पहुंचे। तटीय सुरक्षा पुलिस के एसपी मिथुन एचएन ने इस मामले में किसी भी आतंकी एंगल से इनकार किया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि ये सभी ओमान में एक मछली पकड़ने वाली कंपनी में काम कर रहे थे। यहां उन्हें समय पर सैलरी नहीं मिल रही थी और उन्हें परेशान किया जा रहा था। इन लोगों का पासपोर्ट भी जब्त कर लिया गया था। इस वजह से ये लोग नाव के साथ भाग गए ताकि वे अपने घर पहुंच सकें। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे 17 फरवरी को दोपहर 3 बजे ओमान के पूर्वी हिस्से में दुक्म बंदरगाह से निकले थे। उन्हें 23 फरवरी को शाम करीब 4.30 बजे उडुपी तट से दूर सेंट मैरी आईलैंड के पास से पकड़ा गया।

एक लोकल मछुआरे ने इस बारे में सीएसपी को जानकारी दी थी। तीनों को सोमवार को उडुपी की अदालत में पेश किया गया और जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

बजट के बाद एक्शन मोड में सीएम भजनलाल
बीजेपी के सभी विधायकों को मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी; बनाया 'बिग प्लान'

जयपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में भजनलाल सरकार ने 2025-26 का बजट पेश करने के तुरंत बाद एक्शन मोड में काम शुरू कर दिया है। बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए सीएम कार्यालय पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। सीएम भजनलाल ने मंत्रियों और अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि बजट घोषणाओं का त्वरित एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

विधायकों को मिली नई जिम्मेदारी

सूत्रों के अनुसार सीएम भजनलाल शर्मा ने बीजेपी विधायकों को भी अहम जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया है। इसके तहत- 5-5 विधायकों के ग्रुप बनाए जाएंगे। हर ग्रुप के साथ एक मंत्री को अटैच किया जाएगा। विभागीय कामों में तेजी लाने के लिए यह ग्रुप काम करेगा। जनता के मुद्दों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। विधायक अलग-अलग राज्यों का दौरा कर नवाचार की जानकारी लेंगे।

इस फैसले से जहां मंत्रियों पर काम का दबाव कम होगा, वहीं विधायकों को भी महत्वपूर्ण भूमिका मिलेगी। सरकार का मानना है कि इससे न केवल बजट घोषणाओं का त्वरित क्रियान्वयन होगा, बल्कि जनता को योजनाओं का लाभ भी जल्दी मिलेगा। सीएम भजनलाल शर्मा के इस फैसले से विधायकों में उत्साह है। उन्हें पहली बार इतने बड़े स्तर पर जिम्मेदारी दी गई है, जिससे उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित होगी और जनता के मुद्दों का समाधान भी तेजी से किया जाएगा।

सीएम ऑफिस से सीधी निगरानी

वहीं, ये भी जानकारी मिल रही है कि इस बार मुख्यमंत्री कार्यालय खुद कलेक्टर और विभागीय अधिकारियों से सीधे संपर्क कर रहा है। हर घोषणा को लेकर समयसीमा तय की जा रही है और क्रियान्वयन की रिपोर्ट सीएमओ को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

सूत्रों के अनुसार, राजस्थान में इससे पहले इतने बड़े स्तर पर बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग कभी नहीं हुई थी। मुख्यमंत्री कार्यालय हर जिले के कलेक्टर से सीधे प्लान मांग रहा है और योजनाओं को तय समय पर लागू करने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है।

बताते चलें कि इससे पहले बजट को धरातल पर उतारने के लिए प्रभारी मंत्रियों को अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा करने के लिए भेजा गया था, जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी योजनाएं सही समय पर लागू हों।

इस फैसले से क्या फायदा होगा?

गौरतलब है कि सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार तेजी से विकास कार्यों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। बजट घोषणाओं को समय पर लागू करने के लिए जिस तरह से सीएमओ हर स्तर पर निगरानी कर रहा है, वह अपने आप में ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। क्योंकि इससे बजट घोषणाओं का तेज क्रियान्वयन होगा और जनता को योजनाओं का लाभ जल्दी मिलेगा।

क्या डोटासरा 4 साल के लिए सदन से हो जाएंगे निलंबित?
स्पीकर के भावुक होने पर सत्ता पक्ष ने दिए थे संकेत

जयपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को लेकर की गई टिप्पणी व कांग्रेस विधायकों के निलंबन के बाद गतिरोध बना हुआ है। इसी बीच पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने सोमवार को सदन के बाहर स्पीकर को लेकर टिप्पणी कर दी थी। जिसके बाद कल स्पीकर वासुदेव देवनानी सदन में भावुक हो गए। स्पीकर के भावुक वक्तव्य के बाद सत्ता पक्ष ने डोटासरा के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के संकेत दिए थे।

स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सदन में कहा था कि राजस्थान विधानसभा की लंबी और मर्यादापूर्ण परंपरा रही है। यहां कई बार गतिरोध हुआ है, विपक्ष ने धरने भी दिए हैं। लेकिन कल सदन के स्थगित होने के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने जिस भाषा का इस्तेमाल किया वह असहनीय है। ऐसे शब्द सुनने के लिए मैं विधानसभा में नहीं आया, डोटासरा विधायक बनने के योग्य नहीं, निर्णय सदन पर छोड़ता हूं। गोविंद सिंह डोटासरा के व्यवहार को लेकर देवनानी भावुक हो गए और उनकी आंखों में आंसू आ गए।

वहीं, गोविंद सिंह डोटासरा ने इस मामले को लेकर कहा कि हम तो स्पीकर के पास जाकर गुहार लगा रहे थे कि मंत्री ने जो बोला है उसे स्पंज करवाओ, हमने और क्या बोला। अगर इनके पास हमारे द्वारा अमर्यादित भाषा का प्रयोग किये जाने का सबूत होता है तो ये लोग वीडियो जारी कर देते।

गोविन्द सिंह डोटासरा ने स्पीकर की कुर्सी की तरफ हाथ करते हुए कहा था कि इसके बाप की जागीर है क्या सदन? इस बीच श्रीचंद कृपलानी ने कहा कि आसन के लिए तो ऐसी भाषा तो मत बोलो। डोटासरा ने कहा कि 'जो सम्मान के लायक हो, उससे सम्मान से बात की जाती है, जो सम्मान लायक नहीं, उससे जूते से बात की जाती है। सदन इसके बाप का नहीं है। इसके पैर पकड़े! इसके गुलाम हैं क्या हम?'

कैबिनेट मंत्री बोले- पलटूराम ने विधानसभा में विपरीत आचरण किया

जोधपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बिना नाम लिए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को गोविन्द सिंह डोटासरा को पलटूराम कहा। मीडिया से बात करते हुए पटेल ने कहा- एक व्यक्ति की वजह से पूरी विधानसभा और पार्टी हाईजैक हो गई है। मैंने खुद भी प्रयास किया और मुख्यमंत्री ने भी प्रयास किया। इसी प्रयास से विधानसभा में चल रहे गतिरोध का निस्तारण हुआ। इसके विपरीत जाकर उस पलटूराम ने आचरण किया। खेद व्यक्त करना था वो खेद व्यक्त नहीं किया।

विधानसभा में चल रहा गतिरोध कांग्रेस की ही अंतर्कलह से जुड़ा है। दिल्ली में अपने नंबर बढ़ाने के चक्कर में एक नेता नहीं चाहते कि उन्हीं की पार्टी के नेता प्रतिपक्ष सदन में बोले। ये इन्हीं की साजिश लग रही है और ऐसी चर्चाएं कई दिनों से चल रही है। जोगाराम पटेल बुधवार को जोधपुर में थे। यहां उन्होंने विधानसभा में चल रहे विवाद को लेकर मीडियाकर्मियों से बात की थी।

कैबिनेट मंत्री पटेल ने कहा कि हमारा तो अब भी यही प्रयास है कि गतिरोध खत्म हो और सदन में सभी दल अपनी बात रखें। लेकिन, सुनने में आ रहा है कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, जिन्होंने पहले से पूरी तैयारी कर रखी थी। वे सदन में नहीं बोल पाए। इसके लिए एक नेता ये पूरा हंगामा करके लाइमलाइट में आना चाह रहे हैं। जबकि, वे चाहते तो नेता प्रतिपक्ष का वक्तव्य सदन में रखने के बाद भी हंगामा कर सकते थे। लेकिन, उन्होंने ऐसा नहीं किया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हम तो कांग्रेस के सभी नेताओं से अपील कर रहे हैं कि गतिरोध खत्म करने के लिए वे भी आगे आएं और आपस में बैठकर वार्ता के जरिए समाधान निकाला जाए।

बता दें कि विधानसभा में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को लेकर की गई टिप्पणी और उसके बाद कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत 6 कांग्रेस विधायकों को सस्पेंड करने के बाद गतिरोध बढ़ गया।

देशभर में बढ़ रही अचानक मौतें
अशोक गहलोत ने जताई चिंता, बोले- सरकार रिसर्च करवाए, कहीं ये महामारी ना बन जाए

जयपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। देशभर में पिछले कुछ वर्षों में अचानक मौतों के मामले काफी बढ़ गए हैं। कई जिम में वर्कआउट करते तो कोई डांस करते-करते गिर गया, कईयों की मौत खेलते-खेलते ही हो गई। बीते सोमवार को ही राजस्थान विश्वविद्यालय के वुशू खिलाड़ी मोहित शर्मा की चंडीगढ़ में मैच खेलते-खेलते मौत हो गई। वहीं, इसको लेकर राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भी सवाल उठाए हैं।

गहलोत ने भी मौतों पर उठाए सवाल

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने एक्स पर लिखा कि राजस्थान में कोविड का शानदार प्रबंधन हुआ। उस समय जो एक्सपर्ट डॉक्टर हमारे सम्पर्क में आए उन्होंने पोस्ट कोविड रिसर्च पर ध्यान देने का सुझाव दिया। इसी कारण हमारी सरकार ने 2023 के बजट में RUHS में सेंटर फॉर पोस्ट कोविड रिहैबिलिटेशन खोलने की घोषणा की थी परन्तु नई सरकार ने इस घोषणा को क्रियान्वित नहीं किया।

अशोक गहलोत का ट्विट

अगर यह सेंटर खुलता तो पोस्ट कोविड कॉम्प्लिकेशन्स के बारे में रिसर्च की जाती। इस रिसर्च से पता चलता कि युवाओं में अचानक हार्ट अटैक के मामले क्यों बढ़ गए हैं। केन्द्र और राज्य सरकार दोनों को इस विषय में सघन रिसर्च करवानी चाहिए अन्यथा आने वाले दिनों में दिल की बीमारी कहीं एक महामारी का रूप ना ले ले।

जयपुर के छात्र की चंडीगढ़ में मौत

बता दें, बीते सोमवार को राजस्थान यूनिवर्सिटी के 21 वर्षीय वुशू खिलाड़ी मोहित शर्मा की इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के दौरान चंडीगढ़ में मौत हो गई। प्रतियोगिता के दौरान राजस्थान यूनिवर्सिटी का यह प्रतिभाशाली वुशू खिलाड़ी पूरी ऊर्जा के साथ मैच खेल रहा था। उसने पहला राउंड जीत लिया था और दूसरे राउंड के लिए तैयार था। खेलते-खेलते अचानक वह संतुलन खो बैठा और रिंग की मैट पर गिर पड़ा।

साथी खिलाड़ियों और रेफरी ने तुरंत उसे संभाला, लेकिन कोई हलचल नहीं होने पर उसे फौरन अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पूनिया बोले- कांग्रेस के पास नेतृत्व नहीं, मुद्दे का अभाव

अलवर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा बीजेपी के प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के भ्रष्टाचार और फोन टैपिंग के आरोपों पर कहा- डॉ. किरोड़ी लाल मीणा पार्टी के वरिष्ठ और सम्माननीय नेता हैं। हम सबका मान और काम पार्टी के कारण है। मैं उनके बयान पर कोई टिप्पणी नहीं करता हूं। जो भी व्यक्ति कोई बात कहता है तो उसकी बात को वही बता सकता है। पूनिया ने कहा- पार्टी सबको अवसर देती है। किसी को मंत्री, मुख्यमंत्री, किसी मेयर, किसी को दूसरा पद दिया जाता है। बीजेपी ने ही यह साहस किया है कि पहली बार विधायक बनने वालों को मध्यप्रदेश, राजस्थान और दिल्ली में मुख्यमंत्री बनाया है। सतीश पूनिया मंगलवार को निजी कार्यक्रम में भाग लेने अलवर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार, आमेर से चुनाव नहीं लड़ने और राजस्थान में राजनीतिक बदलाव, विपक्ष के पर्चों की सरकार के आरोपों समेत कई मुद्दों पर बात की। पूनिया ने विधानसभा में कांग्रेस के विरोध के कारण बने गतिरोध और स्पीकर वासुदेव देवनानी के भावुक होने पर कहा- सदन चलना चाहिए। विपक्ष का धर्म है कि तार्किक आधार पर लड़ाई लड़े। कांग्रेस के पास नेतृत्व का अभाव है। मुद्दे भी नहीं हैं। उनको सदन चलने देना चाहिए था, ताकि जनता की बात रख सकें। विपक्ष धारदार तरीके से अपनी बात रखे। कांग्रेस के नेता सत्ता में ज्यादा रहे हैं। उनको विपक्ष की ट्रेनिंग नहीं है। अब उनको ट्रेनिंग ले लेनी चाहिए। उन्होंने कहा- मंत्री अविनाश गहलोत ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को 'दादी' कहकर संबोधित किया था। यह शब्द कोई 'असंसदीय' नहीं था। शब्द पर आपत्ति नहीं है। तौर-तरीके और परिस्थिति पर आपत्ति हो सकती है। उसका कोई न कोई रास्ता निकलता है।

मुझे लगता है कि स्पीकर ने पूरे प्रयास किए हैं। शब्द को पकड़ विरोध करना शुरू कर दिया। गतिरोध की एक सीमा होती है। कांग्रेस को उसे तोड़ना चाहिए। मुझे लगता है शब्दों की लड़ाई की जरूरत नहीं है।

अवैध बजरी खनन को लेकर अवमानना मामले में मुख्य सचिव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

जयपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बजरी के अवैध खनन को लेकर अवमानना के मामले में मुख्य सचिव को दोषमुक्त कर दिया। न्यायाधीश अभय एस. ओका और न्यायाधीश उज्जल भुयान की खंडपीठ ने नवीन शर्मा की अवमानना याचिका पर यह आदेश दिया। याचिका में राज्य सरकार पर बजरी के अवैध खनन को रोकने में विफल रहने और सुप्रीम कोर्ट के 16 नवंबर 2017 के आदेश का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में वैज्ञानिक पुनर्भरण अध्ययन और पर्यावरणीय मंजूरी के बिना बजरी के खनन पर पाबंदी लगा दी थी। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अदालती आदेशों के बावजूद राजस्थान में बड़े पैमाने पर बजरी का अवैध खनन जारी है, जिससे पर्यावरण को नुकसान हो रहा है।

इस पर कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या उनके पास 82 खदान मालिकों के खनन कार्य जारी रखने का कोई प्रमाण है। याचिकाकर्ता ने जवाब में कहा कि ये खनन नहीं कर रहे, लेकिन अन्य लोग अवैध खनन में लिप्त हैं। इस पर कोर्ट ने टिप्पणी की कि अगर ऐसा है तो उपाय अवमानना याचिका नहीं, बल्कि अन्य माध्यम है। अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने कहा कि राज्य में अवैध खनन रोकने के लिए कोर्ट के आदेशों और नियमों की पूरी तरह पालन की जा रही है।

अब तीन संतान होने पर भी लड़ सकेंगे पंचायत चुनाव, सरकार कर रही विचार

जयपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। आने वाले दिनों में होने वाले पंचायत चुनाव में तीन संतान के कारण चुनाव नहीं लडने का प्रतिबंध हटाया जा सकता है। इस संबंध में राजस्थान सरकार ने संकेत दिए हैं।

आपको बता दें कि राजस्थान विधानसभा में यह मामला उठा तो सरकार ने कहा कि यह मामला गंभीर है, इस पर विचार किया जा सकता है। विधानसभा में विधायक चन्द्रभान आक्या ने सरकार से पूछा कि प्रदेश में पंचायत चुनाव में तीन संतान होने पर चुनाव नहीं लड़ सकते, जबकि विधानसभा व लोकसभा चुनाव में यह प्रतिबंध नहीं है। पंचायत चुनाव में इस नियम को हटाया जाए।इस पर संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मामला गंभीर है, इस पर विचार किया जाएगा। राजस्थान विधानसभा में शून्यकाल के दौरान राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव कराए जाने की मांग फिर से जोर पकड़ी। भाजपा के विधायक धर्मपाल ने विधानसभा में छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि छात्रसंघ चुनाव राजनीति की पहली सीढ़ी है। इसलिए सरकार को छात्रसंघ चुनाव हर हाल में कराए जाने चाहिए।

111 नगरीय निकायों को लेकर सरकार ने जारी किया नया आदेश

जयपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के 111 नगरीय निकायों (नगर निगम, परिषद, पालिका) में चुनाव टालते हुए जिला कलक्टर, अतिरिक्त जिला कलक्टर, उपखंड अधिकारी को प्रशासक नियुक्त किया गया है, लेकिन दो जगह का काम होने से लोगों के पट्टे देने सहित अन्य काम प्रभावित हो गए।

हल्ला मचा तो स्वायत्त शासन विभाग को बड़े निकायों में प्रशासक के रूप में नियुक्त जिला कलक्टर व संबंधित निकाय आयुक्तों के बीच काम का बंटवारा करना पड़ा है। जमीन और भवन निर्माण से जुड़े काम की जिम्मेदारी आयुक्त की तय की गई है। इनमें पट्टे जारी करने, भूखंड पुनर्गठन, उपविभाजन, ले आउट प्लान स्वीकृति तक के काम शामिल हैं। स्वायत्त शासन विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इनमें बीकानेर, अलवर, भरतपुर, पाली, उदयपुर निकाय मुख्य रूप से शामिल हैं।

पिछले वर्ष नवम्बर में 49 शहरी निकायों में प्रशासक नियुक्त किए थे। यहां निकाय के बोर्ड का कार्यकाल खत्म हो चुका। इनमें 5 नगर निगम, 18 नगर परिषद और 26 नगर पालिका हैं। इस वर्ष जनवरी में 62 निकायों में भी प्रशासक नियुक्त किए गए और जिम्मेदारी एसडीएम को सौंपी गई। यहां सरपंचों को ही सभापति का चार्ज दिया हुआ था, लेकिन हाल ही उनका कार्यकाल खत्म हो गया। अभी तक एक बार भी बोर्ड नहीं बनने पर यहां प्रशासक लगाना पड़ा। राज्य सरकार की मंशा एक राज्य-एक चुनाव की है, इसलिए स्वायत्त शासन विभाग ने विधि विभाग से राय मांगी हुई लेकिन अभी तक जवाब नहीं आया। हालांकि, विभाग सभी निकायों में वार्ड पुनर्गठन और परिसीमन करने के आदेश जारी कर चुका है। आमजन के नियमित काम में कोई रुकावट नहीं आए, इसलिए प्रक्रिया सरल की है। वार्डों का पुनर्गठन और परिसीमन का काम जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा है।

एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक : 5 और एसआई पर कसा शिकंजा, अब तक 24 सब इंस्पेक्टर बर्खास्त

3कोटा, 26 फरवरी (एजेंसियां)। एसआई भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक मामले में पांच उप निरीक्षकों को बर्खास्त किया गया है। कोटा रेंज आईजी ने तीन उप निरीक्षक और बीकानेर रेंज आईजी ने दो उप निरीक्षक को बर्खास्त किया है।

हाल ही डीजीपी यू.आर. साहू ने सभी रेंज आईजी को पेपर लीक व नकल मामले में गिरफ्तार हो चुके एसआई के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी जारी किए थे।

कोटा रेंज में उप निरीक्षक मालाराम बिश्नोई, चेतन सिंह मीणा और रेणू कुमारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए राज्य सेवा से बर्खास्त किया। इससे पहले कोटा रेंज में तैनात उप निरीक्षक डालूराम मीणा, विवेक भांबू, रोहिताश कुमार जाट और नारंगी कुमारी को बर्खास्त किया गया था।

बीकानेर रेंज में बीकानेर के बज्जू खालसा निवासी श्रवण कुमार गोदारा और बाड़मेर के धोरीमन्ना के गुलसानियों की ढाणी निवासी मंजू बिश्नोई को राजकीय सेवा से बर्खास्त कर किया। दोनों आरोपियों ने एसआई भर्ती परीक्षा में खुद की जगह डमी अभ्यर्थियों को बैठाकर पास की थी। अभी दोनों जयपुर कारागार में बंद हैं।

बता दें कि अब तक 24 उप निरीक्षक को निलंबित किया जा चुका है। दो महीने पहले आईजी ने प्रशिक्षु उप निरीक्षक श्रीगंगानगर के करणपाल गोदारा, जगराम, मनीष बेनीवाल, श्रवण कुमार, मनीष, अंकिता गोदारा, बीकानेर की मंजू विश्नोई और हनुमानगढ़ की मंजू देवी को निलंबित किया था। बीकानेर रेंज के अलावा जयपुर, उदयपुर और कोटा रेंज के 11 प्रशिक्षु एसआई को भी निलंबित किया गया था।

एसओजी एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में अनुसंधान कर रही है। एसओजी परीक्षा से पहले पेपर लेकर, डमी अभ्यर्थी बैठाकर या परीक्षा में नकल कर पास होने के मामले में 50 सब इंस्पेक्टरों को गिरफ्तार कर चुकी है।

अनियंत्रित ट्रक पलट गया, जिसकी चपेट में आकर दो युवकों की मौत

धौलपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। धौलपुर शहर में बाड़ी रोड पर शाम के समय एक भीषण सड़क हादसा हो गया। होजरी से भरा एक अनियंत्रित ट्रक पलट गया, जिसकी चपेट में आकर दो बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद ट्रक में आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। हाइड्रा मशीन की मदद से ट्रक हटाया गया और दोनों घायलों को बाहर निकाला गया। भोगीराम नगर कॉलोनी निवासी अरविंद (19) को अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि विजय सिंह (22), जो 90 फीसदी तक झुलस चुका था, उसे जयपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मृतकों के परिजनों के अनुसार, अरविंद और विजय बाइक में पेट्रोल भरवाने के बाद घर लौट रहे थे, जहां उन्हें एक शादी समारोह में जाना था। लेकिन पेट्रोल पंप से निकलते ही तेज रफ्तार और लहराते हुए आ रहे ट्रक ने उनकी जान ले ली।

इस भयावह दुर्घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें साफ दिख रहा है कि ट्रक लहराते हुए सड़क पर दौड़ रहा था और संतुलन खोने के बाद पलट गया। इसमें ट्रक की तेज रफ्तार और लापरवाही साफ नजर आ रही है। ट्रक के नीचे दबकर दोनों बाइक सवारों की जान चली गई। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

मौके पर मची अफरा-तफरी

हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। घटनास्थल पर तुरंत पुलिस बल तैनात किया गया ताकि कोई अप्रिय स्थिति न बने। सीओ मुनेश मीणा ने बताया कि मृतकों के शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं और क्रेन की मदद से ट्रक हटाया गया है।

ट्रक चालक पर होगी सख्त कार्रवाई

एसपी सुमित मेहरड़ा ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि लापरवाह ट्रक चालक पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और ऐसे हादसों को रोकने के लिए ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। घटना के चश्मदीदों ने बताया कि ट्रक बहुत तेजी से लहराते हुए आ रहा था, जिस वजह से उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधा बाइक सवारों पर पलट गया।

पुलिस ने खेत पर काम करते हुए जानलेवा हमला करने के फरार 5 आरोपियों को पकड़ा, ट्रैक्टर किया जब्त

बूँदी, 26 फरवरी (एजेंसियां)। बूंदी की बसोली थाना पुलिस ने खेत पर काम करते समय जानलेवा हमले के मामले में प्रभावी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर को भी जब्त किया है। जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा ने बताया कि पुलिस थाना बसोली द्वारा जानलेवा हमला करने के प्रकरण मे प्रभावी कार्रवाई करते हुए पांच मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त वाहन ट्रैक्टर को जब्त करने में सफलता प्राप्त की है।

उन्होंने बताया कि चार जनवरी को फरियादी ने पर्चा बयान दर्ज करवाया कि मैं ग्राम चावण्डिया में मेरे खेत पर काम कर रहा था। उस समय करीब सात आरोपी राजुलाल, भगवानसहाय, चन्द्रप्रकाश, रामनारायण, रामलाल, देवलाल और हेमराज ट्रैक्टर पर लाठी कुल्हाड़ी लेकर आये और मेरे व मेरे पुत्र रामनारायण पर जानलेवा हमला कर दिया। इस पर मामला दर्ज कर पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया।

बसोली थाने से गठित पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश हेतु शक्करगढ, जहाजपुर व भीलवाड़ा में विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर पांच आरोपी राजुलाल पुत्र सोनाथ निवासी चावण्डिया थाना बसोली जिला बून्दी, भगवानसहाय पुत्र राजमल निवासी चावण्डिया थाना बसोली जिला बून्दी, चन्द्रप्रकाश पुत्र राजमल निवासी चावण्डिया थाना बसोली जिला बून्दी, रामनारायण पुत्र नन्दा निवासी चावण्डिया थाना बसोली जिला बून्दी व रामलाल पुत्र जगरुप निवासी उतरना थाना शक्करगढ जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर को जब्त करने में सफलता प्राप्त की।

एसएलबीसी सुरंग बचाव अंतिम चरण में: उत्तम

नागरकर्नूल, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, भारतीय मरीन कमांडो फोर्स और सीमा सड़क संगठन को नागरकर्नूल जिले के डोमलपेंटा के पास श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल सुरंग में फंसे आठ श्रमिकों को बचाने में मदद के लिए लगाया गया है। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने फंसे श्रमिकों को तेजी से और सुरक्षित निकालने के लिए शीर्ष बलों, राष्ट्रीय एजेंसियों और उच्च तकनीक समाधानों को तैनात करते हुए अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। पिछले दो दिनों में व्यापक क्षेत्र मूल्यांकन के बाद, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि बचाव दल और बचे हुए लोगों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अब एक ठोस कार्य योजना को अंतिम रूप दिया गया है। मंत्री ने कहा कि बचाव कार्य दो दिनों के भीतर पूरा हो जाएगा और सुरंग के अंदर चुनौतियों को कम करने के लिए नई रणनीतियां लागू की जा रही हैं। "पिछले दो दिनों में किए गए क्षेत्रीय निरीक्षणों के आधार पर, हमने महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, और अब हम उनके साथ आगे बढ़ रहे हैं। हम बचाव में तेजी लाने के लिए किनारे और मुख्य निकास से पहुंचने सहित वैकल्पिक पहुंच मार्गों की भी खोज कर रहे हैं।"

बुधवार को घटनास्थल पर आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, सांसद डॉ मल्लू रवि, जेडडचेरला विधायक अनिरुद्ध रेड्डी, सेटविन के चेयरमैन गिरिधर रेड्डी, आपदा प्रबंधन के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार,

नागरकर्नूल कलेक्टर बदावथ संतोष, एसपी गायकवाड़ रघुनाथ और टीएसएसपीडीसीएल के सीएमडी मुशर्रफ अली के साथ चल रहे बचाव कार्यों का आकलन किया मंत्री ने कहा कि टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) तक पहुंचने के लिए मार्कोस, बीआरओ, नौसेना, सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, रैट माइनर्स और सुरंग बचाव विशेषज्ञों सहित 11 एजेंसियों की कई विशेष टीमों को तैनात किया गया है, जहां श्रमिक फंसे हुए हैं। उन्होंने दोहराया कि सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है, मिशन में तेजी लाने के लिए शीर्ष विशेषज्ञों, आधुनिक तकनीक और वैश्विक बचाव रणनीतियों को शामिल कर रही है।

बचाव प्रयास में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक टीबीएम तक पहुंच में बाधा डालने वाले गंदे पानी का भारी जमाव रहा है। उन्होंने कहा कि इससे निपटने के लिए राज्य सरकार ने उन्नत मशीनों का उपयोग करके जल निकासी अभियान तेज कर दिया है, ताकि पानी को तेजी से हटाया जा सके। उत्तम ने कहा, "हम जीवित बचे लोगों को बचाने के लिए आक्रामक तरीके से आगे बढ़ते हुए बचावकर्ता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरत रहे उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ सुरंग की संरचनात्मक स्थिरता का लगातार आकलन कर रहे हैं, ताकि फंसे हुए श्रमिकों या बचावकर्मियों के लिए किसी भी जोखिम के बिना बचाव दल सुरक्षित रूप से आगे बढ़ सकें। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि कमांडो अब अभियान में शामिल हो गए हैं, जो अत्यधिक बचाव अभियानों में अपनी विशेषज्ञता लेकर आए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके हस्तक्षेप से श्रमिकों को बचाने के प्रयासों को काफी बढ़ावा मिलेगा। मंत्री ने यह भी संकेत दिया कि यदि स्थिति को अतिरिक्त तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है तो अंतरराष्ट्रीय सुरंग बचाव विशेषज्ञों को शामिल करने की संभावना है। मंत्री ने दोहराया कि पिछले पांच दिनों से राज्य सरकार अथक प्रयास कर रही है और फंसे हुए श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों को जुटा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और निर्देश दे रहे हैं कि सभी महत्वपूर्ण एजेंसियां श्रमिकों को बचाए जाने तक साइट पर तैनात रहें।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना सं. -06-2025 दि.25-02-2025 PUB/0206

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय अभियंता/को-आर्ड./गुंटकल द्वारा निम्न् कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

बंद तिथि व समयः 21-03-2025 के 15.00 बजे

क्रम सं.-1, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-सेंट्रल-1780 कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-डीएचएनइ-जीटीएल(डाउन) एण्ड डीएचएनइ-बीएमपी(अप)-सीनि.डीइएन/सेंट्रल ज्युरिसडिक्शन के ढोने-गुंटकल सेक्शन के कमीशन्ड डबलिंग लाइन में तथा ढोने-बेतमचेर्ला सेक्शन में लंबित (पेन्डिंग वर्क्स)कार्य।विज्ञापित मूल्यःरु.1,26,08,967.29,पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)रु.2,13,100.00

क्रम सं.-2, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-साउथ-1781, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः जीडीआर-टीपीटीवाय सेक्शन(सीनि.डीइएन/साउथ/जीटीएल)-एनएचएआई एन्टि-क्रैश बैरियर का इस्तेमाल करते हुए स्पीड 130केएमपीएच और अधिक के लिए, ट्रैक की ओर सेफ्टी फेन्सिंग/76.53किमी फेन्सिंग लंबाई(फेज-।।) के लिए डब्ल्यू-बीम स्टील फैन्सिंग का प्रावधान। विज्ञापित मूल्यःरु.26,86,88,866.36, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)रु.14,93,500.00

क्रम सं.-3, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-साउथ-1782, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः केपीयु-केडीपी सेक्शन(सीनि.डीइएन/साउथ/जीटीएल)-एनएचएआई एन्टि-क्रैश बैरियर का इस्तेमाल करते हुए स्पीड 130केएमपीएच और अधिक के लिए, ट्रैक की ओर सेफ्टी फेन्सिंग/73.676 किमी फेन्सिंग लंबाई(फेज-।।) के लिए डब्ल्यू-बीम स्टील फैन्सिंग का प्रावधान। विज्ञापित मूल्यःरु.25,24,50,515.53, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)रु.14,12,300.00

क्रम सं.-4, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-साउथ-1783, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः आरयु-पीएमटी सेक्शन(सीनि.डीइएन/साउथ/जीटीएल)-एनएचएआई एन्टि-क्रैश बैरियर का इस्तेमाल करते हुए स्पीड 130 केएमपीएच और अधिक के लिए, ट्रैक की ओर सेफ्टी फेन्सिंग/79.35किमी फेन्सिंग लंबाई(फेज-।।) के लिए डब्ल्यू-बीम स्टील फैन्सिंग का प्रावधान । विज्ञापित मूल्यःरु.27,62,52,980.13, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)रु.15,31,300.00

क्रम सं.-5, निविदा सं.-इएनजीजी-जीटीएल-साउथ-1784, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः पीएमटी--केपीयु सेक्शन(सीनि.डीइएन/साउथ/जीटीएल)-एनएचएआई एन्टि-क्रैश बैरियर का इस्तेमाल करते हुए स्पीड 130केएमपीएच और अधिक के लिए, ट्रैक की ओर सेफ्टी फेन्सिंग/78.374 किमी फेन्सिंग लंबाई(फेज-।।) के लिए डब्ल्यू-बीम स्टील फैन्सिंग का प्रावधान। विज्ञापित मूल्यःरु.27,25,00,135.05, पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)रु.15,12,500.00

तत्संबंधित किसी भी शुद्धिपत्र को केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/गुन्टकल

खुली निविदा सूचना सं.- बी-इ29-टीआरडी-टीएनडीआर-20-24-25, दि.25-02-2025 PUB/0207

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु आईआरपीएस में निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. - बी-इ29-टीआरडी-टीएनडीआर-20-2024-25, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजनः विजयवाडा डिवीजन के ओएचइ मास्ट्स/स्ट्रक्चर्स पर बंदरों के इधर उधर कूदकर परेशान करने के क्षेत्र में बंदरों की उछलकूद पर नकेल कसने, एन्टि-मन्की क्लाइंबिंग डिवाईस का प्रावधान। अनुमानित लागतः रु.27,84,408.02, पूरा करने की अवधिः 06 महिने, बोली सुरक्षा(पूधरा) राशि-रु.55,700.00, बंद करने की तिथिः 18-03-2025 के 15.00 बजे

क्रम सं.1- निविदा प्रपत्र मूल्य(रु.) - शून्य

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, विजयवाडा

खुली निविदा सूचना सं.- बी-इ29-टीआरडी-टीएनडीआर-21-24-25, दि.25-02-2025 PUB/0208

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु आईआरपीएस में निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. - बी-इ29-टीआरडी-टीएनडीआर-21-2024-25, कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजनः एसडब्ल्यूः1 विजयवाडा डिवीजन में एनआईसीसीओ ब्रांड के कान्टक्ट वायर का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट करना। एसडब्ल्यूः2 उपरोक्त डिवीजन में फेल्युएर प्रोन एनआईसीसीओ ब्रांड के कान्टक्ट वायर का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट करना। अनुमानित लागतः रु 1,13,11,643.51, पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बोली सुरक्षा(पूधरा) राशि-रु.2,06,600.00, बंद करने की तिथिः 19-03-2025 के 15.00 बजे

क्रम सं.1- निविदा प्रपत्र मूल्य(रु.) - शून्य

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, विजयवाडा

ई-निविदा सूचना सं.-28 PUB/0209

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता(रखरखाव), गुंटूर द्वारा आईआरइपीएस पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से निम्न ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01, निविदा शीर्षकः गुंटूर डिवीजनः गुंटूर डिवीजन के विविध स्थानों पर एडीशनल पम्प्स का प्रावधान। निविदा संदर्भ संख्याः जीएनटी-इ.28.2024-25, दि.24-02-2025, अनुमानित लागत रु. 55,21,944.50, पूधराः रु.1,10,400.00, निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर-वापसी) रु.शून्य

ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 24-03-2025 के 15.30 बजे तक

किसी भी अधिक संचार/शुद्धिपत्रों को केवल, ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटूर

A0265

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग के लिए कृपया हमारे वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी रैकेट का भंडाफोड़

पुलिस ने छह बांग्लादेशी नागरिकों समेत 15 लोगों को पकड़ा

बांग्लादेश से भारत लाई गई लड़कियों का शोषण

हैदराबाद , 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)।हैदराबाद के कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ जोन टीम के अधिकारियों ने चादरघाट और खैरताबाद पुलिस के साथ मिलकर चादरघाट और खैरताबाद में अवैध वेश्यालय चलाने वाले 18 अवैध प्रवासियों को पकड़ा है। आरोपी अवैध तरीके से संगठित वेश्यालय चलाते थे और अवैध तरीके से बांग्लादेश से भारत लाई गई लड़कियों का शोषण करते थे। पहले मामले में चादरघाट क्षेत्र से आरोपी रजत मंडल निवासी मलकपेट, हैदराबाद, पश्चिम बंगाल, जलील सरदार उर्फ यूसुफ, निवासी कटेदन, हैदराबाद, पश्चिम बंगाल, श्रीमती बिष्टी गाजी (18 वर्ष) पश्चिम बंगाल, कमरुल शेख उर्फ राहुल, निवासी अलवाल, सिकंदराबाद, पश्चिम बंगाल, मोहम्मद रोनी खान, , निवासी राजेंद्र नगर, आरआर जिला, पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश, महबूर सरदार, निवासी अलवाल, हैदराबाद, पश्चिम बंगाल, कुमारी आरोही मंडल, निवासी पश्चिम बंगाल, मोहम्मद बिलाल रिज़ा उल शेख निवासी काटेदान, हैदराबाद, मुंबई, महाराष्ट्र, नाबालिग लड़के को गिरफ्तार किया गया। जबकि दो नाबालिग लड़कियों को बचाया गया।

इसी तरह दूसरे मामले में खैरताबाद थाना क्षेत्र से आरोपी अजरुल शेख निवासी पश्चिम बंगाल, राहुल शरीफुल शेख, निवासी हफीजपेट, हैदराबाद, निवासी बांग्लादेश, रोहित मंडल, निवासी बांग्लादेश, रितॉय इस्लाम, निवासी अलवाल, सिकंदराबाद, निवासी बांग्लादेश, मौसमी शेख, निवासी सोमाजीगुडा, हैदराबाद, बांग्लादेश, बाबू शेख, निवासी सोमाजीगुडा, हैदराबाद, बांग्लादेश, शांति अख्तर उर्फ खदीजा बेगम, निवासी सोमाजीगुडा, हैदराबाद, बांग्लादेश को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार विश्वसनीय सूचना के आधार पर, कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ जोन टीम, हैदराबाद ने चादरघाट और खैरताबाद पुलिस के साथ मिलकर अवैध संगठित वेश्यालय घरों पर एक साथ छापे मारे और सेक्स वर्करों सहित 18 लोगों को दो समूहों को पकड़ा। पूछताछ में पता चला कि पश्चिम बंगाल के कुछ स्थानीय दलाल कमरुल शेख और अजारुल शेख व अन्य ने अवैध तरीके से बांग्लादेशी पुरुष व महिला नागरिकों को हैदराबाद, बेंगलुरु आदि शहरों में वेश्यालय चलाने के लिए भेजने की योजना बनाई थी। इसके लिए वे अपने देश में आर्थिक संकट से जूझ रही मासूम लड़कियों को निशाना बनाकर भेजने की योजना बना रहे थे। इसके लिए दलाल शुरुआत में पश्चिम बंगाल में अस्थायी आश्रय उपलब्ध कराते हैं। जहां वे पश्चिम बंगाल के आवासीय पते पर कुछ भारतीय पहचान पत्र भी उपलब्ध कराते हैं। इसके बाद दलाल उन्हें नौकरी के नाम पर हैदराबाद समेत विभिन्न स्थानों पर भेज देते हैं। इसके लिए वे बांग्लादेश से भारत आने के लिए प्रत्येक उम्मीदवार से 15 हजार से 20 हजार रुपये तक लेते हैं। विशेष सूचना के आधार पर कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ जोन टीम ने चादरघाट और खैरताबाद पुलिस के साथ मिलकर चदरघाट और खैरताबाद इलाकों में वेश्यालय घरों पर एक साथ छापे मारे और दो नाबालिग लड़कियों सहित 18 व्यक्तियों के दो समूहों को गिरफ्तार किया। उनमें से रितॉय इस्लाम, मो. रोनी खान, जलील सरदार और रजत मंडल का आपराधिक इतिहास है और उन्हें तुकारामगेट पीएस, ओयू सिटी और राजेंद्र नगर पुलिस ने धोखाधड़ी और पोक्सो एक्ट के मामलों में गिरफ्तार किया था। पकड़े गए व्यक्तियों और पीड़ित लड़कियों को आगे की कार्रवाई के लिए चदरघाट और खैरताबाद पुलिस को सौंप दिया गया है। इसके बाद, चादरघाट पुलिस द्वारा मामला दर्ज किया। खैरताबाद पुलिस द्वारा विदेशी विषयक अधिनियम की धारा 14ए(ए)(बी) और 14सी आर/डब्ल्यू 3(5)बीएनएस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

छह सरकारी अस्पताल स्टाफ सदस्यों को लापरवाही के लिए नोटिस जारी

नागरकुरनूल 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) नागरकुरनूल जिला सरकारी सामान्य अस्पताल 6 स्टाफ को आज उस समय नोटिस जारी किया गया जब मंगलवार सुबह चिकित्सा लापरवाही की एक बड़ी घटना हुई और ड्यूटी डॉक्टर अनुपस्थित थे, जिससे मरीजों को एक घंटे से अधिक समय तक परेशानी उठानी पड़ी।, घटना की पूरी जांच के आदेश दिए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, गंभीर स्थिति वाले मरीज- एक सीने में दर्द से पीड़ित, दूसरा किडनी की समस्या से पीड़ित, एक गंभीर पेट दर्द से पीड़ित और एक बच्चा कान के संक्रमण से पीड़ित- अस्पताल के आपातकालीन विभाग में पहुंचे। कैजुअल्टी वार्ड में डॉक्टरों की अनुपस्थिति के कारण, उन्हें उचित चिकित्सा देखभाल के बिना 30 मिनट से एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। सहायता के लिए केवल एक नर्स मौजूद थी, जबकि एक अन्य नर्स सुबह 7 बजे के बाद भी सो रही थी, जिससे अस्पताल के संचालन में गंभीर कुप्रबंधन को उजागर किया गया।

वीर सावरकर की 59वीं पुण्य तिथि

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्वातंत्रता संग्राम के अगुवार रहे वीर सावरकर संघ द्वारा आज काचीगुडा चौरास्ता के समीप दामोदर वीर सावरकर की 59वीं पुण्य तिथि बनाई गई। इस अवसर पर जारी प्रेस विज्ञप्ति में भाजपा के वरिष्ठ नेता गोविंद राठी ने बताया कि वीर सावरकर की प्रतिमा को पुष्पमाला अर्पण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित उनके समर्थकों ने वीर सावरकर अमर रहें के नारे भी लगाए। सरवरकरजी को श्रद्धांजलि देने वालों में आरएसएस के रमेशजी मनोज जायसवाल और रमेश यादव भी प्रमुख रहे।

21.50 लाख की शराब अवैध रूप से रखने के आरोप में 5 पर केस

कुमराम भीम आसिफाबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को चिंतलामनेपल्ली मंडल के सीमावर्ती गुडेम गांव में आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन करते हुए बड़ी मात्रा में शराब रखने के आरोप में पांच लोगों पर मामला दर्ज किया गया। शराब की कीमत 21.50 लाख रुपये आंकी गई है।

चिंतलामनेपल्ली मंडल केंद्र में मीडियाकर्मियों को जब्ती का विवरण देते हुए कागजनगर डीएसपी रामानुजम ने कहा कि स्थानीय शराब की दुकान के मालिक कोडिपाका सत्यनारायण, गुडेम के कोम्पारी अंजन्ना, रामगिरी शंकर, कुशातारिवारी आकाश और संतोष जायसवाल के खिलाफ एमएलसी चुनावों के मद्देनजर लागू एमसीसी का उल्लंघन करते हुए शराब भंडारण करने का मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि जब पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सत्यनारायण के घर पर छापा मारा तो उसके कर्मचारी अंजन्ना के घर पर 20.24 लाख रुपए की शराब मिली। रामगिरी शंकर के घर से 98,400 रुपए की शराब जब्त की गई। आकाश और संतोष के घर से 19,200 और 9,130 रुपए की शराब बरामद हुई। अंजना, शंकर, आकाश और संतोष गांव में शराब की बेल्ट-शॉप या अनधिकृत दुकानें चलाते हैं। कौताला इंस्पेक्टर मुत्यम रमेश, सब-इंस्पेक्टर एन मधुकर, नरेश और प्रवीण, हेड कांस्टेबल दिनकर, महेश, आनंद, कांस्टेबल विजय और तिरुपति ने छापेमारी में हिस्सा लिया। एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने शराब जब्त करने के लिए इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर और उनके कर्मचारियों की सराहना की।

उत्सव की तैयारियों के बीच मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर, बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव एवं कार्यकर्ता अशोक बाजार, गौलीगुडा में येल्लम्मा मंदिर में भगवान शिव और देवी येल्लम्मा अभिषेक कर पूजा अर्चना करते हुए।

बोइनपल्ली के भावना कालोनी स्थित गणेश मंदिर में शिव अभिषेक करते मार्केटिंग एडवाइजरी बोर्ड के सरकारी सलाहकार गौतम जैन, विनय सिंह, राखी लोढा आदि।

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भगवान शिव की पूजा करने और शिवरात्रि मनाने के लिए बुधवार की सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। भोर से ही, अपने पारंपरिक परिधानों में सजे परिवार अपने नजदीकी मंदिरों में जाने की तैयारी करने लगे, जो इस अवसर पर सजे हुए थे। हैदराबाद और आसपास के प्रमुख मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ने लगे हैं। केसरगुट्टा में स्थित प्रसिद्ध रामलिंगेश्वर मंदिर में व्यापक व्यवस्था की गई है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

विक्रेताओं ने फल, बेल के पत्ते, फूल आदि की बिक्री कर खूब कारोबार किया। विभिन्न आवासीय कल्याण संघों, कॉलोनी कल्याण संगठनों और युवा क्लबों ने जागरण के दौरान रात भर धार्मिक प्रवचन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की योजना बनाई। इस बीच, पुलिस ने पूजा स्थलों पर त्योहार के लिए व्यापक व्यवस्था की और प्रमुख मंदिरों की ओर जाने वाली सड़कों पर वाहनों की आवाजाही को सुचारू बनाया।

महाकुंभ मेले से लौटते समय करीमनगर के एक व्यक्ति की मौत

करीमनगर, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के एक श्रद्धालु नल्लागोनी वीरैया की मंगलवार देर रात महाकुंभ मेले से लौटते समय दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। वीणावंका मंडल मुख्यालय के निवासी वीरैया हाल ही में कुंभ मेले में भाग लेने के लिए उत्तर प्रदेश के प्रयागराज गए थे। वह अन्य लोगों के साथ कार से प्रयागराज गए थे।

घर लौटते समय निजामाबाद कस्बे में पहुंचने पर उन्हें दिल का दौरा पड़ा। अन्य श्रद्धालु उन्हें लेकर पास के अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

लैंगर हौज झील में पिता-पुत्र के डूबने की आशंका

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के लैंगर हाउस स्थित एक झील में बुधवार दोपहर पिता-पुत्र के डूबने की आशंका है। जीएचएमसी के आउटसोर्सिंग कर्मचारी करीम (42) अपने बेटे साहिल (22) के साथ झील से जलकुंभी साफ करने के लिए लंगर हौज गए थे। इसके बाद वे दोनों लंगर हौज झील में आ गए और पानी में उतर गए। गोलकोंडा के एसीपी सैयद फैज ने बताया कि हमें पता चला है कि वे तैरने गए थे और झील में डूब गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एसआई ने सीपीआर देकर बचाई श्रद्धालु की जान

पेड्डापल्ली, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ओडेला मंडल के मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में पुलिस के एक उपनिरीक्षक ने सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) करके एक श्रद्धालु की जान बचाई। महाशिवरात्रि के अवसर पर ओडेला मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। वीणावंका मंडल के चल्लूर निवासी एक भक्त ओरुसु श्रीनिवास को भगवान के दर्शन के बाद लौटते समय दिल का दौरा पड़ा और वे बेहोश हो गए। यह देखकर एसआई वेंकटेश ने सीपीआर देकर उसकी जान बचाई। बाद में श्रीनिवास को पुलिस वाहन से अस्पताल ले जाया गया।

हैदराबाद मेट्रो विस्तार परियोजना में बाधा डाल रहे हैं किशन रेड्डी : रेवंत रेड्डी

नई दिल्ली, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी के खिलाफ सनसनीखेज टिप्पणी की है। उन्होंने दावा किया है कि किशन रेड्डी जानबूझकर मेट्रो के विकास में बाधा डाल रहे हैं, क्योंकि उनका मानना है कि इससे मुख्यमंत्री की प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि "किशन रेड्डी का मानना है कि चूंकि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान मेट्रो का विस्तार नहीं हुआ, इसलिए कांग्रेस सरकार के तहत भी इसे आगे नहीं बढ़ाया जाना चाहिए। यही कारण है कि वह मेट्रो विस्तार परियोजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल में आगे बढ़ने से रोक रहे हैं,"

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी पर पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से मिले होने का आरोप लगाया और आरोप लगाया कि उनके प्रयास केवल केसीआर के हितों की सेवा करने पर केंद्रित हैं। बुधवार को नई दिल्ली में मीडियाकर्मियों के साथ एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान, रेवंत रेड्डी ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ अपनी बैठक के दौरान पांच महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए, जिसमें मेट्रो विस्तार, एक क्षेत्रीय रिंग रोड और रेल परियोजना, एक ड्राई पोर्ट और रक्षा क्षेत्र में पहल के लिए समर्थन का अनुरोध किया। उन्होंने दलबदल के संबंध में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी जोर दिया, यह देखते हुए कि 2014 से 2024 तक प्रभावी संविधान और कानून अभी भी लागू हैं, और याद दिलाया कि उस अवधि के दौरान दलबदल करने वाले विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था। रेवंत रेड्डी ने उन उपचुनावों के ठिकानों पर सवाल उठाया जो पहले नहीं कराए गए थे और उन अयोग्यताओं को नजरअंदाज कर दिया गया था। मुख्यमंत्री ने केटीआर के इस दावे को खारिज कर दिया कि उपचुनाव होंगे, इसे बेतुका करार दिया। केटीआर के व्यापारिक सहयोगी केदार दुबई की भी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। केदार रेडिसन ब्लू ड्रग मामले में मुख्य संदिग्ध है। "केटीआर ने इन संदिग्ध मौतों पर प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी? उन्होंने न्यायिक जांच की मांग क्यों नहीं की।" "मैं अभी कुछ नहीं कहूंगा जब तक कि कालेश्वरम सहित परियोजनाओं में अनियमितताओं पर तकनीकी रिपोर्ट नहीं मिल जाती। फोन टैपिंग मामले में विदेश में रहने वालों को वापस लाने के लिए कौन जिम्मेदार है? ड्रग मामले की जल्द ही सुनवाई होने वाली है," उन्होंने खुलासा किया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एसएलबीसी का निर्माण एक दशक से रुका हुआ था क्योंकि केसीआर ने परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया, जिसका श्रेय कांग्रेस पार्टी को दिया। "कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद ही काम फिर से शुरू हुआ है। हम वर्तमान में सुरंग में फंसे लोगों को बचाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। वर्तमान में, एसएलबीसी बचाव अभियान में 11 संगठन शामिल हैं"।

39 वर्षीय व्यक्ति की खोपड़ी के आधार की हुई जटिल सर्जरी

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केयर हॉस्पिटल्स, मालकपेट के न्यूरोलॉजी, ईएनटी और कार्डियोलॉजी के सर्जनों की एक टीम ने मिलकर एक ऐसे रोगी पर जीवन रक्षक जटिल खोपड़ी आधार सर्जरी की, जिसे इंट्राऑपरेटिव न्यूरो-मॉनिटरिंग (आईओएनएम) तकनीक के रूप में जाना जाता है। यह सर्जरी खोपड़ी के आधार के पास ट्यूमर के कारण लगातार चक्कर आने और सुनने में कठिनाई से पीड़ित एक रोगी पर की गई।

मरीज़, वल्लमल्ला राजू (39) के बाएं कान में ट्यूमर सेरिबैलम और ब्रेनस्टेम पर दबाव डाल रहा था, जिससे उसके सुनने की क्षमता में गंभीर कमी आ गई थी। उपचार का नेतृत्व करने वाले वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. मोहम्मद हमीद शरीफ़ ने कहा कि प्रक्रिया के दौरान तंत्रिका कार्यों की सुरक्षा के लिए आईओएनएम तकनीक का उपयोग किया गया था। चेहरे और ट्राइजेमिनल नसों की निरंतर निगरानी ने न्यूनतम तंत्रिका क्षति के साथ सटीक ट्यूमर को निकालने की अनुमति दी।

सर्जरी सफल रही, मरीज़ को चेहरे पर कोई कमज़ोरी महसूस नहीं हुई और सर्जरी के बाद सुनने की क्षमता में भी मामूली सुधार हुआ। केयर हॉस्पिटल्स के जोनल सीओओ, बीजू नायर ने इस जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक करने के लिए सर्जनों की टीम को बधाई दी।

एसएलबीसी सुरंग हादसाः फंसे हुए श्रमिकों का जीवन खतरे में

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग के ढह गए हिस्से में फंसे आठ श्रमिकों को बचाने के लिए बचाव कर्मियों द्वारा समय और प्रकृति के खिलाफ लड़ाई के कारण घड़ी लगातार चलती जा रही है। 22 फरवरी को हुई इस घटना के कारण श्रमिक दुर्घटना क्षेत्र में फंस गए हैं, जो मलबे और जल-जमाव के कारण बनी एक दुर्जेय बाधा के कारण बाकी लोगों से कटे हुए हैं। चार दिनों के अभियान के बाद भी कोई नतीजा नहीं निकल पाया है, ऐसे में उनका बचना मुश्किल लग रहा है।

सुरंग की छत अचानक पानी के बढ़ने और ढीली मिट्टी के कारण ढह गई, जिससे बचाव कार्य बहुत मुश्किल हो गया। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और भारतीय सेना के अथक प्रयासों के बावजूद, फंसे हुए श्रमिकों के बचने की संभावना बहुत कम है। मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने परिस्थितियों का जमीनी निरीक्षण करने के बाद कहा था कि बचने की संभावना "बहुत कम" है। सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी, जो सुरंग में भी गए थे, ने खुलासा किया कि सुरंग का आखिरी हिस्सा 12 से 13 फीट पानी से भरा हुआ था। एक अन्य मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने शिवरात्रि पर उनकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना की थी।

वेमुलावाड़ा मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

राजन्ना सिरसिला, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर वेमुलवाड़ा स्थित श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। तीन दिवसीय महाशिवरात्रि जात्रा मंगलवार को शुरू हुई थी। परंपरा का पालन करते हुए, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के उप कार्यकारी कार्यालय ने राजराजेश्वर स्वामी को रेशमी वस्त्र भेंट किए। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास के साथ राज्य सरकार की ओर से पीठासीन देवता को रेशमी वस्त्र भेंट किए। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, बीआरएस एमएलसी के कविता और अन्य लोगों ने भगवान शिव के दर्शन किए और मंदिर में विशेष पूजा की।

दूसरी ओर, बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए कतारों में खड़े देखे गए। तीर्थयात्रियों ने 'धर्मगुंडम' (मंदिर के तालाब) में पवित्र स्नान करने के बाद दर्शन किए। महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्था की थी।

वनस्थलीपुरम में दुर्घटना में दो लोगों की मौत

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को वनस्थलीपुरम में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। पीड़ितों की पहचान मुशीराबाद निवासी सैयद इस्माइल (48) और हफीजपेट निवासी सैयद गौस (40) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, इस्माइल, गौस, सईद और सुलेमान फल खरीदने के लिए ऑटोरिक्शा में हयातनगर के थोक फल बाजार गए थे और वापस शहर की ओर जा रहे थे। इस्माइल ऑटोरिक्शा चला रहा था जबकि गौस उसके बगल में बैठा था। वनस्थलीपुरम इंस्पेक्टर सीएच श्रीनिवास राव ने कहा कि जब वे सुषमा थिएटर रोड पर पहुंचे, तो एक अज्ञात वाहन ने ऑटोरिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी। गौस और इस्माइल वाहन से बाहर गिर गए और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उस्मानिया जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उनकी मौत हो गई।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

51 की उम्र में सचिन तेंदुलकर ने खेली तूफानी पारी

इंडिया मास्टर्स की टीम को दिलाई बड़ी जीत

मुंबई,26 फरवरी (एजेंसियां)। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग 2025 का तीसरा मैच इंडिया मास्टर्स और इंग्लैंड मास्टर्स की टीमों के बीच खेला गया. इस मुकाबले में सचिन तेंदुलकर की कप्तानी वाली इंडिया मास्टर्स ने एकतरफा अंदाज में जीत हासिल की. सचिन तेंदुलकर की ओर से इस मुकाबले में एक तूफानी पारी देखने को मिली, जिसने इंग्लैंड मास्टर्स के लिए जीत की नींव रखी. वहीं, गुरकीरत सिंह मान ने भी एक दमदार पारी खेली और अपनी टीम को जीत तक पहुंचाया. इंडिया मास्टर्स ने इससे पहले शुरुआती मुकाबले में श्रीलंका मास्टर्स को हराया था.

132 रन ही बना सकी इंग्लैंड मास्टर्स की टीम

इंडिया मास्टर्स ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था, जो सही साबित हुआ. इंग्लैंड मास्टर्स की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 132 रन ही बना सकी. इस दौरान डैरेन मैडी ने सबसे ज्यादा 25 रन बनाए. वहीं, टिम एम्ब्रोस ने 23 रनों का योगदान दिया. क्रिस स्कोफील्ड ने भी 18 रन बनाए. दूसरी ओर, इंडिया मास्टर्स के लिए धवल कुलकर्णी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए. अभिमन्यु मिथुन और पवन नेगी ने भी 2-2 विकेट हासिल किए. इसके अलावा विनय कुमार को 1 सफलता मिली.

सचिन तेंदुलकर-गुरकीरत मान की तूफानी पारियां

133 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए सचिन तेंदुलकर और गुरकीरत मान ने इंडिया मास्टर्स की टीम को दमदार शुरुआत दिलाई. दोनों खिलाड़ियों ने पहले विकेट के लिए 43 गेंदों पर 75 रन जोड़े. इस दौरान सचिन तेंदुलकर ने 21 गेंदों पर 161.90 की स्ट्राइक रेट से 34 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने 5 चौके और 1 छक्का जड़ा. दूसरी ओर गुरकीरत सिंह मान ने 35 गेंदों पर 180 की स्ट्राइक रेट से नाबाद 63 रन ठोके. गुरकीरत ने अपनी इस पारी में 10 चौके और 1 छक्का लगाया. इनके अलावा युवराज सिंह ने भी 14 गेंदों पर नाबाद 27 रन बनाए और टीम को जीत तक पहुंचाया. युवराज ने इस दौरान 4 चौके और 1 छक्का जड़ा.

बता दें, इंटरनेशनल मास्टर्स लीग 2025 में कुल 6 टीमें खेल रही हैं. इंडिया मास्टर्स फिलहाल 2 मैचों में 2 जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर हैं. वहीं, वेस्टइंडीज मास्टर्स अपना पहला मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है. इनके अलावा बाकी किसी भी टीम का फिलहाल खाता नहीं खुला है.

'खिलाड़ियों को असफल होता देखकर दिल दुखी होता है'

बैडमिंटन के द्रोणाचार्य का भावुक बयान

नई दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)। खेल की दुनिया में करोड़ों युवा हर रोज अपनी किस्मत आजमाते हैं। कुछ बुलंदियों को छू भी लेते हैं और कुछ गुमनामी की जिंदगी गुजारते रहते हैं। बैडमिंटन मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने खेल जगत की कड़वी सच्चाई सभी के सामने बयां कर दी है। उन्होंने भावुक होते हुए युवाओं को सलाह दी कि खेलों को तभी अपना करियर बनाएं जब उनका परिवार आर्थिक रूप से संपन्न हो।

'मैं खिलाड़ियों की दुर्दशा से दुखी हूं'

विशेष साक्षात्कार में गोपीचंद ने जीरो से हीरो बनने की राह में खिलाड़ियों को किन कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है, इसकी हकीकत साझा की। उन्होंने कहा- मैं खिलाड़ियों को दिन-प्रतिदिन असफल होते देखता हूं। मेरा दिल उनके लिए दुखी है। आज जब मैं राष्ट्रीय चैंपियनों को

देखता हूं, जब मैं राष्ट्रमंडल पदक विजेताओं को देखता हूं, जब मैं एशियाई खेलों के पदक विजेताओं को देखता हूं इन सभी के पास नौकरी नहीं है। मुझे दुख होता है कि उनका भविष्य क्या है? लेकिन मुझे पता है कि सौ लोगों में से कोई एक सफल हो सकता है। तो सुरक्षा जाल कहां है? और मुझे बस इसी बात की चिंता है।

इन दिक्कतों से जूझते हैं खिलाड़ी

पुलेला ने खिलाड़ियों के जीवन में आने वाली दिक्कतों का जिक्र करते हुए कहा कि 50 की उम्र में जब आके बच्चे पूछते हैं कि आपने क्या कमाया तो आपके पास कहने को कुछ नहीं होता है। उन्होंने आगे कहा- नौकरियां इसका जवाब नहीं हैं। उन्हें कौशल प्रदान करें, उन्हें शिक्षित करें, उनका मार्गदर्शन करें। उन्होंने खेल के वर्षों से परे स्थायी करियर योजना की आवश्यकता पर बल दिया।

क्योंकि लोग थोड़े समय के लिए आते हैं। उनका विचार अगला ओलंपिक है। उनका विचार छोटा, छोटा, छोटा है और यह एक लंबा मुद्दा है। इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। 35 की उम्र में, जब आप सभी एक ही उम्र के होते हैं तो आप शायद उनसे बेहतर होते हैं। आपके पास उनसे बड़ी कार होती है, इससे कोई नुकसान नहीं होता। लेकिन 50 की उम्र में, जब आप अपने बच्चे से कहते हैं, मैं एक ओलंपियन हूं तो वह कहता है, आप किस बारे में बात कर रहे हो? आपने कुछ भी नहीं कमाया।

तुम्हारे पास कोई सम्मान नहीं है। तुम्हारा अधिकारी तुम्हें बुलाता है, सर, मैं क्या करूं? हर बार जब आपको... किसी अधिकारी के साथ ऐसा करना पड़ता है तो इससे तुम्हें दुख होता है और यह दुख अगली पीढ़ी को खेल में शामिल होने से रोकेगा।

कोहली आईसीसी वनडे बैटर्स रैंकिंग में 5वें नंबर पर पहुंचे

शुभमन गिल पहले, रोहित शर्मा तीसरे पर कायम; कुलदीप बॉलर्स में नंबर-3

खेल डेस्क, 26 फरवरी (एजेंसियां)। आईसीसी ने बुधवार को अपनी वीकली रैंकिंग अपडेट की। भारत के विराट कोहली बैटर्स रैंकिंग में नंबर-5 पर पहुंच गए। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में शतक लगाया था। बैटर्स रैंकिंग में शुभमन गिल पहले और रोहित शर्मा तीसरे नंबर पर मौजूद हैं।

बॉलर्स रैंकिंग में कुलदीप यादव नंबर-3 पर मौजूद हैं। श्रीलंका के महीश तीक्षणा टॉप पर हैं। ऑलराउंडर्स में अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी टॉप पर हैं, वहीं भारत के रवींद्र जडेजा 9वें नंबर पर हैं।

विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ सेंचुरी लगाई। इस प्रदर्शन का फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला। वे 743 पॉइंट्स लेकर छठे से पांचवें नंबर पर पहुंच गए। पाकिस्तान के बाबर आजम दूसरे और साउथ अफ्रीका के हेनरिक क्लासन चौथे नंबर पर हैं। टॉप-10 में भारत के श्रेयस अय्यर 9वें नंबर पर मौजूद हैं। केएल राहुल 2 स्थान के फायदे के साथ नंबर-15 पर पहुंच गए।

ICC वनडे बैटर्स रैंकिंग

रैंक	प्लेयर	टीम	रेटिंग
1	शुभमन गिल	भारत	817
2	बाबर आजम	पाकिस्तान	770
3	रोहित शर्मा	भारत	757
4	हेनरिक क्लासन	साउथ अफ्रीका	749
5	विराट कोहली	भारत	743
6	डेरिल मिचेल	न्यूजीलैंड	717
7	हैरी टेक्टर	आयरलैंड	713
8	चरिथ असलंका	श्रीलंका	694
9	श्रेयस अय्यर	भारत	679
10	शाई होप	वेस्टइंडीज	672

आईसीसी की वनडे बॉलर्स रैंकिंग में भारत के मोहम्मद शमी को 1 स्थान का फायदा हुआ। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 5 विकेट लिए थे। वे 599 पॉइंट्स के साथ 14वें नंबर पर पहुंच गए। मोहम्मद सिराज 12वें और रवींद्र जडेजा 13वें नंबर पर हैं। अफगानिस्तान के राशिद खान दूसरे और भारत के कुलदीप यादव तीसरे नंबर पर हैं।

आईसीसी की वनडे ऑलराउंडर्स रैंकिंग में न्यूजीलैंड के माइकल ब्रेसवेल को 26 स्थान का फायदा हुआ। वे 200 पॉइंट्स लेकर 11वें नंबर पर पहुंच गए। टॉप-10 में भारत के इकलौते प्लेयर रवींद्र जडेजा 9वें नंबर पर हैं। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी टॉप पर हैं।

वनडे टीम रैंकिंग में भारत पहले नंबर पर बरकरार है। टीम के 120 पॉइंट्स हैं। 110 पॉइंट्स के साथ ऑस्ट्रेलिया नंबर-2 पर हैं। वहीं चैंपियंस ट्रॉफी के छठे ही दिन टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी मेजबान पाकिस्तान तीसरे नंबर पर है। उनके 106 पॉइंट्स हैं।

दुबई ओपन के पहले दौर के मुकाबले में हारे रुबलेव

तीन दिन पहले जीता था कतर ओपन

दुबई, 26 फरवरी (एजेंसियां)। रूस के तीसरी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव कतर ओपन खिताब के तीन दिन बाद दुबई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में क्वालीफायर क्वेंटिन हेलिस से 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हारकर बाहर हो गए।

विश्व में 77वीं रैंकिंग के खिलाड़ी हेलिस की शीर्ष 10 में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ यह पहली जीत है। उनका अगला मुकाबला रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट से होगा।

एक अन्य मैच में शीर्ष वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-4, 7-6 (4) से हराया। उनका अगला मुकाबला जियोवानी एमपेत्शी पेरिकार्ड से होगा। दूसरी वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर 2014 के अमेरिकी ओपन चैंपियन मारिन सिलिच से 6-2, 3-6, 6-3 से हार गए। नूनो बोर्जेस ने आठवीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को 6-2, 6-1 से हराया।

दूसरे दौर में पहुंचने वाले अन्य खिलाड़ियों में पांचवीं वरीयता प्राप्त उगो हम्बर्ट, माटेओ बेरेटिनी, फेलिक्स ऑगर अलियासिमे और क्वालीफायर क्रिस्टोफर ओकोनेल शामिल हैं।

दुबई से भारत लौटा टीम इंडिया का ये स्टार खिलाड़ी

भगवान शिव के मंदिर में लगाई हाजिरी

मुंबई, 26 फरवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉफी के मिशन में शानदार तरीके से आगे बढ़ रही है. पहले बांग्लादेश और फिर पाकिस्तान को मात देने के बाद टीम इंडिया ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है. इसी बीच टीम इंडिया का एक खिलाड़ी दुबई से लौटने के बाद भगवान शिव के मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचा. यहां बात हो रही है तिलक वर्मा की. जो भारत-पाकिस्तान मैच का लुत्फ स्टेडियम से लेते हुए नजर आए थे लेकिन अब वो महाशिवरात्रि के खास मौके पर मुंबई के बाबुलनाथ मंदिर में पहुंचें. जहां उन्होंने दीपक चाहर और कर्ण शर्मा के साथ भगवान शिव के दर्शन किए.

दीपक-कर्ण के साथ किए बाबुलनाथ मंदिर में दर्शन

भारत के स्टार खिलाड़ी तिलक वर्मा स्पिनर कर्ण शर्मा और पेसर दीपक चाहर के साथ मुंबई के भगवान शिव के लोकप्रिय बाबुलनाथ मंदिर में पहुंचें. बुधवार को देश दुनिया में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है इस खास मौके पर इन तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने भी महादेव के मंदिर में हाजिरी लगाई और भगवान का आशीर्वाद लिया. सोशल मीडिया पर तिलक ने एक तस्वीर शेयर की है जिसमें तीनों के माथे पर तिलक लगा हुआ है और गले में रुद्राक्ष की माला नजर आ रही है. तीनों ही मंदिर परिसर में खड़े हुए हैं. तिलक वर्मा ने तस्वीर शेयर करते हुए 'हर हर महादेव' लिखा है.

मुंबई इंडियंस के लिए साथ खेलेंगे तीनों खिलाड़ी

गौरतलब है कि दीपक चाहर, तिलक वर्मा और कर्ण शर्मा आईपीएल 2025 में एक ही टीम मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए नजर आएंगे. दीपक को मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 की नीलामी के दौरान 9.25 करोड़ रुपये में खरीदा था. स्पिनर कर्ण शर्मा को मुंबई ने 50 लाख रुपये की कीमत में अपने साथ जोड़ा था जबकि तिलक पहले से ही इस टीम का हिस्सा हैं. उन्हें मुंबई ने 8 करोड़ रुपये में रिटेन किया है.

22 मार्च से शुरू होगा आईपीएल 2025

आईपीएल के अगले सीजन की शुरुआत 22 मार्च से होगी. पहला मैच डिफेंडिंग चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा. खिताबी मुकाबला भी इसी मैदान पर 25 मई को होगा. फाइनल सहित कुल 74 मैच इस दौरान खेले जाएंगे. 10 टीमें एक बार फिर से खिताब के लिए भिड़ेंगी.

रन बनाते हैं तो जिम्बाब्वे या छोटी टीमों के खिलाफ ही बनाते हैं

दानिश कनेरिया ने बाबर आजम को दिखाया आईना

खेल डेस्क, 26 फरवरी (एजेंसियां)। मोहम्मद रिजवान की अगुवाई में मेजबान पाकिस्तान क्रिकेट टीम चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो चुकी है। टीम को पहले न्यूजीलैंड और उसके बाद भारत को खिलाफ करारी हार झेलनी पड़ी। भारत के खिलाफ मैच में टीम को पूर्व कप्तान बाबर आजम से एक बड़ी पारी की उम्मीद थी। हालांकि वो बड़ी पारी खेलने में नाकामयाब रहे, जिसके बाद उनकी जमकर आलोचना हो रही है। भारत के खिलाफ उन्होंने 26 गेंदों पर 23 रन बनाए, जहां हार्दिक पांड्या ने उन्हें पवेलियन की राह दिखाई। उनको लेकर अब पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने बड़ा बयान दिया है।

कनेरिया ने एएनआई से बात करते हुए कहा, 'बाबर ने इतने लंबे समय से रन नहीं बनाए हैं। लेकिन जब वह रन बनाते हैं तो जिम्बाब्वे या छोटी टीमों के खिलाफ ही बनाते हैं। वह बड़ी टीमों के खिलाफ रन नहीं बना पाते हैं क्योंकि उनका इंटेट नहीं दिखता है।' न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में भी उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। उन्होंने 90 गेंदों पर जरूर 64 रन बनाए, लेकिन वो मैच में कभी भी अपनी टीम को जिताने की सूरत में नहीं पहुंच पाए।

कनेरिया ने रिजवान की फॉर्म पर भी उठाए सवाल

बाबर के अलावा कनेरिया ने पाक कप्तान मोहम्मद रिजवान की फॉर्म पर भी सवाल उठाए, जो पिछले कुछ मैचों में रन नहीं बना सके हैं। उन्होंने कहा, 'टीम की बैटिंग में कोई गहराई नहीं है। सलमान आगा और खुशदिल शाह कभी-कभी कुछ योगदान देते हैं। सऊद शकील तकनीकी रूप से सही बल्लेबाज हैं, लेकिन रिजवान का बल्ला काम करना बंद कर चुका है। जब चैंपियंस ट्रॉफी की टीम की घोषणा की गई थी, तो ऐसा लग रहा था कि यह टीम बहुत जल्द टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।'

बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा पाकिस्तान

ग्रुप स्टेज के शुरुआती दो मैच गंवाने के बाद पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है। टीम को गुरुवार को बांग्लादेश से ग्रुप स्टेज का मैच खेलना है। पाकिस्तान की तरह ही बांग्लादेश भी टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है। ऐसे में इस मैच का टूर्नामेंट पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

बांग्लादेश के कोच ने वसीम अकरम और वकार यूनिस को दी खुली धमकी

लगेगा 35 करोड़ का फटका !

दुबई,26 फरवरी (एजेंसियां)। चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम का सफर खत्म हो चुका है। टीम पहले न्यूजीलैंड और फिर भारत से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है। टीम को ग्रुप स्टेज का अपना आखिरी मैच बांग्लादेश के खिलाफ 27 फरवरी को खेलना है। इस मैच से पहले बांग्लादेश के स्पिन बॉलिंग कोच मुश्ताक अहमद ने पाकिस्तान के महान खिलाड़ियों में शामिल वसीम अकरम और वकार यूनिस को धमकी दी है। उन्होंने दोनों दिग्गजों पर परेशान करने का आरोप लगाया है, जहां वो उन्हें कानूनी नोटिस भेजने की तैयारी में हैं। बांग्लादेश के कोच ने एक यूट्यूब चैनल के शो में यह बात कही, जहां उन्होंने वसीम और वकार पर प्रताड़ना का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब वो इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते थे, तब दोनों उनके कॉन्फिडेंस को दबाने की कोशिश करते थे।

मुश्ताक ने दी धमकी

उन्होंने वसीम-वकार पर 35 करोड़ रुपये की मानहानि का केस करने की धमकी भी दी, जिसमें से 20 करोड़ रुपये की मानहानि का केस वकार पर और 15 करोड़ रुपये की मानहानि का केस वसीम अकरम पर करने की बात कही। उनके इस बयान के बाद वकार ने तो बकायदा उनसे माफी भी मांगी। हालांकि वसीम अकरम ने ऐसा करने से मना कर दिया और कहा कि वो उन्हें कोर्ट में ही देखेंगे।

अकरम-वकार की जोड़ी का नहीं था तोड़

पाकिस्तान क्रिकेट के इतिहास में वसीम अकरम और वकार यूनुस का योगदान काफी अहम है। इन दोनों महान तेज गेंदबाजों ने अपनी स्पीड, स्विंग और यॉर्कर से दुनियाभर के कई बेहतरीन बल्लेबाजों को परेशानी में डाला। 1990 के दशक में इस जोड़ी ने अपनी टीम को कई मैचों में जीत दिलाई, जिसमें 1992 का वर्ल्ड कप भी शामिल है, जिसमें टीम चैम्पियन बनने में सफल रही थी। वसीम वनडे में 500 से ज्यादा विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं। उन्होंने अपने करियर में 25 बार टेस्ट की एक पारी में 5 विकेट और 5 बार मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया।

पाकिस्तान को मिलने वाला है नया कोच

जल्द होगा ऐलान

इस्लामाबाद, 26 फरवरी (एजेंसियां)। अपनी मेजबानी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम का चैम्पियंस ट्रॉफी में सफर खत्म हो गया है। टीम को उम्मीद थी कि वो अपनी मेजबानी में चैम्पियंस ट्राफी का खिताब बचाने में सफल रहेगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका और वो लीग स्टेज में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई। ऐसा होने के बाद टीम में बदलाव होने तय हैं। टीम के अंतरिम हेड कोच के रूप में आकिब जावेद का कार्यकाल 27 फरवरी को समाप्त हो जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम उनके प्रदर्शन से खुश नहीं है, जिसकी वजह से वो उनका कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने के मूड में नहीं है।

ऐसा होने पर पीसीबी अब नए कोच की तलाश करेगा। पता चला है कि एक पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी को नया हेड कोच बनाया जाएगा और वह न्यूजीलैंड के व्हाइट-बॉल दौरे के लिए टीम के साथ यात्रा करेगा, जो 16 मार्च से 5 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच तीन वनडे और पांच टी-20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद सिलेक्शन कमिटी का भी हिस्सा हैं और पिछले साल अक्टूबर में गैरी कर्स्टन के पद छोड़ने के बाद उन्होंने व्हाइट-बॉल कोच की भूमिका निभाई थी। दिसंबर में पाकिस्तान के टेस्ट फॉर्मेट में जेसन गिलस्पी के हेड कोच पद से इस्तीफा देने के बाद आकिब ने ही उनकी जगह ली थी।

अंतरिम तौर पर हो सकती है कोच की नियुक्ति

सूत्र ने कहा, 'पाकिस्तान को 15 मार्च से न्यूजीलैंड में व्हाइट बॉल की सीरीज खेलनी है और अंतरिम हेड कोच के तौर पर आकिब जावेद का कॉन्ट्रैक्ट 27 फरवरी को खत्म हो जाएगा।

पाकिस्तान को चैम्पियंस ट्रॉफी में ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है। इसलिए निश्चित रूप से पीसीबी को न्यूजीलैंड दौरे के लिए एक हेड कोच का नाम बताना होगा, लेकिन यह नियुक्ति अंतरिम ही हो सकती है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि पीसीबी ने स्थायी हेड कोच की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू नहीं की है।'

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से हैदराबाद मेट्रो रेल चरण-2 परियोजना को मंजूरी देने का आग्रह किया

नई दिल्ली, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हैदराबाद मेट्रो रेल चरण-2 परियोजना को मंजूरी देने का अनुरोध किया है, जिसका उद्देश्य हैदराबाद के महानगरीय क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बढ़ाना है।अपनी बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले प्रशासन ने अपने दशक भर के कार्यकाल में शहर में मेट्रो रेल प्रणाली के विस्तार की उपेक्षा की थी। उन्होंने मोदी को मेट्रो रेल के दूसरे चरण की पहल के बारे में जानकारी दी, जिसमें 76.4 किलोमीटर की दूरी पर पांच कॉरिडोर प्रस्तावित हैं, जिस पर अनुमानित 24,269 करोड़ रुपये का निवेश होगा और उन्होंने परियोजना को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया। रेवंत रेड्डी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली में उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को लंबित परियोजनाओं और अधिक संख्या में आईपीएस अधिकारियों की मंजूरी सहित राज्य से संबंधित मुद्दों के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने मोदी से क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के दक्षिणी हिस्से को तत्काल मंजूरी देने की अपील की, क्योंकि उत्तरी हिस्से में 90 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण का काम पहले ही पूरा हो चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आरआरआर का पूर्ण उपयोग तभी हो सकता है, जब आरआरआर के दक्षिणी और उत्तरी हिस्से का काम एक साथ पूरा हो जाए। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि राज्य सरकार दक्षिणी हिस्से के लिए भूमि अधिग्रहण की लागत का 50 प्रतिशत वहन करने के लिए तैयार है।

उन्होंने आरआरआर के समानांतर एक क्षेत्रीय रिंग रेल परियोजना विकसित करने के प्रस्ताव के बारे में भी बताया। क्षेत्रीय रिंग रेल परियोजना के पूरा होने पर तेलंगाना और अन्य राज्यों में रेलवे संपर्क में सुधार होगा, उन्होंने क्षेत्रीय रिंग रेल के लिए अनुमति देने का अनुरोध किया। चूंकि तेलंगाना एक स्थलरुद्ध राज्य है, इसलिए मुख्यमंत्री ने मोदी से माल के निर्यात और आयात को सुविधाजनक बनाने के लिए क्षेत्रीय रिंग रोड के पास एक ड्राई पोर्ट को मंजूरी देने का भी अनुरोध किया। रेवंत रेड्डी ने ड्राई पोर्ट से समुद्री बंदरगाह को जोड़ने के लिए रेल लाइन के साथ एक ग्रीनफील्ड सड़क का भी प्रस्ताव रखा और प्रधानमंत्री से परियोजना को अनुमति देने का अनुरोध किया। हैदराबाद शहर से होकर बहने वाली मूसी नदी और तेलंगाना की संस्कृति और आध्यात्मिकता के बीच संबंध के महत्व को समझाते हुए रेवंत रेड्डी ने प्रतिष्ठित मूसी कायाकल्प परियोजना के लिए केंद्र का समर्थन मांगा। मूसी परियोजना में ईसा और मूसा नदियों के संगम पर बापू घाट का विकास, मूसी शुद्धिकरण के लिए 27 एसटीपी का निर्माण और मूसी रिटेनिंग दीवारें, तटबंध और मूसी और गोदावरी नदियों को जोड़ना शामिल है। उन्होंने प्रधानमंत्री से गांधी सरोवर परियोजना के लिए 222.7 एकड़ रक्षा भूमि के हस्तांतरण में सहयोग करने का भी अनुरोध किया। रेवंत रेड्डी ने नरेंद्र मोदी को साइबर अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी के मामलों में वृद्धि और राज्य में शहरों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर आईपीएस अधिकारियों की कमी के बारे में जानकारी दी। राज्य के विभाजन के बाद, तेलंगाना को 61 आईपीएस कैडर पद आवंटित किए गए और समीक्षा के बाद 2015 में 15 और आईपीएस पद स्वीकृत किए गए। उन्होंने मोदी से राज्य को 29 अतिरिक्त आईपीएस पद स्वीकृत करने का अनुरोध किया।

प्रोटीन के सेवन को प्राथमिकता देने का आग्रह

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व प्रोटीन दिवस के अवसर पर, पोल्ट्री इंडिया, भारतीय पोल्ट्री उपकरण निर्माता संघ (आईपीईएमए) चिंताजनक प्रोटीन की कमी के बारे में जागरूकता बढ़ा रहे हैं और चिकन और अंडे जैसे किफायती, उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन स्रोतों की वकालत कर रहे हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अध्ययनों से पता चलता है कि 73 प्रतिशत भारतीय प्रोटीन की कमी से पीड़ित हैं, और 17 प्रतिशत आबादी कम वजन की समस्या से जूझ रही है और इस पोषण संबंधी अंतर के गंभीर स्वास्थ्य परिणाम हैं, जिसमें विकास में बाधा, कमजोर प्रतिरक्षा कार्य और दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा बढ़ना शामिल है।

राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) के अनुसार, अनुशंसित दैनिक प्रोटीन सेवन शरीर के वजन के प्रति किलोग्राम 0.8-1 ग्राम है, तथा शारीरिक रूप से सक्रिय व्यक्तियों के लिए अतिरिक्त 20-30 ग्राम प्रतिदिन की सलाह दी जाती है। अंडे और चिकन इस कमी को पूरा करने का एक सुलभ और किफ़ायती उपाय है। एक मध्यम आकार के अंडे में 6 ग्राम प्रोटीन होता है, जबकि चिकन एक और दुबला, उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन स्रोत है, जिसमें आयरन, जिंक और बी विटामिन जैसे आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। पोषण विशेषज्ञ पूजा मखीजा ने कहा कि मैं आवश्यक प्रोटीन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रति सप्ताह कम से कम 5-6 अंडे खाने और नियमित रूप से चिकन खाने की सलाह देती हूं।

प्रवर्तन निदेशालय ने पोंजी योजनाओं के पीड़ितों को कुर्क की गई संपत्तियां वापस लौटाईं

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय, हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय ने एग्री गोल्ड समूह की कंपनियों द्वारा शुरू की गई पोंजी योजनाओं के पीड़ितों को लगभग 3,339 करोड़ रुपये (कुर्की के समय संपत्तियों का मूल्य) की कुर्क की गई संपत्तियों को वापस लौटाने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। जब्त संपत्तियों का वर्तमान बाजार मूल्य 6000 करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है। दिसंबर 2024 में, ईडी ने हैदराबाद के मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश की विशेष अदालत (पीएमएलए) के समक्ष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 8(8) के तहत पुनर्स्थापन आवेदन दायर किया, ताकि उसके द्वारा सीआईडी, आंध्र प्रदेश को कुर्क की गई चल और अचल संपत्तियों को वापस किया जा सके, ताकि ऐसी कुर्क की गई संपत्तियों को आंध्र प्रदेश वित्तीय प्रतिष्ठानों के जमाकर्ताओं के संरक्षण (एपीपीडीएफई) अधिनियम, 1999 के प्रावधानों के तहत कृषि स्वर्ण पोंजी योजनाओं के पीड़ितों को वापस किया जा सके। न्यायालय ने 21 फरवरी, 2025 के आदेश के तहत ईडी द्वारा दायर पुनर्स्थापन याचिका को अनुमति दी, जिससे पीड़ितों को कुर्क की गई संपत्तियों की बहाली का रास्ता साफ हो गया। जिन कुर्क संपत्तियों के लिए न्यायालय द्वारा पुनर्स्थापन की अनुमति दी गई है, उनमें 2,300 से अधिक कृषि भूमि, आवासीय/वाणिज्यिक भूखंड और अपार्टमेंट के साथ-साथ आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के चिन्नाकाकानी में "हैलैंड' के नाम से एक मनोरंजन पार्क शामिल हैं। कुर्क की गई कुल 2310 अचल संपत्तियों में से 2254 आंध्र प्रदेश, 43 तेलंगाना, 11 कर्नाटक और दो ओडिशा में हैं। ईडी ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, ओडिशा और अंडमान और निकोबार में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर 2018 में मेसर्स एग्री गोल्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज के खिलाफ जांच शुरू की थी। एग्री गोल्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज ने उच्च रिटर्न या आवासीय प्लॉट का वादा करके रियल एस्टेट निवेश के नाम पर लगभग 19 लाख ग्राहकों और 32 लाख खाताधारकों से जमा राशि एकत्र की थी। ईडी की जांच में पता चला कि एग्री गोल्ड ग्रुप ने रियल एस्टेट कारोबार की आड़ में फर्जी सामूहिक निवेश योजना चलाई, जिसके लिए 130 से अधिक कंपनियां बनाई गईं। ये कंपनियां जमाकर्ताओं से 'प्लॉट के लिए अग्रिम' के रूप में जमा राशि एकत्र करती थीं, जबकि कंपनी के पास उचित जमीन उपलब्ध नहीं थी। इस कारोबारी मॉड्यूल का पालन करके, आरोपियों ने लाखों भोले-भाले लोगों को लालच दिया और उनसे जमा राशि प्राप्त की। इसके बाद इन निधियों को जमाकर्ताओं की जानकारी के बिना बिजली/ऊर्जा, डेयरी, मनोरंजन, स्वास्थ्य (आयुर्वेदिक), कृषि भूमि उपक्रमों आदि जैसे विभिन्न उद्योगों में डायवर्ट कर दिया गया और कंपनियों ने जमा राशि को नकद या वस्तु के रूप में वापस करने में चूक की, जैसा कि सहमति हुई थी। लोगों को लुभाने के लिए एग्री गोल्ड समूह ने हजारों कमीशन एजेंटों को नियुक्त किया और वे 32 लाख से अधिक निवेशक खातों से लगभग 6380 करोड़ रुपये एकत्र करने में सफल रहे। पीएमएलए जांच के दौरान, विभिन्न राज्यों में फैली चल और अचल संपत्तियों की कीमत लगभग 4141.2 करोड़ रुपये ईडी द्वारा जब्त की गई। ईडी ने दिसंबर 2020 में अव्वा वेंकट रामा राव, अव्वा वेंकट शेषु नारायण राव और अव्वा हेमा सुंदर वर प्रसाद को भी गिरफ्तार किया था और फरवरी 2021 में 14 आरोपियों और संस्थाओं के खिलाफ विशेष पीएमएलए कोर्ट, नामपल्ली, हैदराबाद के समक्ष अभियोजन शिकायत दर्ज की थी। सभी आरोपियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध का संज्ञान 29 अगस्त, 2023 को न्यायालय द्वारा लिया गया था। इसके बाद, 28 मार्च, 2024 को 22 आरोपियों के खिलाफ पूरक अभियोजन शिकायत दायर की गई और 4 नवंबर, 2024 को न्यायालय द्वारा इसका संज्ञान लिया गया।

कालेश्वरम परियोजना में घोष आयोग की जांच आज फिर शुरू होगी

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कालेश्वरम परियोजना से जुड़े मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराज के संबंध में न्यायमूर्ति घोष आयोग की जांच गुरुवार को फिर से शुरू होने वाली है।आयोग ने कुछ ऐसे व्यक्तियों से फिर से पूछताछ करने की योजना बनाई है, जिन्होंने पहले गवाही दी है। यह उन इंजीनियरों से भी पूछताछ करेगा, जिन्होंने परमिट देने और निर्माण प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। आयोग ने अब तक 109 व्यक्तियों से पूछताछ की है और इंजीनियरों, सीसी डिजाइनरों, ओएंडएम इंजीनियरों और परियोजना में शामिल निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए हलफनामों के बारे में सार्वजनिक जांच पूरी कर ली है। रिपोर्ट से पता चलता है कि एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की गई है, जो कुल 400 पृष्ठों की है। जैसे-जैसे जांच समाप्ति की ओर बढ़ रही है, इंजीनियरों, सेवानिवृत्त सीडीओ सीई सुरेन्द्र रेड्डी, कालेश्वरम निगम के एमडी हरिराम और अन्य को पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए 27 फरवरी से एक बार फिर नोटिस जारी किए गए हैं। हाल ही में, राज्य सरकार ने आयोग की समय सीमा को अतिरिक्त दो महीने के लिए बढ़ा दिया है।

आज साइबराबाद में निषेधाज्ञा लागू

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय की सीमाओं में सार्वजनिक व्यवस्था और शांति बनाए रखने के उद्देश्य से, अविनाश मोहंती आयुक्त ने गुरुवार (27 फरवरी) को रामचंद्रपुरम में जिला परिषद हाई स्कूल मतदान केंद्र से 100 मीटर की परिधि में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध तेलंगाना में स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों यानी मेडक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर स्नातक और मेडक-निजामाबाद-आदिलाबाद-करीमनगर शिक्षक से विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनावों के लिए मतदान के मद्देनजर लगाया गया है। यह आदेश 27 फरवरी को सुबह 0600 बजे से शाम 600 बजे तक लागू रहेगा। जनता को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति आदेशों की अवहेलना करने पर अभियोजन का भागी होगा।

महिपाल रेड्डी ने कांग्रेस चुनाव अभियान से खुद को किया अलग

संगारेड्डी, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पाटनचेरु कांग्रेस विधायक गुडेम महिपाल रेड्डी ने आदिलाबाद-मेदक-करीमनगर और निजामाबाद एमएलसी (स्नातक निर्वाचन क्षेत्र) चुनाव के प्रचार से खुद को दूर कर लिया है, जिससे निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं में काफी खलबली मच गई है।

एमएलसी चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद से ही विधायक के व्यवहार की कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काफी आलोचना की है। उन्होंने पहले अपने समर्थक एन यादगिरी यादव से नामांकन दाखिल करवाया था, लेकिन बाद में उन्हें चुनाव से हटवा दिया।

पटनचेरू में अफ़वाहें फैली हुई हैं कि यादगिरी यादव ने भाजपा उम्मीदवार सी अंजी रेड्डी के फ़ायदे के लिए चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया है, जो पटनचेरू से ही आते हैं। चूंकि इस निर्वाचन क्षेत्र में 7,000 से ज़्यादा मतदाता हैं, इसलिए अंजी रेड्डी ने कथित तौर पर यादव को चुनाव से हटने के लिए मना लिया था। पार्टी के अंदर और बाहर उनके विरोधी महिपाल रेड्डी पर कांग्रेस के खिलाफ काम करने का आरोप लगा रहे हैं। चुनाव प्रचार से दूर रहने के कारण इन आरोपों को बल मिल रहा है।

आंध्र प्रदेश में 53 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है: एससीआर

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे में बड़े पैमाने पर रेलवे स्टेशनों के उन्नयन के साथ एक बड़ा परिवर्तन चल रहा है, जिसका उद्देश्य यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करना है। "अमृत भारत स्टेशन योजना" (एबीएसएस) के तहत, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा संचालित आंध्र प्रदेश में 53 रेलवे स्टेशनों का 2,611 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है, ताकि आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान की जा सकें और उन्हें क्षेत्रीय आबादी के लिए विकास केंद्रों में परिवर्तित किया जा सके। इस मिशन को उस समय एक बड़ा बढ़ावा मिला जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2023 और फरवरी, 2024 के दौरान आंध्र प्रदेश में स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। तिरुपति और नेल्लोर रेलवे स्टेशनों के बड़े उन्नयन का काम भी शुरू किया गया है और यह तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसके अलावा, तिरुचनूर रेलवे स्टेशन को लगातार बढ़ती

तीर्थयात्रियों की भीड़ को कम करने के लिए एक क्रॉसिंग स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है और रेल उपयोगकर्ताओं को आरामदायक और सुविधाजनक रेल यात्रा का अनुभव कराने के लिए यात्री सुविधाओं के प्रावधान के साथ स्टेशन को उन्नत किया जा रहा है।

गुंतकल डिवीजन में कडप्पा रेलवे स्टेशन आंध्र प्रदेश राज्य के एससीआर के अधिकार क्षेत्र में 53 रेलवे स्टेशनों में से एक है, जिसे 26.08 करोड़ रुपये की लागत से एबीएसएस के तहत पुनर्विकास किया जा रहा है। यह स्टेशन स्वतंत्रता से पहले वर्ष 1866 में खोला गया था।दक्षिण तटीय क्षेत्र की सबसे व्यस्त लाइनों में से एक मुंबई-चेन्नई लाइन कडप्पा रेलवे स्टेशन से होकर गुजरती है।

स्टेशन पर नियोजित सुविधाओं में यातायात परिसंचरण में सुधार और परिसंचारी क्षेत्र का सौंदर्यीकरण, प्रवेश द्वार पोर्च का प्रावधान, दिव्यांग शौचालय सुविधाओं का प्रावधान, स्टेशन भवन में सुधार, एसी प्रतीक्षालय का प्रावधान, पार्किंग क्षेत्र का प्रावधान, 12 मीटर एफओबी का प्रावधान, प्लेटफ़ॉर्म रीसर्फेसिंग और प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का प्रावधान शामिल हैं।

गोदावरी नदी में पांच युवक डूबे

काकीनाडा, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्वी गोदावरी जिले के तल्लापुडी मंडल के ताड़ीपुडी में आज हादसा हुआ। गोदावरी नदी में नहाते समय पांच युवकों की मौत हो गई। महाशिवरात्रि के अवसर पर बुधवार सुबह 11 युवक गोदावरी नदी में नहाने गए थे। नदी की गहराई को न पहचान पाने के कारण उनमें से पांच डूब गए। एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में पांचों की जान चली गई।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। तैराकों की मदद से तलाशी अभियान शुरू किया गया। मृतकों की पहचान टी. पवन (17), पी. दुर्गा प्रसाद (19), पी. साई कृष्णा (19), ए. पवन (19) और जी. आकाश (19) के रूप में हुई है। ये सभी कोव्वुर, तल्लापुडी और राजमहेंद्रवरम इलाकों में इंटरमीडिएट और डिग्री की पढ़ाई कर रहे छात्र थे।

उनके गांव में मातम पसरा हुआ था क्योंकि सभी युवक एक ही गांव के थे। कोव्वुर आरडीओ रानी सुस्मिता और डीएसपी देवकुमार ने तलाशी अभियान की निगरानी की।

सीपी ने कीसरगुट्टा ब्रह्मोत्सव की व्यवस्था की निरीक्षण किया

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा आयुक्त सुधीर बाबू ने महाशिवरात्रि के अवसर पर शुरू हुए कीसरगुट्टा ब्रह्मोत्सव की व्यवस्था की निगरानी की। इस अवसर पर, कमिश्नर ने एक ऐसे व्यक्ति को प्राथमिक उपचार प्रदान करके अपने महान हृदय का परिचय दिया, जिसके पैर में चोट लगी थी और वह बीमार था। उसे बेहतर इलाज के लिए तुरंत एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया। इस मौके पर आयुक्त ने कहा कि ब्रह्मोत्सव भव्य एवं शांतिपूर्ण माहौल में मनाया जाये, इसके लिए सभी उपाय किये जा रहे हैं। सीपी ने कहा कि उन्होंने त्योहार शुरू होने से 15 दिन पहले सुरक्षा व्यवस्था शुरू कर दी है, सभी स्तर के कर्मचारियों को उचित

निर्देश दिए हैं और कई बैठकें की हैं।

न केवल रचाकोंडा से बल्कि हैदराबाद और साइबराबाद आयुक्तालयों से भी नागरिक और यातायात विभाग के अधिकारी और कर्मचारी ब्रह्मोत्सवम की सुरक्षा कर्तव्यों में भाग ले रहे हैं और कुल 2500 अधिकारियों और कर्मचारियों को सुरक्षा कर्तव्यों के लिए नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि अचानक होने वाली झड़पों और ट्रैफिक जाम को रोकने के लिए एक विशाल पार्किंग स्थल की व्यवस्था की गई है और बैरिकेड्स लगाए गए हैं। बताया गया है कि कमांड कंट्रोल के माध्यम से मंदिर परिसर के चारों तरफ लगे सीसीटीवी कैमरों से समय-समय पर स्थिति की समीक्षा की जा रही है. बताया गया है कि वीआईपी और आम श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के उचित दर्शन कर सकें, इसके लिए उचित कदम उठाए जा रहे हैं।

उड़ान में देरी को लेकर हवाई अड्डे पर प्रदर्शन

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर हैदराबाद से वाराणसी जाने वाली एक उड़ान में देरी के बाद यात्रियों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिससे हल्का तनाव पैदा हो गया। महाशिवरात्रि के अवसर पर 26 फरवरी को महाकुंभ मेला 2025 का समापन हुआ, जिसमें श्रद्धालु अंतिम पवित्र स्नान के लिए प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर उमड़ पड़े। शहर के कई यात्रियों ने पवित्र स्नान की योजना बनाते हुए, कथित तौर पर उच्च किराया देकर अपनी हवाई टिकटें बुक कर लीं।

जानकारी के अनुसार, स्पाइसजेट एयरलाइंस से टिकट बुक कराने वाले यात्री काफी पहले ही एयरपोर्ट पर पहुंच गए थे और उन्हें बोर्डिंग पास भी मिल गए थे। विमान को सुबह 10 बजे उड़ान भरनी थी। हालांकि, निर्धारित समय से कुछ मिनट पहले एयरलाइन स्टाफ द्वारा उड़ान में देरी की घोषणा कर दी गई, जिससे यात्रियों में गुस्सा भड़क गया। यात्रियों ने आरोप लगाया कि एयरलाइन्स के कर्मचारियों ने उनके सवालों का तुरंत जवाब नहीं दिया और वे कम से कम तीन घंटे तक असमंजस में रहे। कई यात्रियों ने कहा कि उन्होंने हवाई टिकट बहुत ज़्यादा कीमत पर खरीदे थे, लेकिन उन्हें धोखा दिया गया।

यात्रियों के लिए खुला अम्बरपेट फ़्लाईओवर

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गोलनाका और अंबरपेट के व्यस्त हिस्से को जोड़ने वाले 338 करोड़ रुपये की लागत से विकसित 1.7 किलोमीटर लंबे अंबरपेट फ़्लाईओवर को बुधवार को यातायात के लिए खोल दिया गया। मंगलवार को फ़्लाईओवर का निरीक्षण करने वाले केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने अधिकारियों से यात्रियों के लिए फ़्लाईओवर खोलने को कहा था। फ़्लाईओवर के निर्माण कार्य पूरे हो गए हैं, लेकिन सर्विस रोड, हरियाली में सुधार और सौंदर्यीकरण जैसे कुछ संबंधित कार्य अभी भी लंबित हैं। केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे छोटे-मोटे काम पूरे होने का इंतजार करने के बजाय शिवरात्रि के शुभ अवसर पर सुविधा शुरू करें।

अंबरपेट फ़्लाईओवर की आधारशिला 2018 में केंद्रीय परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रखी थी।

वेमुलावाड़ा का विकास जारी रहना चाहिए : कविता

वेमुलावाड़ा, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी की एमएलसी कलवकुंतला कविता ने मांग की है कि मौजूदा कांग्रेस सरकार को राज्य के प्रमुख शैव मंदिर वेमुलावाड़ा में बीआरएस पार्टी के शासन के दौरान शुरू किए गए विकास कार्यों को जारी रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार बदलने के बाद भी विकास जारी रहना चाहिए। एमएलसी कविता ने महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर वेमुलावाड़ा में श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर का दौरा किया। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राजराजेश्वर स्वामी की कृपा हमेशा तेलंगाना के लोगों पर बनी रहे, ऐसी कामना है। उन्होंने कहा, "केसीआर ने वेमुलावाड़ा के विकास के लिए बहुत काम किया है। जब बीआरएस पार्टी सत्ता में थी, तब केसीआर ने

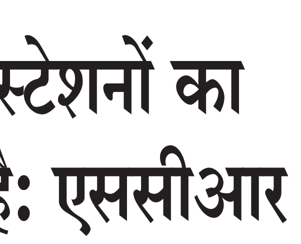

वेमुलावाड़ा मंदिर के विकास के लिए 250 करोड़ रुपये खर्च किए थे।" उन्होंने कहा कि सरकार ने बीआरएस शासन के दौरान मंदिर के तालाब के पास 30 एकड़ जमीन खरीद कर मंदिर को सौंप दी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार इस इलाके में कोई विकास नहीं हो रहा है। उन्होंने मांग की कि विकास कार्य जारी रहना चाहिए और जल्द से जल्द पूरा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजन्ना-सिरसिला जिले को हथकरघा जिले के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री केटीआर ने मंत्री रहते हुए हथकरघा श्रमिकों के लिए कई पहल की थीं। उन्होंने आरोप लगाया, ''मौजूदा सरकार उन कार्यक्रमों को ठीक से लागू नहीं कर रही है, जिसकी वजह से सिरसिला फिर से फांसी का फंदा बन गया है।'' उन्होंने मांग की कि सरकार सिरसिला के हथकरघा बुनकरों की मदद करे। उन्होंने कहा कि सरकार को सभी निर्वाचन क्षेत्रों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सिरसिला जिले में बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि यह एक शातिर सरकार है जिसने केटीआर की तस्वीर लगाने पर एक चाय की दुकान को हटा दिया। उन्होंने कहा कि सरकार को इस तरह की प्रतिशोधात्मक प्रथाओं को तुरंत रोकना चाहिए।

स्नातक और शिक्षक एमएलसी निर्वाचन क्षेत्र के चुनावों की सभी तैयारियां पूरी

करीमनगर, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक-निजामाबाद-करीमनगर-आदिलाबाद स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए गुरुवार को होने वाले एमएलसी चुनावों के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मतदान सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। चुनाव रिटर्निंग अधिकारी और करीमनगर जिला कलेक्टर पामेला सत्पथी ने बुधवार को जिला मुख्यालय में डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्टेडियम में स्थापित चुनाव सामग्री और मतपेटियों के वितरण और स्वागत केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने पीठासीन अधिकारियों, कर्मचारियों और चुनाव ड्यूटी करने वाले अधिकारियों को निर्देश दिए और जिले के मतदान केंद्रों के रूट मैप के लिए अधिकारियों से चर्चा भी की। पामेला सत्पथी ने अधिकारियों को एक बार फिर मतपेटियों की लॉकिंग प्रणाली और सीलिंग के बारे में जागरूकता बढ़ाने की सलाह देते हुए कहा कि मतदान सामग्री की जांच की जानी चाहिए। एमएलसी चुनाव से संबंधित विवरण का खुलासा करते हुए चुनाव रिटर्निंग ऑफिसर ने कहा कि स्नातक एमएलसी पद के लिए कुल 56 उम्मीदवार और शिक्षक पद के लिए 15 उम्मीदवार मैदान में हैं। "स्नातक एमएलसी मतदाता 3,55,159 हैं जबकि शिक्षक एमएलसी के 27,088 मतदाता हैं। सभी जिलों में 499 स्नातक मतदान केंद्र और 274 शिक्षक मतदान केंद्र हैं।

इसी तरह, 93 सामान्य मतदान केंद्र (स्नातक, शिक्षक) बनाए गए हैं और सभी जिलों में कुल 773 मतदान केंद्रों पर चुनाव होंगे," उन्होंने कहा। इस चुनाव में मतदाताओं से कहा गया है कि वे अपने मतदाता पहचान पत्र के साथ केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा स्वीकृत 12 प्रकार के पहचान पत्रों में से किसी एक को दिखाकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। मतदान समाप्त होने के बाद सभी जिलों से मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा के बीच करीमनगर के अंबेडकर स्टेडियम स्थित स्वागत केंद्र में ले जाया जाएगा। मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के साथ धारा 144 लागू रहेगी।

साथ ही सीसीटीवी कैमरों से निगरानी के साथ कंट्रोल रूम से लगातार निगरानी की जाएगी। पामेला सतपथी ने मतदाताओं से बिना किसी प्रलोभन के स्वतंत्र वातावरण में अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि स्नातक और शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए पंजीकृत मतदाता केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए विशेष अवकाश दिया जाएगा।

चोरों ने किराने की दुकान में लगाई सेंध

7 लाख रुपये नकद लेकर हो गए फरार

हैदराबाद, 26 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल के गांधीनगर में चोरों ने एक किराने की दुकान में सेंध लगाई और काउंटर में रखी 7 लाख रुपये की नकदी चुरा ली। पुलिस के अनुसार, 23 फरवरी को चोरों ने शटर को क्षतिग्रस्त कर दुकान में घुसकर दराज से नकदी चोरी कर ली थी। बुधवार को दुकान पर काम करने वाले कर्मचारियों ने दुकान में चोरी होने का पता लगाया और पुलिस को सूचना दी। उप्पल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चोरों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.